| | |
|---|---|
| संसेक्स | 71,752.11 |
| निफ्टी | 21,725.70 |
| सोना | 58,000 |
| चांदी | 76,500 |
| डॉलर | 83.03 |

# बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

/padmeshmedia /padmeshmedia

epaper.balaghatexpress.in

बालाघाट
गुरुवार 01 फरवरी 2024
माघ कृष्ण 07 विक्रम सम्वत 2080
वर्ष 15, अंक 131
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00


## खास खबर

### मोबाइल फोन सस्ते हो सकते हैं

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने बजट पेश होने के एक दिन पहले मोबाइल के स्पेयर पार्ट्स पर इम्पोर्ट ड्यूटी 15 प्रतिशत से घटाकर 10 प्रतिशत कर दी है। इससे मोबाइल फोन सस्ते हो सकते हैं। वित्त मंत्रालय की ओर से जारी नोटिफिकेशन के अनुसार बैटरी कवर, मेन कैमरा लेंस, बैक कवर, प्लास्टिक और मेटल के अन्य मैकेनिकल आइटम, जीएसएम एंटीना और अन्य हिस्सों पर आयात शुल्क घटाकर 10 प्रतिशत कर दिया गया है।

बीते दिनों मोबाइल कंपनियों ने सरकार से मैन्युफैक्चरिंग कॉस्ट घटाने के लिए 12 स्पेयर पार्ट्स पर इम्पोर्ट ड्यूटी घटाने की मांग की थी। कंपनियों का कहना था कि अगर चीन, वियतनाम जैसे देशों को मैन्युफैक्चरिंग में कॉम्पिटिशन देना है तो कॉस्ट में कमी लानी होगी।

### देश में पहली बार सेरेमिक घुटना ट्रांसप्लांट

कोयंबटूर । तमिलनाडु के कोयंबटूर की निजी अस्पताल में भारत का पहला सेरेमिक घुटने का ट्रांसप्लांट हुआ है। नी रिप्लेसमेंट में यह पहली सफलता है। ऑर्थोपेडिक सर्जरी विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर एस राजशेखरन और जर्मनी के डॉक्टर माइकल वेगनर के साथ सर्जिकल टीम ने सेरेमिक घुटने का प्रत्यारोपण किया। चिकित्सकों ने दावा किया है, कि यह न्यूनतम घिसाव ऊतक प्रबंधन और जोड़ को बेहतरीन तरीके से काम करने वाला बनाएगा। इस कृत्रिम अंग की उम्र भी ज्यादा होगी। मेटल का घुटना कुछ वर्षों के बाद घिस जाता था। कई बार कोशिकाएं भी प्रतिक्रिया करती थी। जिसके कारण मरीज को सूजन और दर्द का सामना करना पड़ता था। चिकित्सकों ने दावा किया है, कि चेहरे में घुटना सिस्टम पूरी तरह से धातु मुक्त, उपचार विकल्प प्रदान करने वाला दुनिया का पहला सिस्टम है।

### सड़क बनाने वाली महिलाओं को मातृत्व अवकाश

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने सड़क निर्माण करने वाली पंजीकृत महिला कर्मचारियों के लिए दो प्रसूति के लिए मातृत्व अवकाश देने की घोषणा की है। उन्हें 26 हफ्ते की सवेतानिक छुट्टी भी दी जाएगी। महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने जानकारी देते हुए बताया, कि दो बच्चों के बाद भी नियोक्ता को 12 हफ्ते का मातृत्व अवकाश देना होगा। इसका भुगतान भी करना होगा। मंगलवार को इसकी घोषणा करते हुए उन्होंने कहा, महिलाओं की भागीदारी पर दिशा निर्देश जारी कर दिए गए हैं। सभी अधिकारियों को निर्देश जारी किए गए हैं। गर्भवती महिलाओं को यह सुविधा अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराई जाए। स्मृति ईरानी ने यह भी कहा कि महिला कर्मचारियों को ऑनलाइन भुगतान किया जाना अनिवार्य किया जाए। उनके वेतन से कोई कटौती न हो। प्रसूति अवकाश के लिए आने-जाने के लिए जरूरी सुविधाएं भी महिला को उपलब्ध कराई जाए।

### भारतीयों के लिए अमेरिकी वीजा महंगा हुआ

नई दिल्ली। भारत में अमेरिका के राजदूत एरिक गार्सेटी ने मंगलवार को कहा कि भारतीय छात्रों और व्यापारियों को अमेरिकी वीजा जारी करने की संख्या पिछले साल की तुलना में हाल के महीनों में 60 फीसदी तक बढ़ गई है। इंडो-अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स के एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए गार्सेटी ने कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार बढ़कर 200 अरब डॉलर प्रति वर्ष हो गया है और वह निकट भविष्य में 500 अरब डॉलर का लक्ष्य देख रहे हैं। गार्सेटी ने कहा कि हाल ही में अमेरिका में वैश्विक व्यापार नेताओं की एक बैठक में प्रतिभागियों की सबसे बड़ी संख्या भारत से थी और यह दोनों देशों के बीच मजबूत होते संबंधों को दिखाता है।

# हेमंत सोरेन को ईडी ने किया गिरफ्तार, चंपई सोरेन झारखंड के नए मुख्यमंत्री

**रांची । हेमंत सोरेन को प्रवर्तन निदेशालय ने गिरफ्तार कर लिया है। इससे पहले हेमंत सोरेन ने झारखंड के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। इसी बीच नए मुख्यमंत्री का नाम सामने आया है। चंपई सोरेन झारखंड के नए मुख्यमंत्री होंगे। चंपई सोरेन हेमंत सोरेन के करीबी बताए जाते हैं।**

ईडी ने कथित भूमि घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सीएम सोरेन से आज पूछताछ की। इसके बाद हेमंत सोरेन मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के लिए राजभवन पहुंचे। इसी बीच सत्ता पक्ष के विधायक भी रांची में राजभवन पहुंच गए। बताया जाता है कि चंपई सोरेन राज्यपाल से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश करेंगे। चंपई सोरेन फिलहाल झारखंड सरकार के यातायात, अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री हैं। वे झारखंड मुक्ति मोर्चा के उपाध्यक्ष भी हैं। चंपई सोरेन के पास 41 से ज्यादा विधायकों का समर्थन है। 80 सदस्यीय विधानसभा में बहुमत का आंकड़ा 41 है।

बुधवार को देर शाम को हेमंत सोरेन ने झारखंड के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया और इसके साथ ही सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेतृत्व वाले गठबंधन ने नए मुख्यमंत्री के रूप में वरिष्ठ नेता चंपई सोरेन का नाम प्रस्तावित किया। इससे पहले हेमंत सोरेन से भूमि घोटाले से जुड़े मनी लॉन्डरिंग केस में प्रवर्तन निदेशालय से करीब सात घंटे तक पूछताछ की। इसके बाद हमेंत सोरेन ने राजभवन जाकर राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को अपना इस्तीफा सौंप दिया।

जेएमएम के नेता और राज्यमंत्री बन्ना गुप्ता ने संवाददाताओं से कहा, हमने चंपई सोरेन को विधायक दल के नेता के रूप में चुना है। हम शपथ समारोह के लिए राज्यपाल से अनुरोध करने राजभवन आए थे।

झारखंड के प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा, ''हेमंत सोरेन ने झारखंड के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है। सत्तारूढ़ जेएमएम-कांग्रेस-आरजेडी गठबंधन ने नए मुख्यमंत्री के रूप में जेएमएम के वरिष्ठ नेता चंपई सोरेन का नाम प्रस्तावित किया है।

इससे पहले झारखंड मुक्ति मोर्चा की सांसद महुआ माजी ने प्रेस से कहा, सीएम ईडी की हिरासत में हैं। सीएम अपना इस्तीफा सौंपने के लिए ईडी टीम के साथ राज्यपाल के पास गए हैं...चंपई सोरेन नए मुख्यमंत्री होंगे...हमारे पास पर्याप्त संख्या है।

इससे पहले मुख्यमंत्री आवास पर जुटे विधायकों ने चंपई सोरेन को जेएमएम विधायक दल का नेता चुना। पार्टी के प्रवक्ता विनोद पांडे ने कहा कि चंपई सोरेन के नाम पर आम सहमति बन गई।

# आज केंद्रीय अंतरिम बजट संसद में होगा प्रस्तुत

नई दिल्ली। केन्द्रीय अंतरिम बजट गुरूवार को संसद में प्रस्तुत होगा। चूंकि यह अंतरिम बजट है। चुनावी वर्ष भी है, इसलिए कुछ लोक-लुभावने वायदे किए जा सकते हैं। इसमें वेतनभोगी वर्ग को स्टैंडर्ड डिडक्शन जिसमें अभी 50 हजार रुपए की छूट मिलती है, उसे सरकार बढ़ाकर 1 लाख रुपए तक कर सकती है। आयकर की दरों में भी कुछ बदलाव की उम्मीद की जा रही है। इसी प्रकार वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) कानून में भी कुछ रियायतें दी जा सकती हैं। इसमें विकास के कार्यों के खर्चों पर सरकार का विशेष जोर रह सकता है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक फरवरी को लगातार छठा बजट पेश करेंगी। इसके साथ ही उनके नाम कई रिकॉर्ड दर्ज होंगे। वह लगातार पांच पूर्ण बजट और एक अंतरिम बजट पेश कर पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई के क्लब में शामिल हो जाएंगी। सीतारमण पहली पूर्णकालिक महिला वित्त मंत्री हैं, जो जुलाई 2019 से अब तक पांच पूर्ण बजट पेश कर चुकी हैं। पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई ने सर्वाधिक 10 बार बजट पेश किए थे।

विपक्ष जब जातिगत जनगणना के मुद्दे के सहारे केंद्र सरकार को घेरने की योजना बना रहा था, प्रधानमंत्री मोदी ने इसकी खूब आलोचना की थी। उन्होंने कहा था कि जातिगत राजनीति करके देश को गर्त में धकेलने का काम किया गया है। अब यह सोच बदलनी चाहिए। विकसित भारत संकल्प यात्रा के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने महिलाओं, युवाओं, किसानों और गरीबों को अपने लिए चार विशेष जातियां बताया था। एक फरवरी को पेश किए जाने वाले बजट में इन्हीं चार वर्गों के लिए विशेष कल्याणकारी योजनाएं पेश की जा सकती हैं। ऐसा कर भाजपा 2024 के लोकसभा चुनाव में अपनी जीत सुनिश्चित करना चाहेगी। वर्ष 2019 में लोकसभा चुनाव के पूर्व पेश किए गए अंतरिम बजट में भी केंद्र सरकार ने किसानों के लिए नकद आर्थिक सहायता योजना पेश कर पूरा खेल पलट दिया था। माना जाता है कि किसानों की तमाम नाराजगी के बीच केंद्र सरकार ने यह योजना पेश कर किसानों के एक बड़े वर्ग का समर्थन हासिल कर लिया था, जिसने उस महत्त्वपूर्ण चुनाव में भाजपा को रिकॉर्ड जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

एक समय प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के लाभार्थियों की संख्या 11 करोड़ से ऊपर पहुंच गई थी। हालांकि बाद में इसमें कमी आई। दिसंबर 2023 में कृषि एवं कल्याण राज्य मंत्री कैलाश चौधरी ने संसद में जानकारी दी थी कि अब इस योजना के लाभार्थियों की संख्या 8.12 करोड़ है। कृषि मंत्रालय के एक अधिकारी ने अमर उजाला को बताया कि पीएम किसान योजना की राशि में कुछ बढ़ोतरी कर सरकार एक बार फिर किसानों को लुभाने की कोशिश कर सकती है।

### केजरीवाल को ईडी का 5वां समन

नई दिल्ली। शराब घोटाला मामले में जांच एजेंसी ईडी ने बुधवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को एक बार फिर समन जारी किया है। एजेंसी ने केजरीवाल को 5वीं बार समन भेजकर 2 फरवरी को पूछताछ के लिए बुलाया है। इससे पहले भेजे गए समन को मुख्यमंत्री केजरीवाल ने बदले की कार्रवाई बताया था। ईडी ने इससे पहले 17 जनवरी, 3 जनवरी, 21 दिसंबर और 2 नवंबर को दिल्ली सीएम को समन भेजा था, लेकिन वो पेश नहीं हुए। चौथे समन पर केजरीवाल ने कहा था कि भाजपा मुझे गिरफ्तार करवाना चाहती है, ताकि मैं लोकसभा चुनाव में प्रचार न कर सकूं। शराब नीति केस में ही दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया और आप सांसद संजय सिंह जेल में हैं।

### पेटीएम पर आरबीआई का बड़ा एक्शन...

## 29 फरवरी के बाद नहीं दे पाएगा बैंकिंग सर्विस

नई दिल्ली। ऑनलाइन पेमेंट सर्विसेज मुहैया कराने वाली दिग्गज कंपनी पेटीएम को भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से तगड़ा झटका लगा है। दरअसल, बुधवार को डिजिटल पेमेंट और फाइनेंशियल सर्विस देने वाली कंपनी पेटीएमकी बैंकिंग शाखा पेटीएम पेमेंट बैंक पर नया कस्टमर जोडने पर पाबंदी लगा दी गई है। यानी अब पीपीबीएल के साथ कोई नया ग्राहक नहीं जुड़ सकेगा। भारतीय रिजर्व बैंक ने बुधवार को ये आदेश जारी किया।

पेटीएम पेमेंट बैंक में नए कस्टमर जोडने पर पाबंदी लगाए जाने के साथ ही, आरबीआई ने ये आदेश भी जारी किया है कि पेटीएम पेमेंट्स बैंक को 29 फरवरी 2024 के बाद किसी भी ग्राहक खाते, वॉलेट और फास्टैग में डिपॉजिट/टॉप-अप स्वीकार नहीं किए जाएंगे। बैंक के ग्राहकों द्वारा सेविंग अकाउंट, करंट अकाउंट, प्रीपेड इस्ट्रूमेंट्स, फास्टैग, नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड समेत अपने खातों से शेष राशि की निकासी या उपयोग की अनुमति बिना किसी प्रतिबंध के दी जाएगी। यानी आरबीआई द्वारा स्पष्ट किया गया है कि सेविंग्स बैंक अकाउंट, करंट अकाउंट और फास्टैग समेत अन्य में पहले से डिपॉजिट रकम को निकालने या फिर इसका इस्तेमाल बिना रोक-टोक के किया जा सकेगा। आरबीआई ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक के खिलाफ ये एक्शन बैंकिंग रेगुलेशन एक्ट-1949 के सेक्शन 35ए के तहत लिया है।

### मणिशंकर अय्यर को घर खाली करने का नोटिस

नई दिल्ली। कांग्रेस के दिग्गज नेता मणिशंकर अय्यर और उनकी बेटी सुरन्या अय्यर को दिल्ली के जंगपुरा स्थित अपना घर खाली करने का नोटिस मिला है। जो रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन ने भेजा है। नोटिस में कहा गया है कि 22 जनवरी को अयोध्या राम मंदिर अभिषेक समारोह की निंदा करने वाली सोशल मीडिया पोस्ट के लिए या तो सार्वजनिक माफी मांगे या घर खाली करें। नोटिस में लिखा गया है कि आपको ऐसे अपशब्दों का उपयोग नहीं करना चाहिए जिससे शांति भंग हो सकती है और अन्य निवासियों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचा सकती है।

आप सोचते हैं कि आपने अयोध्या में राम मंदिर की प्रतिष्ठा के विरोध में क्या गलत किया है, तो हम आपको सुझाव देंगे कि कृपया किसी अन्य कॉलोनी में चले जाएं, जहां लोग इस तरह की नफरत पर अपनी आंखे बंद कर सकते हैं।

### लोकसभा चुनाव में पीएम मोदी को जीत की हैट्रिक का भरोसा, कहा

## पूर्ण बजट जीतकर आने के बाद लाएंगे

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र का आगाज बुधवार से हो गया है। गुरूवार को निर्मला सीतारमण द्वारा अंतरिम बजट प्रस्तुत किया जाएगा। वहीं आगामी लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इशारों-इशारों में जीतने का दावा करते हुए कहा है कि जब चुनाव का समय निकट होता है तब आमतौर पर पूर्ण बजट नहीं रखा जाता है। हम भी उसी परंपरा का निर्वाह करते हुए पूर्ण बजट नई सरकार बनने के बाद आपके समक्ष लेकर आएंगे। उन्होंने कहा कि इस बार कुछ दिशानिर्देश की बातों को लेकर देश की वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण हम सबके सामने अपना अंतरिम बजट पेश करने वाली हैं। इसी बीच भाजपा के लगातार तीसरी बार भी जीतने की ओर इशारा करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि देश नित्य प्रगति की नई-नई ऊंचाइयों को पार करता हुआ आगे बढ़ रहा है, सर्वांगीण विकास हो रहा है, सर्वसमावेशी विकास हो रहा है। ये यात्रा जनता जनार्दन के आशीर्वाद से निरंतर बनी रहेगी।

#### राम-राम से शुरुआत और समापन

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन की शुरुआत और समापन दोनों ही राम-राम के अभिवादन के साथ किया। प्रधानमंत्री ने सदन में हंगामा करने वाले सांसदों को भी कड़ी नसीहत देते हुए कहा कि पिछले 10 वर्षों में जिसको जो रास्ता सूझा, उस प्रकार से सबने संसद में अपना-अपना कार्य किया। लेकिन वे इतना जरूर कहेंगे कि जिनका आदतन हुड़दंग करने का स्वभाव बन गया है, जो आदतन लोकतांत्रिक मूल्यों का चीरहरण करते हैं, ऐसे सभी सांसद आज जब आखिरी सत्र में मिल रहे हैं तो ये जरूर आत्मनिरीक्षण करेंगे कि 10 साल में उन्होंने जो किया, वो क्यों किया ? उनके संसदीय क्षेत्र में भी किसी को याद नहीं होगा कि उन्होंने इतना हुड़दंग मचाया।

#### विपक्षी नेताओं को घेरा

पीएम मोदी ने कहा कि वर्तमान लोकसभा के इस आखिरी बजट सत्र में ऐसे सांसद चिंतन और पश्चाताप जरूर करेंगे कि उन्होंने ऐसा क्यों किया। उन्होंने कहा कि हुड़दंग करने की बजाय जिन्होंने उत्तम विचारों से सदन को लाभान्वित किया होता, भले ही उन्होंने सरकार का तीखा विरोध किया हो लेकिन उनको आज भी बहुत बड़ा वर्ग याद करता होगा। आने वाले दिनों में भी जब सदन की चर्चाएं कोई देखेगा, तो उनका एक एक शब्द इतिहास की तवारीफ बनकर उजागर होगा। उन्होंने हंगामा करने वाले सांसदों को अपना व्यवहार सुधारने की नसीहत देते हुए कहा कि ऐसे सभी माननीय सांसद सुनिश्चित करें कि वे सदन में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें, सदन को सर्वोत्तम विचार दें, देश को उत्साह से भर दें।

### मंदिर कोई पिकनिक स्पॉट नहीं, यह धार्मिक स्थल है -उच्च न्यायालय

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय ने तमिलनाडु के मंदिरों में गैर हिंदुओं को प्रवेश पर रोक लगाते हुए कहा है कि मंदिर कोई पिकनिक स्पॉट नहीं, बल्कि यह धार्मिक स्थल है। मंगलवार को हाई कोर्ट ने हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग को सभी हिंदू मंदिरों में बोर्ड लगाने का निर्देश दिया। जिसमें कहा गया हो कि गैर-हिंदुओं को कोडिमारम (ध्वजपोल) क्षेत्र से आगे जाने की अनुमति नहीं है। उन घटनाओं पर प्रकाश डालते हुए जहां गैर-हिंदुओं ने कथित तौर पर गैर-धार्मिक उद्देश्यों के लिए मंदिरों में प्रवेश किया, मद्रास हाई कोर्ट की मदुरै पीठ के न्यायमूर्ति एस श्रीमथी ने कहा, मंदिर कोई पिकनिक या पर्यटन स्थल नहीं है। कोर्ट के इस फैसले में बिना किसी हस्तक्षेप के अपने धर्म का पालन करने के हिंदुओं के मौलिक अधिकार पर जोर दिया गया। यह निर्णय डी सेंथिलकुमार द्वारा दायर एक याचिका के दौरान आया, जिन्होंने डिंडीगुल जिले के पलानी में अरुलमिगु पलानी धनदायुथापानी स्वामी मंदिर और उसके उप-मंदिरों में अकेले हिंदुओं को प्रवेश करने की अनुमति मांगी थी। हाई कोर्ट ने मंदिर के प्रवेश द्वारों, ध्वजस्तंभ के पास और अन्य प्रमुख स्थानों पर ऐसे बोर्ड लगाने का निर्देश दिया, जो कोडिमारम से परे गैर-हिंदुओं पर प्रतिबंध का संकेत देते हों। इसमें यह भी कहा गया है कि यदि कोई गैर-हिंदू किसी विशिष्ट देवता के दर्शन करना चाहता है, तो उन्हें हिंदू धर्म में अपनी आस्था और मंदिर के रीति-रिवाजों का पालन करने की इच्छा की पुष्टि करने वाला एक वचन पत्र देना होगा। अदालत ने फैसला सुनाते हुए निर्देश दिया कि वे उन गैर-हिंदुओं को अनुमति न दें जो हिंदू धर्म में विश्वास नहीं करते हैं। यदि कोई गैर-हिंदू मंदिर में किसी विशेष देवता के दर्शन करने का दावा करता है, तो उत्तरदाताओं को उक्त गैर-हिंदू से एक वचन लेना होगा कि वह देवता में आस्था है, और वह हिंदू धर्म के रीति-रिवाजों और प्रथाओं का पालन करेगा और मंदिर के रीति-रिवाजों का भी पालन करेगा और इस तरह के उपक्रम पर उक्त गैर-हिंदू को मंदिर में जाने की अनुमति दी जा सकती है।

### केंद्र सरकार ने राज्य का बकाया पैसा नहीं दिया, तब 2 फरवरी से धरना - ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि अगर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली मोदी सरकार एक फरवरी तक राज्य का बकाया नहीं देती, तब वे दो फरवरी से कोलकाता में प्रदर्शन करेंगी। ममता ने पार्टी कार्यकर्ताओं और धन का भुगतान न होने से प्रभावित लोगों से धरने में भाग लेने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा, मैंने सारा बकाया चुकाने के लिए केंद्र को एक फरवरी तक का अल्टीमेटम दिया है। अगर ऐसा नहीं हुआ, तब मैं दो फरवरी से धरने पर बैठूंगी। अगर बकाया नहीं चुकाया गया, तब मुझे पता है कि इस आंदोलन के द्वारा कैसे हासिल किया जा सकता है। उन्होंने कहा, ''मैं सभी पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से धरने में भाग लेने का आग्रह करती हूं... मैं सभी का समर्थन चाहती हूं। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) और प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना (पीएमजीएवाई) सहित केंद्र सरकार द्वारा संचालित कई योजनाओं के मद में राज्य का

# कोर्ट ने ज्ञानवापी तहखाने में पूजा की इजाजत दी

## वाराणसी के डीएम 7 दिन में पुजारी नियुक्त करेंगे; 31 साल से बंद था तहखाना

वाराणसी। वाराणसी जिला कोर्ट ने बुधवार को ज्ञानवापी के व्यास जी तहखाने में व्यास परिवार को पूजा की इजाजत दे दी है। 31 सालों से यानी 1993 से तहखाने में पूजा-पाठ बंद था।? कोर्ट ने कहा कि वाराणसी के डीएम 7 दिन के अंदर पुजारी नियुक्त करेंगे, जिसके बाद व्यास परिवार पूजा-पाठ शुरू कर सकता है। इससे पहले, कोर्ट ने 17 जनवरी को व्यास जी के तहखाने का जिम्मा डीएम को सौंप दिया था। डीएम ने मुस्लिम पक्ष से तहखाने की चाबी अपने पास ले ली थी। इसके 7 दिन बाद यानी 24 जनवरी को डीएम की मौजूदगी में व्यास तहखाने का ताला खोला गया था। वहीं, मुस्लिम पक्ष के वकील मेराजुद्दीन ने कहा कि फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट जाएंगे। यह फैसला न्यायसंगत नहीं है।

#### 4 महीने में कोर्ट ने सुनाया फैसला

25 सितंबर 2023 को शैलेंद्र व्यास ने वाराणसी कोर्ट में याचिका दायर की थी। इसमें उन्होंने व्यास जी के तहखाने में पूजा-पाठ का अधिकार देने की मांग की थी। करीब 4 महीने बाद वाराणसी कोर्ट ने फैसला सुनाया है। ज्ञानवापी के व्यास जी तहखाने में 1993 से पहले सोमनाथ व्यास पूजा पाठ किया करते थे। हालांकि, बाद में पूजा पाठ बंद हो गई थी। 2020 में सोमनाथ व्यास का निधन हो गया था। इसके बाद शैलेंद्र व्यास ने कोर्ट से पूजा का अधिकार मांगा था। जिला जज डॉ. अजय कृष्ण विश्वेश की कोर्ट ने मंगलवार को बहस पूरी कर ली गई थी। इस दौरान अंजुमन इंतजामिया ने वकील मुमताज अहमद, एखलाक अहमद कहा था कि व्यासजी का तहखाना मस्जिद का पार्ट है। यह वक्फ बोर्ड की संपत्ति है। इसलिए पूजा-पाठ की अनुमति नहीं दी जा सकती है।

#### 1551 से मिलता है व्यास परिवार का सजरा

वाराणसी में व्यास परिवार वंशवृक्ष (सजरा) 1551 से मिलता है। सबसे पहले व्यास शतानंद व्यास थे, जो 1551 में इस मंदिर में बसे थे। इसके बाद सुखदेव व्यास (1669), शिवनाथ व्यास (1734), विश्वनाथ व्यास (1800), शंभुनाथ व्यास (1839), रुकनी देवी (1842) महादेव व्यास (1854), कलिका व्यास 1874), लक्ष्मी नारायण व्यास (1883), रघुनंदन व्यास (1905) बैजनाथ व्यास (1930) तक यह कारवां चला।

#### बैजनाथ व्यास की बेटी ने आगे बढ़ाया वंश

बैजनाथ व्यास को कोई बेटा नहीं था। इसलिए उनकी बेटी राजकुमारी ने वंश को आगे बढ़ाया। उनके बेटे सोमनाथ व्यास, चंद्र व्यास, केदारनाथ व्यास और राजनाथ व्यास ने परंपरा को आगे बढ़ाया। सोमनाथ व्यास का देहांत 28 फरवरी 2020 को हुआ।


**शोक संदेश**

परिवार जिसका मंदिर था, स्नेह जिसकी शक्ति थी
परिश्रम जिसका कर्तव्य था, परमार्थ जिसकी भक्ति थी।
ऐसी आत्मा को ईश्वर शांति प्रदान करें

**स्व. श्रीमती द्रोपतीबाई पाठक को**

**शत शत नमन...**

स्वर्गवास 20/01/2024

कार्यक्रम
दिनाक 01/02/2024 दिन गुरुवार
प्रातः 11.00 बजे से
गंगा पूजन एवं गंगभोज
स्थान - सांई लॉन लालबर्रा

विनीत
पं. गिरीश पाठक
रवि पाठक एवं समस्त पाठक परिवार लालबर्रा।

# अध्यक्ष के दो कक्ष को लेकर विधायक ने उठाया सवाल

बालाघाट ( पद्मेश न्यूज )। बालाघाट विधायक द्वारा नगर पालिका बालाघाट का निरीक्षण किया गया जिसमें उन्होंने सबसे पहले बालाघाट नगर पालिका के सभा हाल सहित नगर पालिका भवन की बिल्डिंग पर सवाल खड़े किये , की आज अधिकारी कर्मचारी एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा अपने अपने चेंबर को चमका दिया गया है, किंतु नगर पालिका भवन की पुताई तक नहीं की गई है एवं भाजपा नगर अध्यक्ष सुरजीत ठाकुर पर सवाल खड़े करते हुए कहा गया कि उन्होंने किस अधिकार से नगर पालिका में अपना कक्ष बनवाया है एवं ताला लगाकर उनके द्वारा रखा गया है उसे वह नैतिकता के आधार पर ताला खोले, जबकि वह नगर पालिका में किसी पद पर भी नहीं है। आपको बता दे की बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे द्वारा 31 जनवरी को दोपहर 1:00 बजे नगर पालिका बालाघाट का निरीक्षण किया गया जिसमें उन्होंने नगर पालिका के मुख्य नगर पालिका अधिकारी निशांत कुमार श्रीवास्तव के साथ नगर पालिका की सभी शाखाओं का निरीक्षण किया , जहां उन्होंने निरीक्षण के दौरान नगर पालिका में बनाए गए सुरजीत सिंह ठाकुर के कक्ष पर सवाल खड़े किए और कहा कि नगर अध्यक्ष सुरजीत ठाकुर द्वारा किस अधिकार से नगर पालिका में एक कक्ष बनाया गया है, और अपने नाम की तख्ती लगाई गई है उसे वह तत्काल नैतिकता के आधार पर हटा दे ,फिर उन्होंने अन्य शाखाओं में जा जाकर देखा एवं कर्मचारियों से चर्चा की कि उन्हें काम करने में कोई परेशानी तो नहीं आ रही है हितग्राही परेशान तो नहीं हो रहे हैं जब वह सूचना के अधिकार शाखा में पहुंची तो बताया गया की सूचना के अधिकार के शाखा प्रभारी द्वारा सूचना के अधिकार की जानकारी नहीं दी जाती जिस पर उन्होंने उनसे पूछा कि आखिर वह क्यों जानकारी नहीं देते तब पता चला कि उन्हें ही विभाग के द्वारा जानकारी नहीं दी जाती जिस वजह से वह किसी को जानकारी प्रदान नहीं कर पाते हैं जिसे उन्होंने जल्द ही सुधार कर व्यवस्था दुरुस्त करने की बात कही है।

## नगर पालिका के भवन पर उठाए सवाल

जब वह निरीक्षण कर रहे थे उस समय उन्होंने निरीक्षण के दौरान देखा कि नगर पालिका की बिल्डिंग बहुत खराब दिख रही है कई जगह तो बिल्डिंग पर घास उग गयी थी, यह स्थिति को देखते हुए उन्होंने कहा कि नगर पालिका के अधिकारी व जनप्रतिनिधियों द्वारा अपने-अपने बैठने के चेंबर को तो चमका दिया गया है , किंतु नगर पालिका की बिल्डिंग पर आज घास उग रही है इस पर कोई ध्यान नहीं दे रहा है, उन्होंने तत्काल ही नगर पालिका की बिल्डिंग को पुताई करने के निर्देश मुख्य नगर पालिका अधिकारी को दिए है।

## नपा. शाखाओ का किया निरीक्षण

उन्होंने निरीक्षण के दौरान राजस्व शाखा, स्वास्थ्य शाखा ,पीडब्ल्यूडी विभाग, जलप्रपात ,विद्युत शाखा ,योजना शाखा सहित अनेक शाखाओ के निरीक्षण किया और कर्मचारियों को सख्त निर्देश दिए कि वह शहर की जनता को नगर पालिका की योजनाओं से लाभान्वित करें कोई भी पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ दिया जाए , नगर पालिका में राजनीति नहीं होना चाहिए ,क्योंकि उन्हें अक्सर यही शिकायत आती है कि कांग्रेस पार्टी के वार्डों में काम नहीं होते, कांग्रेसी पार्षदों को घुमाया जाता है इन सब विषय को लेकर उन्होंने अधिकारी कर्मचारियों को सख्त निर्देश दिए इस प्रकार की शिकायत उनके पास नहीं आनी चाहिए।

## शहर में नही दिख रही स्वच्छता

जब वह निरीक्षण के दौरान स्वच्छता शाखा में पहुंची तो वहां के स्वच्छता प्रभारी सहित अधिकारी कर्मचारियों को कहा कि शहर से इतने लोगों की शिकायत उनके पास आती है कि उन्हें लगता है कि वह स्वयं ही नगर पालिका में है और जहा वहा शहर में गंदगी दिख रही है नालियां साफ नहीं होती है शहरों इधर-उधर कचरा पड़ा रहता है कम से कम नगर पालिका शहर में स्वच्छता को लेकर काम करें, शहर में स्वच्छता को लेकर कोई भी काम दिख नहीं रहा है स्वच्छता शाखा में उन्होंने नगर पालिका की बिल्डिंग को लेकर भी कहा कि कम से कम नगर पालिका के परिसर को तो वह स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखें ताकि कोई नगर पालिका में आए तो उस एक अच्छा संदेश जाये।

## नगर पालिका के ड्राइवर चलाते हैं प्राइवेट गाड़ियां

निरीक्षण के दौरान उन्हें यह भी जानकारी लगी कि नगर पालिका के जो वाहन चालक है वह प्राइवेट वाहन चलाने बाहर जा रहे हैं, जिस पर उन्होंने कहा कि यह गलत है नगर पालिका के वाहन चालको से प्राइवेट गाड़ियां नहीं चलवाना चाहिए ,यदि कल को कोई घटना होती है तो उसमें नगर पालिका जिम्मेदार होगी जिस पर मुख्य नगर पालिका अधिकारी द्वारा कहा गया कि जल्द ही इस व्यवस्था को सुधारी जायगी।

## परिसर में मिली शराब की बोतले विधायक ने जाहिर की नाराजगी

जब विधायक अनुभा मुंजारे नगर पालिका का निरीक्षण कर रही थी एवं एक शाखा से दूसरी शाखा की ओर जा रही थी उसी समय उन्हें नगर पालिका परिषद में एक स्थान पर बहुत सारी डिस्पोजल और शराब की बोतले जमा दिखाई दी जिस पर उन्होंने मुख्य नगर पालिका अधिकारी और स्वच्छता शाखा प्रभारी को कहा कि नगर पालिका परिसर में यह सब क्या है और इस प्रकार से नगर पालिका में यह पड़ी है जबकि 100 से 200 कर्मचारी नगर पालिका में काम कर रहे है ,लेकिन किसी के द्वारा भी इसे हटाने का काम नहीं किया गया और उन्होंने कहा कि नगर पालिका परिसर और शासकीय कार्यालय में यह बोतल आई कैसे यह सबसे बड़ा प्रश्न है और इस प्रकार से नगर पालिका चल रही है।

## एक चैंबर पर ताला लगाया गया है जो कि गलत है-अनुभा मुंजारे

बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे द्वारा मीडिया से चर्चा के दौरान बताया गया ,कि उन्हें शहर की जनता द्वारा अनेक बार नगर पालिका को लेकर शिकायत बताई जा रही थी , जिसको लेकर उन्होंने बालाघाट नगर पालिका का निरीक्षण किया है और उन्हें कुछ गड़बड़ियां नजर तो आ रही है उन्हें सफाई नगर पालिका परिसर में बिल्कुल नहीं दिखाई दी उन्होंने कहा कि जहां एक और देश के प्रधानमंत्री सफाई अभियान चला रहे हैं और नगर पालिका में सफाई तक नहीं दिख रही है , उन्होंने बताया कि नगर पालिका के भवन की स्थिति काफी खराब है उन्होंने यह भी बताया कि कुछ कर्मचारियों द्वारा रजिस्टर में हस्ताक्षर नहीं किए गए हैं, वहीं कुछ कर्मचारी तो लंबी छुट्टी लेकर चले गए हैं, इस प्रकार का रजिस्टर मेंटेन किया जा रहा है, उन्होंने मुख्य नगर पालिका अधिकारी को नगर पालिका की व्यवस्था सुधारने और सिस्टमैटिक कार्य करने की बात कहि, उन्होंने भाजपा नगर अध्यक्ष सुरजीत ठाकुर को आड़े हाथ लेते हुये कहा कि नगर पालिका बालाघाट में भारतीय ठाकुर का चेंबर है क्योंकि वह अध्यक्ष है किंतु उनके पति सुरजीत ठाकुर द्वारा भी एक चैंबर बनाकर उस पर ताला लगाया गया है जो कि गलत है और उन्हें नैतिकता के आधार पर ताला खोलकर उस चैंबर को हटाना चाहिए ,मुलना गार्डन, राणा हनुमान सिंह के गेट को लेकर अनेक विषयों पर विधायक द्वारा नाराजगी जाहिर की गई और कहा कि यह सब काम रुके हुए हैं जिन्हें वह यथाशीघ्र गति देंगे।

## बालाघाट विधायक को कोई भी बयान देने से पहले सोचना समझना चाहिए-सुरजीत सिंह ठाकुर

इस विषय को लेकर जब हमारे द्वारा भाजपा नगर अध्यक्ष सुरजीत सिंह ठाकुर से चर्चा की गई तो उनके द्वारा बताया गया कि बालाघाट विधायक को कोई भी बयान देने से पहले सोचना समझना चाहिए क्योंकि वह किस अधिकार से बालाघाट नगर पालिका में अपना कक्ष बनाएंगे और कोई भी जाकर नगरपालिका में देख सकता है कि किसके नाम का बोर्ड लगा है और किसका कक्ष है और वहां , मेरे नाम का बोर्ड लगाने का कोई प्रश्न ही खड़ा नहीं होता उन्होंने कहा कि बालाघाट विधायक को विकास के मुद्दों पर बात करना चाहिए, जिन मुद्दों पर उन्होंने चुनाव लड़ा है उन मुद्दों को लेकर उन्हें काम करना चाहिए और उन्होंने कहा कि रही बात नगर पालिका बालाघाट की तो जो भी अच्छे काम हो सकते है वह नगर पालिका अध्यक्ष भारती सुरजीत ठाकुर के द्वारा किए जा रहे हैं और उनकी भारतीय जनता पार्टी की पूरी टीम नगर पालिका में है जो अच्छे से अच्छा काम करने का प्रयास कर रही हैं उन्होंने यह भी बताया कि उन्होंने भी जब वह नगर पालिका अध्यक्ष थी तब उनके नेताओं को नगर पालिका से दूर रखने का काम उनके द्वारा भी किया गया था , वहीं उन्होंने यह भी कहा कि वह अपने कार्यकाल के एक से दो काम बताएं जो उन्होंने करवाए हो अपने कार्यकाल के समय में उनके विधायक और सांसद को कभी मंच पर स्थान नहीं दिया, उन्होंने यह भी कहा कि बालाघाट विधायक द्वारा अपने सम्मान के लिए लड़ाई लड़ी जा रही है और सम्मान कभी मांग कर हासिल नहीं किया जाता सम्मान को स्वतः ही दिया जाता है और एक जनप्रतिनिधि को सम्मान मांगने की कभी आवश्यकता नहीं पड़नी चाहिए और हमेशा जन सेवा का लक्ष्य रखते हुए कार्य करना चाहिए।

# चांगोटोला थाना अंतर्गत ग्राम गुडरू में नशे के खिलाफ जागरूकता

## महिलाओं ने संभाला मोर्चा अब देना होगा जुर्माना

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। चांगोटोला थाना क्षेत्र अंतर्गत विगत दिनों पूर्व से महिलाओं के द्वारा ग्राम को नशा मुक्त करने सघनता से नशा मुक्ति अभियान चलाया जा रहा है विगत दिनों नगरवाड़ा पंचायत में महिलाओं

ने जागरूकता परिचय देते हुए रैली के माध्यम से संदेश जन जन तक पहुंचाया था इसी संदर्भ में ग्राम पंचायत गुडरू की महिलाओं के द्वारा भी ग्राम को नशा मुक्त बनाने हेतु मोर्चा संभाला है सघनता से ग्राम गुडरू में नसे के खिलाफ महिलाएं जागरूक दिखाई दे रही है महिलाओं ने गुडरू से चांगोटोला तक रैली के माध्यम से थाना प्रभारी को ज्ञापन देते हुए अपनी मांगों को बताया ग्राम में अवैध रूप से कच्ची,पक्की शराब बिक रही है जिस कारण नवयुवक नशे की लत से बिगड़ रहे हैं इसलिए अब महिलाओं के द्वारा नशा मुक्ति अभियान सघनता से चलाया जा रहा है।

## देना होगा अब जुर्माना

ग्राम पंचायत गुडरू की महिलाओं के द्वारा नशे की लत से बिगड़ रहे युवाओं को बचाने के लिए एवं पीने वाले के ऊपर जुर्माना भी रखा गया है जो की बेचने वाले व्यक्ति से 5000 रूपये एवं शराब पीकर उत्पाद मचाने वाले व्यक्ति को 2500 रूपये जुर्माना के तौर से देना होगा नहीं देने पर शासन प्रशासन की मदद के चलते पुलिस की गिरफ्त में देने का कार्य करने की चेतावनी भी दी गई है जिस पर शराब बेचने एवं पीने वाले व्यक्ति काफी सहमे नजर आ रहे हैं अब देखना यहां होगा कि क्या चांगोटोला थाना क्षेत्र के अंतर्गत बिक रही अवैध कच्ची एवं पक्की शराब क्या बंद हो पाएगी या कुछ दिन ही चल पाएगा यह अभियान सैकड़ो की संख्या में महिलाएं एवं पुरुष उपस्थित रहे।

## युवा पीढ़ी नशे की लत से बच सके-आरती बघेले

ग्रामीण महिला आरती बघेले द्वारा बताया गया की अब अवैध कच्ची,पक्की शराब प्रतिबंध करने के लिए हम लगभग सैकड़ों महिलाएं थाना प्रभारी को ज्ञापन के माध्यम से सूचना दे रहे हैं कि जल्द से जल्द ग्राम में अवैध रूप से बिक रही शराब पर प्रतिबंध लगाए ताकि युवा पीढ़ी नशे की लत से बच सके।

## हमारे द्वारा त्वरित कार्रवाई की जाएगी-बघेल

थाना प्रभारी चांगोटोला बघेल द्वारा बताया गया की ग्राम पंचायत गुडरू की महिलाओं के द्वारा ज्ञापन दिया गया है कि अवैध शराब पर प्रतिबंध लगाया जाए जिस पर हमारे द्वारा त्वरित कार्रवाई की जाएगी ।


## आम ईस्तहार

आम जनता को सूचित किया जाता है कि मैं रमसुला देशमुख पति स्व. बलराम देशमुख जाति मरार ग्राम पंचायत पांढरवानी तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट की निवासी हूं। मेरे पति स्व. बलराम देशमुख कि मृत्यु दिनांक १९.०४.२०२१ को हो चुकी है। मेरे पति की मृत्यु के उपरांत मैं रमसुला देशमुख व मेरे दो पुत्र आशीष देशमुख व अखिलेश देशमुख वारसान है।

उपरोक्तानुसार हमें वारसान प्रमाण पत्र ग्राम पंचायत पांढरवानी से जारी किया जाना है।

अतः आम जनता सूचना दर्ज करे।

**प्रकाशक**
**श्रीमती रमसुला देशमुख**
**निवासी - ग्राम पंचायत**
**पांढरवानी ला.**
**तहसील - लालबर्रा**
**जिला - बालाघाट**


# कायदी में बैलजोड़ी पट प्रतियोगिता का घमासान आज से

कायदी (पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी क्षेत्र में आने वाले ग्राम कायदी में दो दिवसीय बैल जोड़ी पट प्रतियोगिता का घमासान एक फरवरी से शुरू होगा। 2 दिन तक चलने वाले इस बैलजोड़ी पट प्रतियोगिता में बालाघाट जिले के अलावा महाराष्ट्र, सिवनी सहित अन्य जिलों बैल जोड़ी के मालिकों को इस प्रतियोगिता में अपनी बैल जोड़ी को दौड़ने के लिए आमंत्रित किया गया है। 1 फरवरी को सेकंड दौड़ होगी तथा 2 फरवरी को फाइनल दौड़ होगी। प्रथम विजेता बैलजोड़ी को 25 हजार रूपये तथा द्वितीय स्थान पर आने वाली बेल जोड़ी को 20 रुपये से पुरुस्कत किया जाएगा ।इसके अलावा 23 नगद रुपए के इनाम रखे गए हैं। जो विजेता बैल जोड़ी को दिया जाएगा। इस बैल जोड़ी पट प्रतियोगिता कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदीप जायसवाल अध्यक्ष खनिज निगम मध्य प्रदेश भोपाल और अध्यक्षता गौरव सिंह पारधी विधायक कटंगी द्वारा की जाएगी ।तथा कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि राजकुमार कर्राहे विधायक लांजी होंगे। आर्मी से सेवानिवृत जवान जितेंद्र सुलाखे ने बताया कि जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति में यह विशाल बैलजोड़ी पट प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बालाघाट जिले के अलावा अन्य जिलों के बैल जोड़ी मालिकों से अपेक्षा की है कि वे इस प्रतियोगिता में अपनी बैल जोड़ी को दौड़कर उचित इनाम प्राप्त करें ।इसी के साथ ही उन्होंने जिले वासियों से पट प्रतियोगिता में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है।

# रोनाल्डो इलेवन ने पुलिस लाइन इलेवन को किया पराजित बालाघाट.

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। भारत माता सेवा समिति के तत्वाधान में 26 जनवरी से स्थानीय जागपुर घाट ग्राउण्ड गायखुरी में खेली जा रही टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट के 6 वें दिन बुधवार को रोनाल्डो इलेवन व पुलिस लाइन इलेवन के बीच मैच खेला गया। जिसमें पुलिस लाइन इलेवन ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुये 97 रन बनाये। जवाब में रोनाल्डो इलेवन के बल्लेबाज अंकित के द्वारा अंतिम 3 गेंद पर 3 रन बनाना था तो शानदार छक्का मारकर टीम को जीत दिलाई। यह मैच काफी रोमांचक रहा और दर्शकों ने मैच का जमकर आनंद लिया। इस दौरान अतिथि के रूप में भाजयुमो नगर अध्यक्ष जैनेन्द्र कटरे, जितेन्द्र राजपूत उपस्थित रहे। इस संबंध में आयोजन समिति अध्यक्ष भाजयुमो नगर मंत्री रंजीत गोयल ने बताया कि गत वर्ष से भारत माता सेवा समिति द्वारा टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है। इस बार समिति द्वारा विजेता टीम को प्रथम पुरस्कार 55,551 रूपये व उपविजेता टीम को द्वितीय पुरस्कार 25,551 रूपये ट्राफी रखा गया है। इसके अलावा मैन ऑफ द मैच, मैन ऑफ द सीरिज सहित बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाडिय़ों को भी व्यक्तिगत पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। इस मैच को देखने आयोजन समिति के उपाध्यक्ष दीपक पटले, गुनेन्द्र पटले, सचिव जय कुमार असाटी, संरक्षक योगेश बिसेन, चंद्रकांत पिपलेवार, अविनाश लिल्हारे, राकेश बघेल, मनोज उपवंशी, केशव परिहार, उमाशंकर बिसेन, रिकाब मिश्रा, महेश बिसेन, सोनू पटले, मनोज भैरम, प्रकाश राहंगडाले सहित सभी सदस्यों ने खेल प्रेमी दर्शकों से अधिकाधिक उपस्थिति की अपील की है।

# अमेड़ा निवासी ने गणपति मेमोरियल हॉस्पिटल पर आयुष्मान कार्ड से इलाज नहीं करने का लगाया आरोप

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। सरकार द्वारा आयुष्मान कार्ड से गंभीर बीमारियों में 5 लाख रूपये तक के उपचार की बात कही जाती है, किंतु जिले में एक ताजा मामला सामने आया है जहां पर मरीज के परिजनों द्वारा गणपति मेमोरियल अस्पताल प्रबन्धन पर यह आरोप लगाए हैं कि पहले अस्पताल प्रबंधन द्वारा आयुष्मान कार्ड से इलाज करने की बात करके बाद में आयुष्मान कार्ड से उपचार नही होगा बोल करके रुपए मांगे जाने का आरोप अस्पताल प्रबंधन पर लगाया गया है। आपको बता दे की सरकार द्वारा कहा जा रहा है कि आयुष्मान कार्ड पर 500000 रूपये तक गंभीर बीमारियों में इलाज किया जाएगा किंतु 30 जनवरी की देर शाम शहर के गणपति मेमोरियल हॉस्पिटल पर हीरापुर अमेडा निवासी द्वारा यह आरोप लगाया गया कि उनके अस्पताल में आयुष्मान कार्ड से इलाज होने की बात तो कही गई है , किंतु जब वह इलाज करवाने गए, तो पहले हां कह दिया गया एवं उसके बाद बाद में अस्पताल प्रबंधन द्वारा आयुष्मान कार्ड से इलाज करने के लिए मना कर दिया गया और पैसे की मांग की गई , जिस पर इलाज करने आए मरीज के परिजन नाराज हो गए और उन्होंने अस्पताल प्रबंधन पर जमकर आक्रोश निकाला वही इलाज करने आए मरीज के परिजन हिम्मतलाल बसेने द्वारा बताया गया कि उनके चाचा श्रीचंद बेसेने जो की हीरापुर अमेडा के रहने वाले हैं उनका सड़क दुर्घटना में एक्सीडेंट हो गया था जिसका ऑपरेशन करवाना था, जिसके लिए वह गणपति मेमोरियल हॉस्पिटल पहुंचे थे, जब वह अपने चाचा श्रीचंद बसेने को अस्पताल लेकर आए , उस समय अस्पताल प्रबंधन द्वारा आयुष्मान

कार्ड और समग्र आईडी लेकर कहा गया कि उनका आयुष्मान कार्ड के अंतर्गत उपचार हो जाएगा किंतु जब देर शाम अस्पताल प्रबंधन द्वारा यह कह दिया गया कि अब उनका उपचार आयुष्मान कार्ड से नहीं होगा उन्हें पैसे जमा करने होंगे किंतु, मरीजों के परिजन द्वारा इस पर काफी नाराजगी जाहिर की गई और जब आयुष्मान कार्ड से उपचार करने से अस्पताल प्रबंधन द्वारा मना कर दिया गया तो उन्होंने अपने मरीज को अन्यत्र हॉस्पिटल में ले जाकर उपचार करवाया , जिस पर उन्होंने कहा कि गणपति मेमोरियल हॉस्पिटल सिर्फ आयुष्मान कार्ड से इलाज करने की बात ही करता है किंतु आयुष्मान कार्ड से इलाज नहीं करता है।

### जो आरोप अस्पताल पर लगाए गए हैं वह निराधार हैं-डॉ. अविनाश सहारे

जब हमारे द्वारा इस पूरे विषय को लेकर गणपति मेमोरियल अस्पताल प्रबंधन के डॉक्टर अविनाश सहारे से दूरभाष पर चर्चा की गई तो उनके द्वारा बताया गया कि जो आरोप उनके अस्पताल पर लगाए गए हैं वह निराधार हैं उन्होंने स्वयं ही इस केस को लेकर मरीज के परिजनों से चर्चा की थी किंतु मरीज के परिजन उनकी सुनने को तैयार नहीं थे उनके अस्पताल में आयुष्मान कार्ड से संबंधित गंभीर बीमारी के उपचार होते हैं किंतु सबसे पहले वह स्वयं ही सॉफ्टवेयर के माध्यम से अप्रूवल लेते हैं और उन्होंने पर्सनलीय मरीज के परिजनों से भी बात की थी किंतु उन्होंने अस्पताल प्रबंधन की एक भी बात नहीं सुनी और अपने मरीज को लेकर दूसरे अस्पताल चले गये अब वो जो आरोप लगा रहे हैं वह सब निराधार हैं।

### इस प्रकार के विषय पर तुरंत ही कार्रवाई करेंगे-मनोज पांडे

जब हमारे द्वारा इस पूरे विषय पर मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी मनोज पांडे से चर्चा की गई तो उनके द्वारा बताया गया कि इस प्रकार की शिकायत तो उनके पास किसी ने किया नहीं है, यदि आपके द्वारा यह विषय बताया गया है तो वह तुरंत ही इस विषय की संबंधित हॉस्पिटल से जानकारी लेते हैं और उन्होंने इस विषय को तुरंत ही जानकारी लेकर पता किया और बताया कि उन्होंने संबंधित अस्पताल प्रबंधन से चर्चा की है और पूरी वस्तु स्थिति को जाना है और कोई भी यदि उनके पास इस प्रकार की शिकायत करता है तो वह इस प्रकार


## कार्यालय ग्राम पंचायत चांगोटोला जनपद पंचायत बालाघाट ( मप्र )

### नागरिकों से अपील

नगर में स्वच्छता बनाने में सहयोग करें। अपने घर का कचरा निकाय के कचरा वाहन में सूखा, गीला अलग-अलग देवें। ग्राम पंचायत के कर व कमरों का किराया समय पर कर विकास कार्य में सहयोग करें। जन्म-मृत्यु एवं विवाह पंजीयन समय पर करावें। जल ही जीवन है अत: पेयजल का दुरूपयोग न होने देवे। अपने घरों के नलों में नल अवश्य लगाये ताकि पानी व्यर्थ न बहे। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना अंतर्गत मय विक्रेता का पंजीयन करा कर रूपये १०, २० एवं ५० हजार का ऋण प्राप्त कर आत्मनिर्भर बने। प्रधानमंत्री स्वनिधि से समृद्धि योजना लेकर बीमा जरूर करावे, पॉलीथिन का उपयोग न करें, पशुओं को सड़क मार्ग पर न छोड़े। नालियों में पॉलीथिन एवं कचरा न डाले। कुड़ा करकट बने कचरा घर में ही डालें। मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना अंतर्गत ऋण प्राप्त कर नए उधम लगाकर आत्मनिर्भर बने।

**सरपंच**
**श्री प्रमोद कुमार ठाकरे**

**उपसरपंच**
**श्री जयराम उइके**

**सचिव**
**श्री दीपचंद हनवते**

**रोजगार सहायक**
**श्री हेमेन्द्र साकेत**

**एवं समस्त पंचगण/कर्मचारीगण, ग्राम पंचायत चांगोटोला**



लामता में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) एवं केबल टीवी कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 9131979508, 8319969927

बुदबुदा में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) एवं केबल टीवी कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 9131979508, 8319969927

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

# पुलिसकर्मी ने की बस चालक की सार्वजनिक रूप से पिटाई

## बस चालकों ने पहियों को किया जाम तो पुलिसकर्मी ने सार्वजनिक रूप से माफी मांगी

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। इसी महिने प्रदेश में बस चालकों के साथ दो बड़ी घटना देखने और सुनने को मिली। जहां हिट एंड रन कानून को लेकर बस चालकों की हड़ताल के दौरान शाजापुर कलेक्टर किशोर सान्याल के चालक को औकात दिखाने के मामले में सरकार ने उन्हें हटा दिया था। वहीं 31 जनवरी को बालाघाट में पुलिस कर्मी अनिल शर्मा ने रांग साईड से आते हुए गाड़ी में लगी टक्कर पर बस चालक की सार्वजनिक तौर से पिटाई कर दी। हालांकि उन्हें अंदेशा नहीं था कि पुलिस के रौब में पिटाई के बाद वाहन चालक ऐसा कुछ कर जाएंगे कि उन्हें हाथ जोड़कर मुझे माफ कर दो के शब्दों के साथ माफी मांगनी पड़ेगी। बस स्टैंड में एक निजी ट्रेव्हलर्स के बस चालक की बुधवार की प्रात: बस स्टैंड में छिंदवाड़ा के एक पुलिस कर्मी अनिल शर्मा के द्वारा सार्वजनिक पिटाई के बाद बस चालकों का गुस्सा भड़क उठा और उन्होंने बसों के पहिए को जाम कर दिया। जिससे पूरे बसे अपनी जगह पर खड़ी हो गई। घटना के बाद बस स्टैंड में एकत्रित हुए बस चालकों, परिचालकों और एजेंटो ने वाहन चालक और परिचालक संघ अध्यक्ष महेश सहारे के नेतृत्व में रैली निकालकर पुलिसकर्मी पर कार्यवाही की मांग करते हुए थाने पहुंचे।

### खुद को टी.आई बताकर की मेरे साथ मारपीट-संदीप साहू

निजी ट्रेवल्स के बस चालक संदीप साहू ने बताया की सुबह 9.30 बजे के लगभग बस स्टैंड में बस लगाते समय एक बस ने अचानक एक चारपहिया वाहन को हल्की सी टक्कर मार दी इसी बात से तिलमिलाए चारपहिया से उतरे शख्स ने खुद को टी.आई बताकर बस चालक संदीप साहू को गाली गलौच करके उसकी बेदम पिटाई कर दी उस दौरान बस स्टैंड में भारी संख्या में चालक-परिचालक कर्मचारी और यात्रियों की भीड़ मौजूद थी,मारपीट की इस घटना से तिलमिलाए ड्राइवर और कंडक्टरों ने बस को रोककर जमकर प्रदर्शन करते हुए कोतवाली थाना पंहुचे,यंहा चालक-परिचालको ने मारपीट करने वाले आरोपी टी.आई.पर कड़ी कार्यवाही की मांग की है साथ कोतवाली में मामले की रिपोर्ट दर्ज कर कार्यवाही न होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी है।

### पुलिस ही यदि ऐसा करेगी तो वह किसके पास जाएंगे-महेश सहारे

संघ अध्यक्ष महेश सहारे ने कहा कि जब तक मामला दर्ज नही होगा, बसे नही चलेगी। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक रूप से पुलिस ने चालक के साथ मारपीट की है, जो गलत है और हम इसका विरोध करते है। ड्राइवर के साथ हर बार जिले में कहीं ना कहीं मारपीट जैसी घटनाएं होते रहती है जो कि गलत है अभी भी पुलिस अधिकारी द्वारा ड्राइवर के साथ सीधे मारपीट कर दी गई जबकि पुलिस ही यदि ऐसा करेगी तो वह किसके पास जाएंगे।

### थाने पहुंची अनुभा मुंजारे

घटना की जानकारी के बाद विधायक श्रीमती मुंजारे भी थाने पहुंची और यहां उन्होंने वाहन चालकों से घटना के बारे में जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने पुलिस की देशभक्ति और जनसेवा पर इस घटना को लेकर सवाल भी खड़े किए और उन्होंने मामले में पीड़ित पक्ष को न्याय दिलाने के लिए थाना प्रभारी से चर्चा की।

### सार्वजनिक तौर से पुलिसकर्मी ने मांगी माफी

घटना के लगभग ढाई से तीन घंटे बाद सार्वजनिक तौर से पुलिसकर्मी अनिल शर्मा के बस चालकों से माफी मांगने के बाद प्रदर्शन कर रहे वाहन चालकों ने हड़ताल खत्म कर दी। जिसके बाद बसो की थमी रफ्तार को गति मिली और यात्रियो और पुलिस ने राहत की सांस ली। और मामला जैसे तैसे शांत हो गया भले ही पहले चालक द्वारा एफ आई आर की बात कही जा रही थी, किंतु पुलिसकर्मी के द्वारा माफी मांगने पर उन्होंने उक्त मामले को वहीं खत्म कर सभी बस चालक अपने-अपने काम पर वापस लौट गए।

# अपनी लंबित मांग को लेकर हड़ताल कर रहे दिव्यांगों ने अन्न-जल का त्याग कर शुरू की अनिश्चितकालीन हड़ताल

## पहले दिन तीन दिव्यांगों ने किया अन्न जल का त्याग

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। अपनी लंबित मांग को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल कर रहे दिव्यांगों द्वारा अब अन्न जल का त्याग कर दिया गया है जिसमें उनका कहना है कि जब तक शासन प्रशासन द्वारा उनकी लंबित मांग पर ध्यान नहीं दिया जाएगा तब तक वह अन्न जल ग्रहण नहीं करेंगे और इसी प्रकार बिना अन्न जल ग्रहण किया ही अनिश्चितकालीन हड़ताल करते रहेंगे। आपको बता दे कि अपनी लंबित मांगों को पूरा करने के लिए अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बैठे दिव्यांग द्वारा अब अन्न जल का त्याग कर दिया गया है और उनका कहना है कि जब तक शासन प्रशासन उनकी मांग को पूरा नहीं करेगा, वह इसी प्रकार अन्न जल का त्याग किये ही अनिश्चितकालीन हड़ताल करते रहेंगे, वहीं 31 जनवरी को तीन दिव्यांगों द्वारा अन्न जल का त्याग कर अनिश्चितकालीन हड़ताल की जा रही है जिसमें दिव्यांग संघ के जिला अध्यक्ष अमन नामदेव द्वारा बताया गया कि वह विगत चार दिनों से नगर पालिका के अंबेडकर गार्डन में अपनी लंबित मांग को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल कर रहे हैं, किंतु शासन द्वारा उनकी छोटी-छोटी मांगों पर ध्यान न देकर उनकी समस्या का समाधान नहीं किया जा रहा है , जिस कारण वह अब अपने दो अन्य साथियों के साथ अन्न जल का त्याग कर अनिश्चितकालीन हड़ताल कर रहे हैं और जब तक उनकी मांगों पर शासन द्वारा विचार विमर्श नहीं किया जाता और उनकी मांगों को पूरा नहीं किया जाता तब तक वह इसी प्रकार से अन्न जल का त्याग कर हड़ताल करते रहेंगे।

### ये है प्रमुख मांग

पढे लिखे दिव्यांग जनों की योग्यता के अनुसार शासकीय कार्यलय पंचायत स्कूल, एवं जनपदों में योग्यता अनुसार कार्य दिया जाये। दिव्यांगजनों के लिए जिला स्तरीय छात्रवास/जमीन उपलब्ध कराया जाये। शिक्षा प्राप्त कर रहे दिव्यांगजनों को विद्यालय व महाविद्यालय में प्रवेश शुल्क एवं परीक्षा शुल्क मॉफ किया जावे। शासन द्वारा वितरीत मोटरेड ट्राइसिकल की मरम्मत सरकारी व्यय में करवायी जाये।

### अभी तक नही हुई सुनवाई

प्रगतिशील दिव्यांग कल्याण सेवा समिति के बैनर तले हड़ताल पर बैठे दिव्यांगजनों का आरोप है कि कलेक्टर दर से दिव्यांग जनों को रोजगार देने सहित वर्षों से लंबित अपनी विभिन्न सूत्रीय मांगों को लेकर दो बार जिला पंचायत के सामने धरना प्रदर्शन आंदोलन करने के बाद भी कई दिव्यांग रोजगार से वंचित है।जहां 5 दिव्यांगजनों को छोड़कर अन्य किसी भी दिव्यांगजनों को कार्य पर नहीं रखा गया है।कई बार आवेदन निवेदन करने पर भी मांग पूरी नही हुई।जिला पंचायत के सामने दो बार किए गए धरना प्रदर्शन से घबराकर धरना प्रदर्शन को खत्म करने के लिए प्रशासन ने दिव्यांग जनों को रोजगार देने की बात कही थी। जहां रोजगार देने के लिए एक एजेंसी स्वास्थ्य विभाग में नियुक्ति थी ।जहा 9 माह में अब तक सिर्फ पाच दिव्यांग जनों को ही कलेक्टर दर पर कार्य दिया गया है।बालाघाट में जिले में 43 हजार लोग दिव्यांग हैं उसमें से महत्व 5 लोगों को रोजगार दिए हैं जो उचित नहीं है प्रशासन हमे रोजगार के नाम पर गुमराह कर रहा है।

### ये दिव्यांगजनों ने किया अन्न-जल का त्याग

आपको बता दे की चार दिन के बाद अब दिव्यांगजनों ने अन्न जल का त्याग कर हड़ताल शुरू कर दी है , जिसमें 31 जनवरी को दिव्यांग प्रतीक चौहान, विक्रम दास और अमन नामदेव द्वारा अन्न जल का त्याग कर हड़ताल की जा रही है और जब तक उनकी मांगे पूरी नहीं होती तब तक वह अनिश्चितकालीन अन्न जल का त्याग का हड़ताल पर रहेंगे।

# बालाघाट विधायक ने किया जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। बालाघाट विधायक द्वारा जिला चिकित्सालय बालाघाट का औचक निरीक्षण किया गया , जिसमें उन्होंने जिला चिकित्सालय के मेडिकल वार्ड, गहन चिकित्सा ,केंद्र ब्लड बैंक सहित अन्य वार्डो का औचक निरीक्षण किया जिसमें उन्होंने अस्पताल में सुविधा व स्थिति तो अच्छी पाई, किंतु डायलिसिस की मशीन बंद होने और प्रसव के नाम पर पैसे लेने के मामले पर संज्ञान लेने की बात कही है। आपको बता दे की 31 जनवरी को सुबह 10:30 बजे बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे द्वारा जिला चिकित्सालय का औचक निरीक्षण किया गया जिसमें उन्होंने मेडिकल वार्ड , ब्लड बैंक, सहित अन्य वार्डो का निरीक्षण किया जिसमें उन्होंने जिला चिकित्सालय में उपचार करने आए मरीज से चर्चा की और उनके हाल-चाल जाना, कि उन्हें जिला चिकित्सालय में किसी प्रकार की कोई परेशानी तो नहीं हो रही है, डॉक्टर उनका सही इलाज कर रहे हैं या नहीं कर रहे हैं, इन सब विषय को लेकर उन्होंने मरीज और उनके परिजनों से उनका हाल-चाल जाना उसके बाद वह गहन चिकित्सा केंद्र में पहुंची, वहां की भी स्थिति का उन्होंने जायजा लिया तभी उन्हें डायलिसिस मशीन की बंद होने की जानकारी भी मिली , जिस पर उन्होंने उपस्थित सिविल सर्जन से चर्चा की कि वह बंद पड़ी मशीनों को जल्द से जल्द सुधरवाएं एवं मीडिया से चर्चा में बताया कि उन्हें आए दिन जिला चिकित्सालय को लेकर शिकायतें मिल रही थी, और उन्हें सब शिकायतों को देखने के लिए वह जिला चिकित्सालय बालाघाट पहुंची थी जहां पर उन्होंने स्थिति तो ठीक पायी, किंतु डायलिसिस की मशीन को सुधारने के उनके द्वारा निर्देश दिए गए हैं, वहीं उन्होंने यह भी बताया कि प्रसव के नाम पर जो जिला चिकित्सालय में पैसे का लेनदेन चल रहा है उसकी भी उन्हें जानकारी है और वह जब विधायक नहीं बनी थी तब इसका निरीक्षण करने भी जिला चिकित्सालय पहुंची थी और उन्हें मरीज के परिजनों द्वारा यह जानकारी भी दी गई थी कि प्रसव के नाम पर जिला चिकित्सालय में पैसा लिया जाता है, इन सब सारी व्यवस्थाओं को वह जल्द ही ठीक करवायेंगी और यदि कोई पैसे लेता है तो वह उन पर कार्रवाई भी करवायेगी।

# 1 फरवरी से नगर पालिका कर रही पॉलिथीन के उपयोग पर पूर्णतः प्रतिबंध

## प्रचार वाहन से शहर में घूम-घूम कर दी जा रही शहर वासियों को पूर्णतः पॉलिथीन के उपयोग को बंद करने की जानकारी

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। प्रदेश में नए मुख्यमंत्री बनने के बाद मोहन यादव द्वारा बहुत से पुराने नियम व नए नियमों को तत्काल कठोरता से लागू करते हुए पालन करने की बात कही गई थी, जिसमें पॉलिथीन के उपयोग पर भी प्रतिबंध लगाने की बात कही गई थी, जिस पर नगर पालिका द्वारा भी कुछ दिन पहले नगर के व्यापारियों के साथ बैठक लेकर 1 फरवरी से पॉलिथीन के उपयोग पर प्रतिबंध लगाए जाने की बात कही गई थी, जिसको लेकर 31 जनवरी को शहर में नगर पालिका का प्रचार वाहन शहर वासियों से पॉलिथीन के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने की बात 1 फरवरी से कही गई है। आपको बता दे की प्रदेश के मुख्य मोहन यादव द्वारा बहुत से नियमों को तत्काल पालन करते हुए प्रदेश के जिलों में निर्देश जारी किए गए थे जिसमें पॉलिथीन के उपयोग पर भी प्रदेश के मुख्या द्वारा प्रतिबंध लगाने की बात कही गई थी जिस पर नगर पालिका द्वारा शहर के कुछ व्यापारियों के साथ बीते कुछ दिन पहले एक बैठक कर शहर के व्यापारियों को कुछ दिन का समय दिया गया था और कहा गया था कि उनके पास जो स्टॉक में पॉलिथीन रखी गई है उसे वह खत्म कर ले, एवं 1 फरवरी से पॉलिथीन के उपयोग पर पूर्णतः प्रतिबंध लगाया जाए इसके बाद अब देखना होगा कि 1 फरवरी को किस प्रकार से नगर पालिका शहर में पॉलिथीन के प्रतिबंध पर काम करती है , वहीं 31 जनवरी को नगर पालिका के प्रचार वाहन में भी शहर के रहवासियों एवं आम जनता से यह अपील की गई कि वह अब पॉलिथीन के उपयोग पर पूर्णतः प्रतिबंध लगा दे और यदि 1 फरवरी के बाद कोई भी पॉलिथीन के उपयोग करता पाया जाता है तो उस पर नगर पालिका द्वारा नियम अनुसार कार्यवाही करेगी।

### इसके पूर्व भी कई बार पॉलिथीन को लेकर कही गई है यह बात

आपको बता दे कि यह कोई पहली बार नहीं है कि नगर पालिका द्वारा पॉलिथीन के उपयोग पर प्रतिबंध की बात कही जा रही हो, इसके पहले भी नगर पालिका द्वारा अनेकों बार शहर वासियों से पॉलिथीन के उपयोग पर प्रतिबंध की बात कही गई है ,किंतु कुछ दिन बाद यह नियम ऑटोमेटिक शिथिल हो जाते हैं ,और जो लोग पॉलिथीन के प्रतिबंध की बात कहते हैं वह भी कुछ दिनों बाद पॉलिथीन के उपयोग पर प्रतिबंध के नियम को भूल जाते हैं और सतत इसी प्रकार आज भी पालीथिन के उपयोग शहर में हो रहे हैं अब देखना होगा कि इस बार किस प्रकार से नगर पालिका पॉलिथीन के उपयोग के प्रतिबंध पर काम करती है या फिर यह भी हर बार की तरह इस बार भी महज कुछ दिन की कार्रवाई के बाद मामला शांत हो जाता है और लोग पहले जैसे पॉलिथीन के उपयोग करते नजर आते हैं।

# कबाड़ियों व मांस विक्रेताओं की दुकानों का निरीक्षण करेगी नपा की टीम

## गुजरी और ईतवारी बाजार से आवागमन व्यवस्थित करने हटेगा अतिक्रमण, बैठक में लिया गया निर्णय, आज होगी पीआईसी की बैठक

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)।नगरपालिका परिषद नगर को व्यवस्थित करने में जुट गई है, जिसको लेकर नपा में अधिकारीयों की बैठक में कई अहम निर्णय लिए है, जिसे आगामी 10 फरवरी को होने वाली परिषद की बैठक की कार्ययोजना तैयार करने नपा अधिकारीयों की बैठक नपाध्यक्ष श्रीमती भारती सुरजीतसिंह ठाकुर की उपस्थिति में आहूत की गई। जिसमें नपा उपाध्यक्ष योगेश बिसेन, सभापति वकील वाधवा, कमलेश पांचे, सुधीर चिले, सीएमओ निशांत श्रीवास्तव उपस्थित थे। उक्त बैठक में तय किया गया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुसार नगरीय क्षेत्र में मांस-मटन की दुकानो को व्यवस्थित किया जाएगा और यदि विक्रेता, सहयोग नहीं करते है तो उनके खिलाफ नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। इसके साथ ही नगरीय क्षेत्र में जहां-तहां कबाड़ियों ने बिना अनुमति के अपनी दुकान सजा ली है और जगह-जगह पर अतिक्रमण कर लिया है। जिस अतिक्रमण को चिन्हित करने के साथ ही अब नगरपालिका की टीम, कबाड़ियों के कार्यस्थल का निरीक्षण करेगी। चूंकि लगातार निजी और शासकीय निर्माण कार्यो और अन्य स्थानों से होती चोरियों से, यह शंका जताई जा रही है कि चोर, चोरी का माल खपाने कबाड़ियों का सहारा लेते है। जिसको लेकर कबाड़ियों के कार्यस्थल और सामग्री की जांच की जाएगी और यदि नपा टीम को जांच में कोई संदेहास्पद लगता है तो वह इसकी शिकायत करेगी। इसके अलावा गुजरी और ईतवारी बाजार में आवागमन को बेहतर बनाने और पार्किंग तय करने के लिए किए गए अतिक्रमण को हटाने की कार्यवाही की जाएगी। ताकि विक्रेताओं या बाजार से होकर गुजरने वालों को परेशानी का सामना ना करना पड़ा। नपाध्यक्ष श्रीमती भारती सुरजीतसिंह ठाकुर ने आज से नगरीय क्षेत्र में लागु हो रहे पॉलीथिन के प्रतिबंध को अक्षरश: पालन करवाने के निर्देश भी नपा अधिकारी और कर्मचारियों को दिए है। चूंकि पॉलीथिन, प्रदूषण का सबसे बड़ा कारण है, जहां जल, जंगल और जमीन के साथ ही मानव जीवन के लिए भी खतरनाक है। अध्यक्ष श्रीमती ठाकुर ने एक बार फिर नगरीय जनता और व्यापारियों से अनुरोध किया है कि 1 फरवरी से नगरपालिका द्वारा प्रतिबंधित पॉलीथिन के अभियान में सहयोग प्रदान करें।

# प्रांताध्यक्ष के रुप में श्री बुधौलिया पुन: सर्वसम्मति से हुए निर्वाचित

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। म.प्र. प्रोग्रेसिव्ह पेंशनर एसोसिएशन संगठन का प्रांतस्तरीय सम्मेलन 29 जनवरी को भोपाल में प्रांताध्यक्ष ओमप्रकाश बुधौलिया की अध्यक्षता में आयोजित हुआ । सम्मेलन में प्रांतीय पदाधिकारी , संभागीय अध्यक्ष तथा जिलाध्यक्षों व समस्त पदाधिकारियों की सहभागिता प्रमुख रुप से रही । जिले से पच्चीस प्रतिनिधियों ने ए. एल. मोहारे जिलाध्यक्ष के साथ उक्त सम्मेलन में भाग लिया । सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य प्रांताध्यक्ष के निर्वाचन की प्रक्रिया को मूर्त रुप प्रदान करना था। प्रांतीय मुख्य निर्वाचन अधिकारी सुरेन्द्र कुमार जैन के द्वारा निर्वाचन की समस्त वैधानिक प्रक्रिया को पूर्ण करते हुए प्रांताध्यक्ष पद के लिए एक मात्र नामांकन श्री ओमप्रकाश बुधौलिया के दाखिल होने पर उन्हें म.प्र. प्रोग्रेसिव्ह पेंशनर एसोसिएशन का निर्विरोध प्रांताध्यक्ष घोषित कर विजयी प्रमाण पत्र प्रदान किया गया । प्रांताध्यक्ष के निर्वाचन में 52 जिलों से आयें सभी पेंशनर्स प्रतिनिधियों ने श्री बुधौलिया को उनकी सेवाओं , सक्रियता और पेंशनरों के हित में किये गये कार्यो को दृष्टिगत रखते हुए सर्वसम्मति से प्रांताध्यक्ष निर्वाचित करने में अपना सहयोग दिया ।सभी ने श्री बुधौलिया को बधाईयाँ देते हुए फूल-मालाओं से स्वागत किया । इस अवसर पर श्री बुधौलिया ने अपने उदबोधन में कहा कि वे पेंशनरों के हित रक्षण हेतु सदैव संघर्षरत रहेगें । वे प्रदेश सरकार से 4त्न मंहगाई राहत शीघ्र प्रदान करने , छत्तीसगढ के पुनर्गठन के बाद लगायी गयी धारा 49(6) को विलोपित करने , सभी पेंशनर्सो को आयुष्मान कार्ड की सुविधा देने , प्रति माह 1000 रुपये मेडिकल भत्ता देने , छठवें वेतनमान की 32 माह की एरियर्स राशि तथा सातवें वेतनमान की 17 माह की एरियर्स राशि के भुगतान की मांग करते हुए पेंशनरों की विभिन्न लंबित मांगों के लिए वे सदा प्रयासरत रहेगें। जिले के लांजी , किरनापुर , वारासिवनी , कंटगी तथा बालाघाट से गये पेंशनर्सों ने अपने नव निर्वाचित प्रांताध्यक्ष श्री बुधौलिया का स्वागत पुष्प गुच्छ और फूल-मालाओं से किया ।

# मच्छरदानी का रेट पूछने पर एक दुकानदार ने दूसरे दुकानदार की कर दी पिटाई

## जिला अस्पताल के सामने कपड़ा दुकान में हुई घटना

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। जिला अस्पताल के ठीक सामने कपड़े की दुकान वाले के लड़के ने अपनी दुकान के बगल में स्थित कपड़े की दुकान वाले को लोहे की रोड से हाथ पैर और सिर में मारकर घायल कर दिया।31 जनवरी को 2.30 बजे करीब यह घटना कपड़े के रेट पूछने को लेकर हुई। मारपीट में घायल व्यक्ति गणेश पिता प्रकाश कुवर 38 वर्ष वार्ड नंबर 12 बूढ़ी बालाघाट निवासी को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गणेश कुंवर वार्ड नंबर 12 बूढ़ी बालाघाट में अपने परिवार के साथ किराए के मकान में रहता है। जिसकी जिला चिकित्सालय के सामने कपड़ा की दुकान है,उसकी दुकान के बगल में ही संध्या खान की कपड़ा की दुकान है।इस दुकान में संध्या खान के पति के अलावा उनका बेटा तालिब खान भी बैठता हैं। 31 जनवरी को 2.30 बजे करीब गणेश कुंवर अपनी दुकान में था। और संध्या खान की दुकान में उसका पति बैठा था। गणेश कुंवर ने उसके पास जाकर पुछा चाचा आप मच्छरदानी कितने में बेचते हो। तो संध्या खान के पति ने कहा 250 रुपये में बेचा हु।तब गणेश कुँवर ने बोला कि सही रेट में बेच रहे हो चाचा । गणेश कुंवर के यह कहने के बाद ही संध्या खान का बेटा तालिब खान आया और गणेश कुंवर को जातिगत गालियां देते हुए बोला कि तू कब का कपड़ा बेचने वाला बन गया है और इसी के साथ ही तालिब खान ने गणेश कुंवर को जातिगत रूप से अपमानित करते हुए उसे अपशब्दों का प्रयोग करअश्लील गालिया देने लगा ।गणेश कुंवर ने उसे गालियां देने से मना किया तो तालिब खान ने दुकान में रखी लोहे की राड लिवर से गणेश कुंवर पर हमला कर उसे मारना शुरू कर दिया। लोहे की राड़ गणेश कुंवर के सिर हाथ कोहनी दोनों पैर घुटने में लगा। राड़ के वार से गणेश कुँवर का सिर फट गया। तालिब खान द्वारा मारपीट करते देख पंकज गौतम और राजा उर्फ़ अनुराग मेश्राम पहुंचे । जिन्होंने बीच बचाव किये जिसके बाद तालिब खान ने गणेश कुंवर को पुन: कपड़े का रेट पूछने पर जान से मार डालने की धमकी दे दी। इसके बाद मारपीट में घायल गणेश कुंवर अपनी पत्नी के साथ रिपोर्ट लिखवाने के लिए कोतवाली पहुंचा। कोतवाली पुलिस ने गणेश कुंवर को जिला अस्पताल लाकर उसका इलाज करवा कर भर्ती किये। कोतवाली पुलिस ने गणेश कुंवर द्वारा की गई रिपोर्ट पर तालिब खान के विरुद्ध 294 323 506 भादवि के अलावा धारा 3(1)द ध, 3(2)5(क) अनुसूचित जाति जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की है।

# 5 दिन बाद भी देवस्थल में तोड़फोड़ करने वालों पर अब तक नही हुई कार्यवाही

## आदिवासी समाज पहुंचा थाना, पुलिस प्रशासन पर लगाया कार्यवाही नही करने का आरोप

**लालबर्रा ( पद्मेश न्यूज )। नगर मुख्यालय से लगभग १० किमी दूर ग्राम पंचायत बांदरी के अंतर्गत आने वाले ग्राम बोट्टा हुड़की में २६ जनवरी को असामाजिक तत्वों के द्वारा आदिवासी समाज के पूजा स्थल में तोड़ फोड़ व धार्मिक सतरंगी ध्वज को फाड़कर फेंकने का मामला प्रकाश में आया था। जिसकी शिकायत आदिवासी समाज के द्वारा लालबर्रा थाने में की गई थी और असामाजिक तत्वों पर सख्त कार्यवाही करने की मांग की थी। लेकिन इस घटना को ५ दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस प्रशासन के द्वारा किसी तरह की कोई भी कार्यवाही अब तक नहीं कि गई है, न ही रिपोर्ट दर्ज की गई है जिससे आदिवासी समाज के सामाजिक बंधुओं में पुलिस प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। ३१ जनवरी को आदिवासी समाज के पदाधिकारी एवं ग्रामीणजन थाना पहुंचकर ५ दिन पूर्व किये गये शिकायत पर क्या कार्यवाही की गई है जिसकी जानकारी ली गई परन्तु संतुष्टजनक जवाब नही मिलने एवं शिकायत के ५ दिन बीत जाने के बाद भी असामाजिक तत्वों पर कार्यवाही नही होने से नाराज आदिवासी समाज के लोगों ने पुलिस प्रशासन पर कार्यवाही नही करने का आरोप लगाते हुए आदिवासी समाज के देव स्थल में तोड़-फोड़ कर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाले असामाजिक तत्वों पर जल्द कार्यवाही करने की मांग की है एवं दो दिवस के अंदर मांगे पूरी नही होने पर आंदोलन करने की भी चेतावनी शासन-प्रशासन को दी है।**

### कार्यवाही नही होने से आदिवासी समाज में आक्रोश व्याप्त

आपकों बता दे कि ग्राम पंचायत बांदरी के बोट्टा हुड़की में आदिवासी समाज का देवस्थल है और यह स्थल राजस्व में देवस्थल के नाम पर दर्ज है बताया जा रहा है। जहां आदिवासी समाज के द्वारा बड़ादेव का चबुतरा बनाया गया है और पूजा अर्चना की जाती है परन्तु गत २६ जनवरी को बोट्टा के कुछ असामाजिक तत्वों के द्वारा पूजा स्थल में तोड़-फोड़ कर सतरंगी ध्वज को नीचे गिराकर फाड़ दिया गया था जिससे आदिवासी समाज में भारी आक्रोश व्याप्त है। आदिवासी समाज के द्वारा घटना के तुरंत बाद तहसील कार्यालय एवं पुलिस थाने में शिकायत कर असामाजिक तत्वों पर सख्त कार्यवाही करने की मांग की गई थी परन्तु घटना के ५ दिन बीत जाने के बाद भी अब तक पुलिस प्रशासन के द्वारा असामाजिक तत्वों पर कोई कार्यवाही नही की गई है। इसी मामले को लेकर तीन दर्जन से अधिक आदिवासी सामाजिक लोग ३१ जनवरी को थाना पहुंचकर अपना आक्रोश व्यक्त कर सख्त कार्यवाही करने की मांग पुलिस प्रशासन से की है। मांग करने वालों में म.प्र. आदिवासी विकास परिषद के समस्त पदाधिकारी एवं स्वजातीय बंधु शामिल है।

### पुलिस नही कर रही कार्यवाही - ज्ञानसिंह

म.प्र. आदिवासी विकास परिषद लालबर्रा अध्यक्ष ज्ञानसिंह गोडगे ने बताया कि आदिवासी समाज के देव स्थल में तोड़-फोड़ एवं सतरंगी ध्वज को फेंकने वाले असामाजिक तत्वों पर शिकायत के ५ दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस प्रशासन के द्वारा कोई कार्यवाही नही की गई है जिससे सामाजिक बंधुओं में आक्रोश व्याप्त है। साथ ही यह भी बताया कि जिस स्थान पर यह घटना कारित किया गया है यह राजस्व रिकार्ड में बड़ा देवपूजा स्थल के नाम से दर्ज भी है जिसमें हमारे द्वारा फेंसिंग तार लगाया गया था उसे भी कुछ लोगों ने तोड़ दिया है।

### धार्मिक भावना को ठेस पहुंचाने वालों पर की जाये सख्त कार्यवाही - किरण

पूर्व जनपद अध्यक्ष, अधिवक्ता श्रीमती किरण मरावी ने बताया कि बोट्टा हुड़की में हमारे बड़ा देव का पूजा स्थल है, गत २६ जनवरी को कुछ असामाजिक तत्वों के द्वारा देव स्थल के चबुतरे को तोड़कर, सतरंगी झंडे को फेंक दिया गया था। इस तरह से धार्मिक भावना को ठेस पहुंचाने का कार्य किया गया है जिससे आदिवासी समाज के गौरव और सम्मान को ठेस पहुंची है जिसकी शिकायत थाने में की गई है परन्तु कोई कार्यवाही नही की जा रही है इसलिए सभी आदिवासी समाज के लोग थाना पहुंचकर अपना आक्रोश व्यक्त किये है और पुलिस प्रशासन से धार्मिक भावना को ठेस पहुंचाने वाले असामाजिक तत्वों पर जल्द कार्यवाही करने की मांग की गई है।

### मांगे पूरी नही होने पर करेगें आंदोलन - भुवन

म.प्र. आदिवासी धर्म परिषद भारत के प्रदेशाध्यक्ष भुवनसिंह कुर्राम ने बताया कि २६ जनवरी गणतंत्र दिवस के दिन बोट्टा हुड़की स्थित आदिवासी समाज के बड़ादेव पूजा स्थल में बने चबुतरे को असामाजिक तत्वों के द्वारा तोड़कर झंडे को फेक दिया गया है जिससे धार्मिक भावना को ठेस पहुंची है। जिसकी शिकायत घटना के बाद थाने में की गई है परन्तु अब तक कोई कार्यवाही नही की गई है जबकि यह संवेदनलशील मामला है उसके बाद भी थाना प्रभारी ध्यान नही दे रहे है जिससे ऐसा लग रहा है कि राजनीतिक दबाव है या फिर वे स्वयं रूचि नही दिखा रहे है जिसके कारण पुलिस प्रशासन के प्रति सामाजिक बंधुओं में आक्रोश व्याप्त है। श्री कुर्राम ने बताया कि माननीय सुप्रीम कोर्ट का भी कहना है कि आदिवासी संबंधित जो भी मामले आते हैं उस पर एट्रोसिटी के तहत मामला पंजीबद होना चाहिए फिर भी ५ दिन घटना को हो जाने के बाद भी अब तक एफआईआर दर्ज नही की गई है, जल्द ही जिन लोगों ने धार्मिक भावना को ठेस पहुंचाये है उन पर कार्यवाही नही की गई तो आंदोलन करने बाध्य होगें।

### मामले की जांच की जा रही है - शिवपूजन

थाना प्रभारी शिवपूजन मिश्रा ने बताया कि बोट्टा हुड़की में आदिवासी समाज के द्वारा बड़ादेव का चतुबरा बनाया गया है जिसे तोड़कर नुकसान पहुंचाने की शिकायत आदिवासी समाज के लोगों ने की है। वहीं ग्राम बोट्टा के ग्रामीणों ने भी थाने में शिकायत की है कि आदिवासी समाज के एक व्यक्ति ने पंचायत की जमीन पर कब्जा कर ढाबा का संचालन कर रहा है और पंचायत की जमीन पर अतिक्रमण किया जा रहा है। श्री शर्मा ने बताया कि दोनों की शिकायत की जांच की जा रही है जिसके बाद वैधानिक कार्यवाही की जायेगी और पुलिस प्रशासन के द्वारा कार्यवाही नही किये जाने का जो आरोप लगा रहे है सभी आरोप निराधार है, पुलिस अपनी कार्यवाही कर रही है एवं जमीन का विवाद है राजस्व विभाग के द्वारा अग्रिम कार्यवाही की जायेगी।

# नवनिर्वाचित गढ़वाल समाज महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रविन्द्र नागेश्वर का किया गया स्वागत

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। अखिल भारतीय गढ़वाल समाज लालबर्रा के द्वारा बुधवार को लालबर्रा प्रवास पर आये अखिल भारतीय गढ़वाल समाज के महासभा के नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष रविन्द्र नागेश्वर का स्वागत किया गया। इस स्वागत एवं अभिनंदन

के पश्चात् राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नागेश्वर ने स्थानीयजनों की अनौपचारिक बैठक ली और बैठक में उपस्थितजनों से कहा कि सभी को संगठित होकर समाजोत्थान के क्षेत्र में काम करना है। साथ ही बैठक में शपथ ग्रहण समारोह कब और कहा होगा इस विषय पर भी चर्चा की गई और श्री नागेश्वर ने अपने सुझाव देते हुए ११ फरवरी को शपथग्रहण समारोह करवाने की बात कही। इस दौरान उनसे शपथ ग्रहण एवं राष्ट्रीय अधिवेशन साथ-साथ होंगे यह पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि दोनों समारोह अलग-अलग तिथियों में आयोजित किये जायेगें। वहीं श्री नागेश्वर ने महासभा अध्यक्ष प्रत्याशी हरिशंकर बनवारी की समाज भावना की प्रशंसा करते हुए कहा कि मेरे जीत दर्ज करने के पश्चात् सर्वप्रथम श्री बनवारी ने आकर मुझे बधाई दिये है जबकि अन्य प्रत्याशियों ने मुलाकात ही नहीं की है। चर्चा में अखिल भारतीय गढ़वाल समाज लालबर्रा के पदाधिकारियों ने बताया कि गत रविवार को अखिल भारतीय गढ़वाल समाज महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव संपन्न हुआ है जिसमें विजयश्री प्राप्त रविन्द्र नागेश्वर बुधवार को लालबर्रा प्रवास पर पहुंचे जिनका अखिल भारतीय गढ़वाल समाज लालबर्रा के द्वारा स्वागत किया गया। आगे बताया कि रविवार को बालाघाट में अखिल भारतीय गढ़वाल समाज महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव लोकतांत्रिक पध्दति से संपन्न हुआ था और महासभा अध्यक्ष हेतु चार प्रत्याशी मैदान में थे। जिसमें से शेष तीन प्रत्याशियों को पीछे करते हुए श्री नागेश्वर ने १११ मत प्राप्त कर निकटतम प्रत्याशी हरिशंकर बनवारी को २४ मतों से पराजित किया है। साथ ही यह भी बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त होने पर श्री नागेश्वर का यह प्रथम बालाघाट प्रवास पर आने की जानकारी मिलने के बाद लालबर्रा के स्वजातीय बंधु के द्वारा उनका भव्य स्वागत कर शुभकामनाएं दी गई है। इस अवसर पर अखिल भारतीय गढ़वाल समाज के मार्गदर्शक प्रदीप सूर्यवंशी, अनिरूध्द बेलजी, लालबर्रा मंडल अध्यक्ष अनिल ब्रम्हे, हरिशंकर बनवारी जनपद सदस्य, पिन्टू नागेश्वर, संतोष ब्रम्हे, चन्द्रकुमार ब्रम्हे, आकाश नागेश्वर, रोहित नागवंशी, आशु बेलजी, शरद धानेश्वर, रामकिशोर बंशपाल, विनय हरिद्वाज, संतोष नागेश्वर, डामेन्द्र धानेश्वर सहित अन्य स्वजातीय बंधु उपस्थित रहे।

# बोट्टा बांदरी के ग्रामीणों ने तहसीलदार को सौपा ज्ञापन

## शासकीय जमीन पर किये गये अतिक्रमण और ढाबा को हटाने की मांग की

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग १० किमी. दूर ग्राम पंचायत बांदरी के अंतर्गत आने वाले ग्राम बोट्टा के ग्रामीणजन ३१ जनवरी को तहसील कार्यालय पहुंचकर प्रभारी तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर बोट्टा हुड़की के शासकीय जमीन पर किये गये अतिक्रमण एवं ढाबा को हटाने की मांग की है। वहीं बोट्टा के ग्रामीणों पर शासकीय जमीन पर अतिक्रमण करने का जो आरोप आदिवासी समाज के द्वारा लगाया गया है उसे निराधार बताया है। आपकों बता दे कि ग्राम पंचायत बांदरी के अंतर्गत आने वाले ग्राम बोट्टा के हुड़की हाईवे मार्ग पर पंचायत की शासकीय जमीन है जिस स्थान पर दिलीप उयके के द्वारा अवैध रूप से अतिक्रमण कर ढाबा का संचालन किया जा रहा है जिसे हटाने की मांग ग्रामीणों ने की है ताकि शासकीय जमीन सुरक्षित बच सके। वहीं बोट्टा के ग्रामीणों का कहना है कि दिलीप उयके के द्वारा गत दिवस बोट्टा के ग्रामीणों पर अतिक्रमण करने का आरोप लगाते हुए थाने में झूठी शिकायत की गई है जिससे ग्रामीणजनों में आक्रोश व्याप्त है। जबकि दिलीप उयके के द्वारा बोट्टा पंचायत की शासकीय जमीन पर अवैध रूप से कब्जा कर अवैध तरीके से ढाबा का संचालन कर शराब का विक्रय किया जा रहा है जिससे समीप स्थित हायर सेकेण्डरी स्कूल के छात्र-छात्राओं को परेशानी होती है

और शराबी व्यक्ति से उनके मन में डर बना रहता है। साथ ही अशांति का माहौल भी निर्मित होता है। ३१ जनवरी को बोट्टा के ग्रामीणजन तहसील कार्यालय पहुंचकर तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर बोट्टा हुड़की की शासकीय जमीन पर दिलीप उयके के द्वारा जो अतिक्रमण कर बनाया गया ढाबा को बेदखल कर अतिक्रमण मुक्त किये जाने की मांग की है। वहीं प्रभारी तहसीलदार सुरेशकुमार उपाध्याय से दूरभाष पर बोट्टा हुड़की में किये गये अतिक्रमण को हटाने के संबंध में चर्चा करने का प्रयास किया गया परन्तु संपर्क नही हो पाया। मांग करने वालों में अनिल पंचेश्वर, बुध्देश्वर उपवंशी, रूपेन्द्र नागेश्वर, कृष्णा पंचेश्वर, सतेन्द्र नागेश्वर सहित अन्य ग्रामीणजन शामिल है।

### शास. जमीन पर किये गये अतिक्रमण को हटाये प्रशासन - मीरा

श्रीमती मीरा डेहरे ने बताया कि दिलीप उयके के द्वारा बोट्टा हुड़की में पंचायत की शासकीय जमीन पर कब्जा कर ढाबा का संचालन किया जा रहा है। साथ ही उक्त स्थान पर देव स्थल है जहां ग्रामीण कब्जा करने का प्रयास कर रहे है कहकर ग्रामीणों के नाम से झूठी शिकायत थाने में भी की गई है जिससे ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है इसलिए तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर पंचायत की शासकीय जमीन पर किये गये अतिक्रमण को हटाने की मांग की गई है।

### डेढ़ एकड़ जमीन पर किया गया है अतिक्रमण - अनिल

अनिल पंचेश्वर ने बताया कि बोट्टा हुड़की में दिलीप उयके के द्वारा बांदरी पंचायत के अंतर्गत आने वाली बोट्टा हुड़की की डेढ़ एकड़ शासकीय भूमि पर अवैध रूप से कब्जा कर बकरी, मुर्गी पालन करने के साथ ही ढाबा बनाकर अवैध रूप से शराब बेची जा रही है । जबकि उक्त ढाबा से १५० मीटर दुर हायर सेकेण्डरी स्कूल है और उनके ढाबा के सामने से विद्यार्थी पढाई करने जाते है जिससे उन्हे परेशानियों का सामना करना पड़ता है। श्री पंचेश्वर ने बताया कि पूर्व में दिलीप उयके को समझाईश भी दी गई है परन्तु वह बड़ा देव के नाम पर अवैध रूप से कब्जा किया है जबकि आवास की जो भूमि होती है वह ग्रामीणों को आवास निर्माण के लिए पंचायत से आबंटित की जाती है, देवभूमि अलग होती है इसलिए पंचायत की जमीन पर किये गये अतिक्रमण को हटाने की मांग प्रशासन से की है ताकि उक्त स्थान पर पंचायत के द्वारा काम्पलेक्स व अन्य निर्माण किया जा सके।

# नेवरगांव ला. से छिंदलई पहुंच मार्ग के निर्माण कार्य का विधायक अनुभा मुंजारे ने किया निरीक्षण

## निरीक्षण में निर्माण कार्य गुणवत्ताहीन पाये जाने पर विधायक ने जताई नाराजगी, सड़क विभाग के एसडीओ को निर्माण कार्य की जांच एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य करवाने किया निर्देशित

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग ८ किमी. दूर ग्राम पंचायत नेवरगांव ला. से छिंदलई वैनगंगा नदी उन्च स्तरीय पुल तक मुख्यमंत्री विशेष निधि से स्वीकृत लागत १९.५० करोड़ की लागत से सीसी सड़क का निर्माण कार्य किया जा रहा है। ३१ जनवरी को नेवरगांव ला. से छिंदलई तक किये जा रहे सीसी सड़क निर्माण कार्य का बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे के द्वारा विभागीय अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीणों के साथ निरीक्षण किया गया। इस निरीक्षण के दौरान विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने पाया कि सड़क का निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण नही किया जा रहा है एवं अनियमितता बरती जा रही है जिस पर उन्होने नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण करवाने की बात कही। वहीं ग्रामीणों ने भी विधायक श्रीमती मुंजारे को बताया कि नेवरगांव ला. से छिंदलई तक बन रही सीसी सड़क निर्माण में अनियमितता बरती जा रही है जहां मुरूम डालना है उक्त स्थान पर मिट्टी डाली गई है। साथ ही बेस में गिट्टी के स्थान पर गिट्टी की चुरी डाली गई है जबकि बेस मजबूत बनना चाहिए तभी सड़क लंबे समय से चल पायेगी और पुराने पुलियों को तोड़कर नवीन पुलिया का निर्माण न करते हुए पुराने पुलियों को ही सुधारकर उसके ऊपर से सड़क का निर्माण किया जा रहा है। जिस पर विधायक श्रीमती मुंजारे ने सड़क निर्माण कंपनी के प्रति नाराजगी व्यक्त करते हुए सड़क निर्माण कंपनी के ठेकेदार एवं विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों से कहा कि निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण करवाये और निर्माण कार्य की उन्च स्तरीय जांच करवाने के लिए सड़क विभाग के एसडीओं को निर्देशित किया है कि टीम गठित कर निर्माण कार्य की गुणवत्ता की जांच करवाकर जल्द रिपोर्ट दे। साथ ही विधायक श्रीमती मुंजारे ने सड़क निर्माण कंपनी के ठेकेदार से कहा है कि निर्माण कार्य की गुणवत्ता में किसी प्रकार का समझौता नही होना चाहिए और गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य एवं पुराने पुलिया को तोड़कर नवीन पुलिया का निर्माण करने बात कही। साथ ही तीव्र गति से निर्माण कार्य करवाने की बात कही गई ताकि लोगों को आने-जाने में हो रही परेशानियों से निजात मिल सके। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, ग्रामीण, सड़क विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

# एम्पावरिंग वुमेन इन एसटीईएम कार्यक्रम का हुआ आयोजन

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। युएन-वुमेन द्वारा राज्य के आदिवासी बाहुल्य जिलों में छात्राओं को एसटीईएम (साईंस टेक्नोलॉजी इंजीनिरिंग एंड मेथमेटिक्स) के क्षेत्रों में प्रोत्साहन देने के लिए ईम्पावरिंग वुमेन इन एसटीईएम कार्यक्रम प्रारंभ किया गया है। यह निशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम तकनीकी शिक्षा कौशल विकास एवं रोजगार विभाग द्वारा शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय एवं शासकीय आईटीआई बूढ़ी बालाघाट में संचालित है। इस निशुल्क प्रशिक्षण की अवधि 120 घण्टे निर्धारित है। प्रशिक्षण का उद्देश्य छात्राओं को उच्च शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करना, अच्छे रोजगार के लिए प्रशिक्षित करना, वित्तीय रूप से समर्थ बनाना एवं शिक्षा, कौशल व उद्यमिता के क्षेत्र में छात्राओं को मुख्य धारा मे लाना है। इसी परिप्रेक्ष्य से प्रशिक्षण कार्यक्रम की समाप्ति के पूर्व 01 फरवरी 2024, गुरूवार को प्रातः 10 बजे से शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय बालाघाट तथा शासकीय आई.टी.आई. बूढ़ी, बालाघाट में प्रशिक्षणरत छात्राओं हेतु प्रशिक्षण प्रदाता एजेंसी हेड हेल्ड हाई फाउंडेशन बैंगलोर द्वारा कैम्पस ड्राइव आयोजित किया जा रहा है। इस कैम्पस ड्राइव में मेअरली मदरसन ऑटो सस्पेंशन पार्ट्स प्राईवेट लिमिटेड, यानफेंग इंटरनेशनल ऑटोमोटिव टेक्नोलॉजी कार्पोरेशन लिमिटेड, वोल्टास लिमिटेड,बजाज ऑटो, सुस्पा न्यूमेटिक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, यजॉकी इंडिया लिमिटेड, एनबीसी-सीके बिरला ग्रुप, बांको इंडिया लिमिटेड, हर्षा इंजीनियर्स इंटरनेशनल लिमिटेड, रहाऊ पॉलिमर लिमिटेड तथा बी-9 बेवरेज्स कम्पनी शामिल हो रही है। ऐसे समस्त छात्राएं जो युएन-वुमेन के अन्तर्गत प्रशिक्षण प्राप्त कर रही है वे इस कैम्पस ड्राइव में सम्मिलित होकर इस अवसर का लाभ प्राप्त कर सकते है।

कंजई में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड) एवं केबल टीवी कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 9131979508, 8319969927

# 3 माह से नही मिला आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व सहायिकों को मानदेय

## फरवरी माह में कर सकती है आंदोलन

**वारासिवनी( पद्मेश न्यूज )। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका व सुपर वाईजरों को ३ माह से मानदेय नही मिलने का मामला सामने आया है। मानदेय न मिलने की वजह से यह सभी कार्यकर्ताओं को अपनी घर गृहस्थी चलाने में काफी परेशानी हो रही है। अपनी इस समस्या को लेकर इन सभी ने पूर्व समय जिलाधीश को ज्ञापन भी सौपा है। मगर उसके बाद भी उन्हे मानदेय से वंचित रहना पड़ रहा है। अगर फरवरी माह में मानदेय नही मिला तो यह सभी कार्य्रकर्ता अनिश्चित कालीन हड़ताल भी कर सकती है।**

### हम शासन का हर प्रकार का करते है कार्य - उमा घोलेन्द्र

इस संबंध में पद्मेश को जानकारी देते हुये आंगनबाड़ी कार्यकर्ता उमा घोलेन्द्र ने बताया कि शासन हमसे हर प्रकार का कार्य करवा रहा है। मगर हमारी पेमेन्ट नही कर रहा है। हमारे द्वारा विधायक, सांसद व जिलाधीश को पूर्व समय ज्ञापन भी सौपा गया है। लेकिन पेमेन्ट किस वजह से नही हो रहा है इस बात से हम अनभिज्ञ है। हमे घर गृहस्थी चलाने के लिये पेमेन्ट की अति जरूरत है। अगर पेमेन्ट नही मिला तो हम एक बार फिर आंदोलन करेंगे।

### हम लोग जूझ रहे आर्थिक परेशानी - किरण पटले

वही आंगनबाड़ी कार्यकर्ता किरण पटले ने पद्मेश को बताया कि हम लोग को ३ माह से मानदेय नही मिला है। जिसकी वजह से हमारे घर को आर्थिक नुकसानी का सामना करना पड़ रहा है। हम अपने बच्चों की स्कूली फीस तक नही भर पा रहे है। हमे मानदेय क्यो नही मिल पा रहा है इस बारे में हम नही जानते। मगर हम यही चाहते है कि शीघ्र ही हमे मानदेय प्राप्त हो।

### शासन से राशी आते ही कार्यकर्ताओं का हो जायेगा भुगतान - पीयूष बोपचे

इस संबंध में जब पद्मेश ने परियोजना अधिकारी पीयूष बोपचे से चर्चा की तो उन्होने बताया कि हमारे कार्यालय द्वारा जिला डीडीओं को प्रतिमाह २५ तारीख को इन कार्यकर्ताओं के मानदेय के लिये पत्रक भेजा जाता है। मगर ३ माह से इनका वेतन नही होने से हम भी काफी परेशान है। जब इस संबंध में हमने वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा की तो उन्होने बताया कि फिलहाल शासन से ही कोई बजट नही आया है जिसकी वजह से ही इनका वेतन भुगतान लंबित है। जैसे ही बजट का आवंटन हो जायेगा इनका भुगतान हो जायेगा।

# ग्राम पंचायत सिकन्द्रा के पटेल टोला में पक्की सड़क की दरकार

## ग्रामवासी कर रहे शीघ्र मार्ग निर्माण की मांग

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर के समीपस्थ ग्राम पंचायत सिकन्द्रा के पटेल टोला के कुछ स्थानों मे कच्ची सड़क होने से इस टोले मे रहने वाले लोग काफी परेशान है। वे लगातार ग्राम पंचायत से अपील कर रहे है कि पटेल टोला की कच्ची सड़क को पक्का बनवाया जाये। मगर ऐसा होते नही दिख रहा है। इस संबंध मे पद्मेश को जानकारी देते हुये ग्रामीण लक्ष्मण दांदरे ने बताया कि हम लोगो के द्वारा पंचायत को इस कच्ची सड़क को पक्की बनवाये जाने कई बार सरपंच से कहा मगर उनका ध्यान इस ओर नही है। हमे पानी गिरने के दौरान कीचड़ से आना जाना करना पड़ता है। हमारी इस परेशानी को पंचायत को समझना चाहिये। ग्राम सरपंच हमेशा ऐसा ही कहते है कि सड़क का निर्माण शीघ्र हो जायेगा मगर अभी तक ऐसा नही हुआ है। हमारी मांग है कि सड़क का शीघ्र निर्माण होना चाहिये। इसी तरह ग्रामीण महिला सुगरता वाहने ने पद्मेश को बताया कि हमारा घर भी इसी कच्ची सड़क पर पड़ता है। जब मेरे पति खत्म हुये तो हमने पुराने घर से ही कार्यक्रम किया था। मगर लोगो को आने जाने मे काफी तकलीफ का सामना करना पड़ा था। मेरे पुत्र ने भी सरपंच को इस बात से अवगत कराया मगर अभी तक कोई पक्की सड़क का निर्माण नही हुआ है। हमारी सिर्फ एक ही मांग है कि

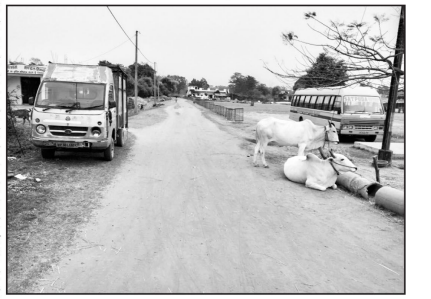

हमारी कच्ची सड़क पक्की हो जाये। सड़क मे अनवांछित कचरा काड़ी तक उग आया है।

### इनका कहना है

इस संबंध मे दूरभाष पर जानकारी देते हुये ग्राम सरपंच सिकन्द्रा कन्हैया खैरवार ने बताया कि रोड़ स्वीकृत हो चुकी है। शीघ्र ही राशी का आवंटन आते ही हम सड़क का निर्माण कार्य प्रारंभ कर देंगे।

**कन्हैया खैरवार**
**सरपंच**

# हायर सेकण्डरी स्कूल झालीवाड़ा में विधिक जागरूकता शिविर सम्पन्न

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम झालीवाड़ा के हायर सेकण्डरी स्कूल में ३१ जनवरी को विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर द्वितीय अपर जिला न्यायाधीश मनोज कुमार तिवारी की अध्यक्षता में प्रारंभ किया गया। उक्त शिविर में उपस्थित छात्र छात्राओं को सर्वप्रथम विधिक सेवा समिति क्या है और यह कैसे कार्य करती है एवं समिति की योजनाओं के संबंध में बताया गया। वहीं छात्र.छात्राओं को वर्तमान समय में होने वाले साइबर क्राइम के संबंध में जानकारी दी गई। साथ ही बालिकाओं की समाज में भूमिका एवं बालिकाओं के साथ होने वाले अपराधों के संबंध में विस्तार पूर्वक चर्चा कर उन्हें जागरूक किया गया। उपस्थित छात्र छात्राओं को बताया कि वर्तमान में कौन कौन से नए कानून बनाए गए हैं, जो कि अपराध की श्रेणी के अंतर्गत आते हैं। इस अवसर पर प्राचार्य एम डी नगपुरे, वी के बनोटे, डी डी राहंगडाले, सी एस ठाकरे, ए के उइके, जी के बिसेन सहित बड़ी संख्या में छात्र छात्राएं एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे।

# भाजपा कार्यालय में ग्रामीण मंडल की हुई बैठक

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी भाजपा कार्यालय में लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित की गई। जिसमें केन्द्र में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार बनाने महत्तवपूर्ण निर्णय बैठक में लिये गये। बैठक में लोकसभा विस्तारक दीपक कामड़े छिंदवाडा, वारासिवनी विस्तारक कुसुम बिरला खरगौन ,वारासिवनी क्षेत्र के विस्तारक नरेन्द्र भैरम ,जिला भाजपा महामंत्री निरंजन बिसेन,किशोर अमूले, विनय सुराना की मौजूदगी में बैठक सम्पन्न कराई गई। बैठक में सभी मंडल के पदाधिकारी,मोर्चा के अध्यक्ष,जनपद सदस्य,जिला पंचायत सदस्य, सरपंचगण अधिक संख्या में उपस्थित रहे। बैठक में केन्द्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को नये सिरे से ग्राम ग्राम व घर घर पहुंचाकर अधिक संख्या में लाभ दिलाना है। साथ ही यह लोकसभा सीट भाजपा ने पिछले चुनाव में लगभग ढाई लाख मतो से विजयी की थी। अब इस लोकसभा चुनाव में इस सीट पर भाजपा को तीन लाख से अधिक मतो से विजयी बनाना है। बैठक में वारासिवनी की तैयारियों के साथ ४ फरवरी को नये कार्यक्रम गांव चले हम की एक साथ पुरे जिले के मंडलो की बैठक के तहत वारासिवनी खैरलांजी क्षेत्र की भी बैठक आयोजित की गई। वहीं १ फरवरी को भाजपा कार्यालय वारासिवनी में नवनियुक्त भाजपा जिलाध्यक्ष रामकिशोर कावरे संगठन की बैठक लेगें। जिसमें नगर व ग्रामीण मंडल के सभी पदाधिकारीगण उपस्थित रहेंग यह बैठक भी लोकसभा चुनाव के संदर्भ में की जायेगी।

# राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को भूले कांग्रेसी : पुण्यतिथि पर पर नहीं दी श्रद्धांजलि

कटंगी (पद्मेश न्यूज)। सैकड़ो वर्ष अंग्रेजों की गुलामी की जंजीर में जकड़े देश को आजादी दिलाने जहां अनेकों शहीदों ने अपनी प्राणों की आहुति दी वही पराधीन भारत में आजादी की अलख जगाने वाले राष्ट्र नायक के रूप में पहचाने जाने वाले भारत में स्वाधीनता आंदोलन के महानायक रहे अहिंसा के पुजारी राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 76 वीं पुण्यतिथि शहीद दिवस के रूप में पूरे देश में मनाई गई ज्ञात हो कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का जन्म 2 अक्टूबर 1869 को गुजरात के पोरबंदर में हुआ था वहीं उनकी मृत्यु 30 जनवरी 1948 को हुई थी उसे दिन से देश भर में 30 जनवरी को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि मनाई जाती है इस वर्ष कटंगी नगर के गांधी चौक में नगर परिषद द्वारा शहीद दिवस के रूप में राष्ट्रपिता गांधी की पुण्यतिथि मनाई गई वही नगर के समस्त शासकीय कार्यालय में भी पुण्यतिथि का आयोजन किया गया वही बात करे तो पूरे देश भर में कांग्रेस का गांधी परिवार से नाता है और गांधी परिवार के प्रमुख राष्ट्रपिता महात्मा गांधी थे कांग्रेस पार्टी द्वारा जब भी कोई छोटे या बड़े कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है तो महात्मा गांधी को सर्वप्रथम पूजा जाता है।

### कांग्रेसियों ने नहीं दी गांधी जी को श्रद्धांजलि

बालाघाट जिले के कटंगी नगर के बीचो-बीच गांधी चौक कटंगी में विगत काफी लंबे वर्षों पहले गांधी जी की प्रतिमा स्थापित की गई थी प्रतिवर्ष 15 अगस्त और 26 जनवरी के दिन गांधी जी की प्रतिमा पर फूल माला अर्पण की जाती है वहीं विगत कॉफी लंबे समय से कांग्रेस कमेटी द्वारा भी 30 जनवरी गांधी की पुण्यतिथि पर महात्मा गांधी की प्रतिमा पर फूल माला अर्पण कर उनको श्रद्धांजलि दी जाती है और उनके जीवन में प्रकाश डाला जाता है परंतु इस वर्ष 30 जनवरी 2024 को कटंगी नगर गांधी चौक की गांधी प्रतिमा कांग्रेसियों के श्रद्धांजलि कार्यक्रम से अछूती रह गई कोई भी छोटा बड़ा या वरिष्ठ कांग्रेसी महात्मा गांधी को माला पहने नहीं पहुंचा सिर्फ व्हाट्सएप्प और फेसबुक पर कुछ कांग्रेसी नेता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि मनाते नजर आए इसके पहले हर वर्ष पुण्यतिथि पर कांग्रेस द्वारा श्रद्धांजलि का कार्यक्रम किया जाता था वही बात की जाए तो

विगत 5 दिन पूर्व 26 जनवरी गणतंत्र दिवस पर भी किसी कांग्रेसी कार्यकर्ता और वरिष्ठ कांग्रेसी द्वारा गांधी चौक में पहुंचकर महात्मा गांधी की प्रतिमा पर फूल माला नहीं चढ़ाया गया यह मामला इसलिए हुआ कि कांग्रेस के पार्षदों द्वारा विरोध किया गया था कि गणतंत्र दिवस के कार्यक्रम में पूर्व सांसद बोधसिह भगत का नाम निमंत्रण कार्ड में नहीं है और उन्हें समय पर निमंत्रण भी नहीं भेजा गया कांग्रेस के पार्षदों ने इस घटना को पूर्व सांसद भगत का अपमान बताया और गांधी चौक गणतंत्र दिवस के कार्यक्रम में नहीं पहुंचे। कांग्रेसियों के हिसाब से गणतंत्र दिवस के दिन पूर्व सांसद का अपमान होने के चलते महात्मा गांधी को कांग्रेसियों द्वारा माल्या अर्पण नहीं किया गया वहीं 5 दिन बाद 30 जनवरी को कोई कांग्रेसी महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्या अर्पण करने नहीं पहुंचा इस मामले को लेकर जब कटंगी ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नोकेद्र सिधनदुबे से दूरभाष पर चर्चा की गई तो उन्होंने बताया कि मैं अपने परिवार के एक निजी विवाह समारोह में व्यस्त था और ना ही मुझे कोई कटंगी से पुण्यतिथि कार्यक्रम के लिए फोन आया नहीं ऊपर से

# स्वास्थ्य विभाग की आशा कार्यकर्ताओं ने विधायक का जताया आभार

वारासिवनी (पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी खैरलाँजी विधानसभा क्षेत्र की स्वास्थ्य विभाग की आशा कार्यकर्ताओं ने विगत दिनों विवेक विक्की पटेल का विधायक बनने के बाद सिविल हॉस्पिटल परिसर में सम्मान किया गया था। इसी दौरान स्वास्थ्य विभाग की आशा कार्यकर्ताओं ने विधायक विवेक पटेल से एक बैठक रूम के लिए एक विश्राम कक्ष की मांग की थीं । जिसके बाद विधायक पटेल ने उन्हें आश्वस्त किया की जल्द ही आपकी सभी मांगो को पूरा किया जायेगा। जिसके बाद विधायक पटेल ने आशा कार्यकर्ताओं की मांग पर हॉस्पिटल में एक बैठक विश्राम रूम की व्यवस्था करा दी है । जिसके बाद स्वास्थ्य विभाग की आशा कार्यकर्ताओं ने विधायक का आभार जताया है । दूर ग्रामीण क्षेत्रो से आशा कार्यकर्ताओं को अपनी सेवा देने के लिए वारासिवनी सिविल हॉस्पिटल आना पड़ता है वहीं उन्हें बैठने के लिए काफ़ी परेशानियों का सामना करना पड़ता था।

खैरलांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) एवं केबल टीवी कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 9131979508, 8319969927

भोरगढ़ में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) एवं केबल टीवी कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 9131979508, 8319969927

कटंगी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) एवं केबल टीवी कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 9131979508, 8319969927

# आर्थिक गुणगान

वर्ष 2024-25 के अंतरिम बजट से पहले गुरुवार को वित्त मंत्रालय द्वारा कुछ आगे के पूर्वानुमानों के साथ पेश की गई अर्थव्यवस्था की 10-वर्षीय समीक्षा, सालाना आर्थिक सर्वेक्षण का एक छद्म रूप है। इस समीक्षा से यह संकेत मिलता है कि वर्ष 2024-25 के दौरान सकल घरेलू उत्पाद में तकरीबन सात फीसदी की बढ़ोतरी होगी और 2030 तक इसके सात फीसदी से 'काफी ऊपर' जाने की गुंजाइश है। इसका अनुमान है कि इस साल लगभग 3.7 ट्रिलियन डॉलर के स्तर तक पहुंचने वाली भारतीय अर्थव्यवस्था अगले तीन सालों में आगे बढ़ते हुए पांच ट्रिलियन डॉलर की होकर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगी और यह 2030 तक सात ट्रिलियन डॉलर के आंकड़े को छू सकती है। भारत की विकास गाथा को दो चरणों - 1950-2014 तक और फिर 2014 के बाद से 'परिवर्तनकारी विकास का दशक' - में बांटते हुए, इस समीक्षा में इस बात पर जोर दिया गया है कि जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'सत्ता संभाली' तो अर्थव्यवस्था की हालत 'उत्साहवर्धक' होने से कोसों दूर थी। फैसला लेने की सुस्त प्रक्रिया, गलत लक्ष्य वाली सब्सिडी और एक बड़े अनौपचारिक क्षेत्र की मौजूदगी जैसी संरचनात्मक बाधाओं के चलते विकास जहां अवरुद्ध हो गया था, वहीं मुद्रास्फीति भी बहुत ज्यादा थी। इस समीक्षा का तर्क है कि 2014 के बाद के सुधारों ने 卐दीर्घकालिक और मजबूत卐 आर्थिक एवं वित्तीय चक्रों के साथ अर्थव्यवस्था की तंदुरुस्ती के साथ आगे बढ़ने की क्षमता को बहाल कर दिया है और भारत को सबसे तेजी से बढ़ने वाला जी-20 राष्ट्र बना दिया है। इस समीक्षा में यह दावा किया गया है कि जब दुनिया दो फीसदी की दर से बढ़ रही है वैसे में भारत की सात फीसदी की वृद्धि, वैश्विक अर्थव्यवस्था के चार फीसदी की दर से बढ़ने की स्थिति में हासिल की गई 8-9 फीसदी की वृद्धि, जो संभवतः यूपीए युग के कुछ वर्षों की ओर इशारा है, के मुकाबले 'गुणात्मक रूप से बेहतर' है। यह बहस का विषय है क्योंकि भारतीय अर्थव्यवस्था का रिश्ता आम तौर पर दुनिया से अलग हो गया है और निर्यात के मुकाबले घरेलू गतिविधियां आर्थिक वृद्धि को कहीं ज्यादा संचालित कर रही हैं।

समीक्षा के मुताबिक अब जबकि यूपीए के काल से विरासत में मिली दोहरी बैलेंस शीट की समस्या एक 'फायदे' में बदल गई है, इसे व्यापक स्तर पर निजी निवेश में नई जान फूंकने वाले वायस के रूप में तब्दील करना होगा। यह सरकार द्वारा सख्ती से खारिज की जाने वाली 'के-आकार की रिकवरी' के बजाय व्यापक-आधार वाले उपभोग में उछाल पर निर्भर करेगा। महामारी के बाद सात फीसदी से ज्यादा की वृद्धि वाले चार साल वाकई सराहनीय रहे होंगे। लेकिन, भारत को अपने युवाओं की जरुरत के हिसाब से बड़े पैमाने पर नौकरियां पैदा करने के लिए तेजी से विकास करने की दरकार है और यह सुनिश्चित करना होगा कि विकास की बढ़ती लहर अर्थव्यवस्था के सारे न सही, लेकिन अधिकांश क्षेत्रों को ऊपर उठा ले। इस समीक्षा में 'सर्व-समावेशी कल्याण के नजरिए' की अपेक्षा की गई है जो मध्यम वर्ग का विस्तार करके उपभोग आधार को बढ़ाने में मदद करेगा। लेकिन विकास को सार्थक और न्यायसंगत बनाने के लिए सहायता राशि पर निर्भर लोगों की तादाद को निरंतर कम करते जाना होगा। मसलन, केंद्र सरकार के हिसाब से देश में 800 मिलियन लोगों को मुफ्त राशन की जरुरत है। इस रिपोर्ट में विकास में तेजी लाने के लिए 'उप-राष्ट्रीय सरकार' के स्तर पर कुछ महत्वपूर्ण बदलावों के साथ प्राथमिकताओं के रूप में सीखने के नतीजों, स्वास्थ्य, छोटी कंपनियों के लिए आसान अनुपालन से जुड़े सुधारों का उल्लेख किया गया है। यह भी जरुरी है कि जीएसटी जैसे सुधारों की खामियों को ठीक किया जाए और देश में 'अपेक्षित नीतियों के साथ खुले बाजार' को लेकर जटिल संकेत भेजने वाले आयात लाइसेंस एवं अविनियमित उत्पादों पर मूल्य नियंत्रण जैसे कुछ कुंद पड़े नीतिगत उपायों पर पुनर्विचार किया जाए।

# धूमिल होते विपक्षी एकता के प्रयास

आजकल वर्तमान केंद्र सरकार को सत्ताच्युत करने के सपने देखने की राजनीति गरम है। केंद्र में विपक्ष की राजनीति करने वाली कांग्रेस सहित तमाम क्षेत्रीय दल एक साथ चलने का राग अलाप रहे हैं, लेकिन वर्तमान राजनीतिक शैली को देखते हुए सहज ही यह सवाल देश के वातावरण में अठखेलियाँ कर रहा है कि क्या आज की स्थिति और परिस्थिति को देखते हुए विपक्ष की भूमिका निभाने वाले राजनीतिक दल एक होकर चुनाव लड़ पाएंगे। यह सवाल इसलिए भी उठ रहा है, क्योंकि सारे दल इस जोर आजमाइश में लगे हैं कि किसको कितनी सीट दी जाएं। इस बारे में कांग्रेस के समक्ष बड़ी विकट स्थिति निर्मित होती जा रही है। क्योंकि जहां एक ओर कांग्रेस के नेता राहुल गांधी कांग्रेस के अस्तित्व को बचाने के लिए एक और राजनीतिक यात्रा पर निकल चुके हैं, वहीं दूसरी ओर क्षेत्रीय दल कांग्रेस को कोई भाव नहीं दे रहे। इसके पीछे का कारण स्वयं कांग्रेस की राजनीति ही है। क्योंकि उसके नेताओं को न तो अपनी वास्तविक स्थिति का ज्ञान है और न ही उसके नेता वैसा आचरण ही कर रहे हैं। इसी कारण आज क्षेत्रीय दल कांग्रेस से ज्यादा प्रभावशाली हैं। वास्तविकता यह है कि कांग्रेस को क्षेत्रीय दलों के सहारे की तलाश है और कांग्रेस इस सत्य को अभी समझने में पूरी तरह असमर्थ दिखाई दे रही है।

देश में चल रहे राजनीतिक घटनाक्रम के बाद यह लगने लगा है कि केंद्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार पुनः आसीन होने की ओर अग्रसर है। ऐसा इसलिए भी है क्योंकि केंद्र की सरकार ने जो काम किए हैं उनके प्रति भारत की जनता का जुड़ाव दिखाई देता है। इसी कारण भाजपा को सत्ता में आने से रोकने के लिए जहां देश में विपक्ष के राजनीतिक दल एकता के लिए प्रयास करते दिखाई दे रहे थे, अब उन प्रयासों में बहुत बड़ा पेच सामने आ गया है। यह पेच इसलिए भी स्थापित हुआ है क्योंकि कांग्रेस को सारे क्षेत्रीय दल आंखें दिखाने की अवस्था में दिखाई देने लगे हैं। इसके पीछे क्षेत्रीय राजनीतिक दलों का अस्तित्व बचाने का तर्क दिया जा सकता है, लेकिन सत्य यह भी है कांग्रेस वर्तमान में बहुत कमजोर हो गई है। इसलिए कांग्रेस को मन मुताबिक सीट देने को कोई भी दल तैयार नहीं है। पश्चिम बंगाल में एक तरफ ममता बनर्जी कांग्रेस को उसकी स्थिति के अनुसार सीट देने को तैयार नहीं है। वहीं उत्तरप्रदेश में भी समाजवादी पार्टी कांग्रेस को ज्यादा सीट देने के मूड में नहीं है। इंडी गठबंधन के लिए रही सही कसर पर नीतीश कुमार

ने बिहार में कांग्रेस की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। इस राजनीतिक घटनाक्रम के बाद स्वाभाविक रूप से विपक्षी एकता के गठबंधन को बहुत बड़ा आघात लगा है। उल्लेखनीय है कि नीतीश कुमार विपक्षी गठबंधन की एकता के एक बड़े नेता के रूप में स्थापित हुए थे, जिन्हें कांग्रेस द्वारा महत्व नहीं दिए जाने के कारण नीतीश कुमार ने अपनी अलग राजनीतिक राह निर्मित कर ली।

वर्तमान में राजनीति रूप से अस्तित्व बचाने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगा रहे विपक्षी दलों के समक्ष एक बार फिर से अपनी एकता को बनाए रखने के लिए चुनौतियों का पहाड़ स्थापित होता दिखाई दे रहा है। जहां तक विपक्षी एकता की बात है तो आज के हालात को देखते हुए निश्चित ही यह कहा जा सकता है कि जितने मुंह उतनी बातें हो रही हैं। विपक्ष के सारे दल किसी न किसी रूप में अपनी महत्वाकांक्षा को प्रदर्शित कर रहे है। तू डाल डाल, मैं पात पात वाली कहावत को चरितार्थ करते हुए कांग्रेस सहित क्षेत्रीय दल अपनी पहचान बनाए रखने के लिए एक दूसरे को आंखें दिखा रहे हैं। इससे एक बात पूरी तरह से स्पष्ट हो जाती है कि कांग्रेस के नेतृत्व को कोई भी दल सर्वसम्मति से स्वीकार करने की स्थिति में नहीं है। लेकिन कांग्रेस का रवैया ऐसा दिखाई दे रहा है, जैसे उनका ही दल सब कुछ है। पश्चिम बंगाल और पंजाब की राजनीतिक स्वरों के निहितार्थ तलाशे जाएं तो यह कहने में कोई अतिरेक नहीं होगा कि कांग्रेस इन राज्यों में अपेक्षाकृत प्रदर्शन नहीं कर पाएगी। ऐसा इसलिए भी संभव है, क्योंकि पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी का आधार और प्रभाव है और वह किसी भी प्रकार से अपने प्रभाव को कमजोर करने का काम नहीं करेंगी, क्योंकि ममता के पास पश्चिम बंगाल के अलावा कहीं भी राजनीतिक जमीन नहीं है। ऐसा ही पंजाब में आम आदमी पार्टी के बारे में कहा जा सकता है। इन दोनों दलों का व्यापक प्रभाव इन्हीं राज्यों में है, जिसे वह खोना नहीं चाहते।

आज भले ही कांग्रेस की ओर से विपक्षी एकता के प्रयास किए जा रहे हों, लेकिन इन प्रयासों की सफलता तभी संभव है, जब कांग्रेस अन्य राजनीतिक दलों उनकी महत्वाकांक्षाओं के साथ स्वीकार किया जाए, लेकिन कांग्रेस की वर्तमान रवैए को देखते हुए ऐसा संभव नहीं लगता।

एक समय गठबंधन के मुख्य सूत्रधार कहे जाने वाले बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के भाजपा की तरफ कदम बढ़ाने की कवायद को विपक्षी एकता के लिए जबरदस्त आघात के रूप में ही देखा जा रहा है। ऐसा करने के पीछे अनुमान यही है कि भारतीय जनता पार्टी ने अपनी स्वीकारोक्ति में वृद्धि की है। अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण भले ही न्यायालय के आदेश पर हुआ हो, लेकिन इसके लिए भाजपा के योगदान को आज पूरा देश जानता है। आज बिहार की राजनीति का अध्ययन किया जाए तो यह कहना ठीक ही होगा कि वहां भले ही राष्ट्रीय जनता दल और जनता दल यूनाइटेड के बीच बेमेल गठबंधन बनाकर सरकार का संचालन किया जा रहा था, लेकिन इन दोनों दलों के बीच विचारों की एकता नहीं थी। दोनों ही दल अपनी अपनी दाल पकाने में व्यस्त रहे। कहा तो यह भी जा रहा है कि लालू प्रसाद यादव अपने पुत्र को मुख्यमंत्री की कुर्सी पर विराजमान करने की राजनीति करने लगे थे।

इसी प्रकार की स्थिति उत्तरप्रदेश की है, जहां कांग्रेस की राजनीतिक जमीन शून्यता की ओर कदम बढ़ा रही है। ऐसे में समाजवादी पार्टी कांग्रेस को उतना महत्व नहीं देगी, जितना वह चाहती है। इस प्रकार की परिस्थिति के बीच कांग्रेस अपने राजनीतिक भविष्य की तस्वीर में किस प्रकार से रंग भरेगी, यह फिलहाल टेढी खीर ही कही जाएगी। कुल मिलाकर यही कहा जाएगा कि विपक्ष की एकता जो प्रयास किए जा रहे हैं, उसके समक्ष एक एक करके बड़े अवरोध भी स्थापित हो रहे हैं। इस अवरोधों का सामना करने की हिम्मत एकता से ही संभव हो सकती थी, जो फिलहाल असंभव सा ही लग रहा है। ऐसा लगने लगा है विपक्षी एकता के प्रयास तार-तार हो रहे हैं। इसके पीछे कांग्रेस की एक बड़ी खामी यह भी है कि वह भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में न जाने की आत्मघाती भूल कर चुकी है। भगवान राम से भारत की जनता का सीधा संबंध है, जिसे कोई भी राजनीतिक दल नकारने का साहस नहीं कर सकता। विपक्षी राजनीतिक दलों को भविष्य की राजनीति की ओर कदम बढ़ाना है तो उसे भारत की आस्था को सम्मान देना ही होगा, नहीं तो जो स्थिति पहले हुई, वैसी ही स्थिति के लिए तैयार रहना चाहिए।

**- सुरेश हिंदुस्तानी**

# है आपकी अदाओं से गिरगिट भी शर्मसार ...

नितीश कुमार बिहार की राजनीति के लिये कितना ही प्रासंगिक क्यों न रहे हों परन्तु उनके राजनैतिक जीवन का हासिल यही है कि उन्हें मीडिया ने पलटी मार या पल्टूराम का ख़िताब दे डाला है। नौ बार बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने वाले नितीश कुमार अलग अलग अवसरों पर कभी यू पी ए समर्थित मुख्यमंत्री बने तो कभी भाजपा व एन डी ए समर्थित तो कभी कांग्रेस आर जे डी के साथ महागठबंधन बनाकर। दुर्भाग्यवश डॉ राजेंद्र प्रसाद,जय प्रकाश नारायण व कर्पूरी ठाकुर की कर्मभूमि वाले इसी राज्य में सत्ता से चिपके रहने में महारत रखने वाले नेता राम विलास पासवान को भी राजनीति का मौसम वैज्ञानिक कहा जाता था। कहने को तो यह नेता स्वयं को धर्मनिरपेक्ष राजनीति का पैरोकार बताते हैं परन्तु महज़ सत्ता की मलाई खाने के लिये इन नेताओं ने साम्प्रदायिक शक्तियों से हाथ मिलाने में कभी परहेज़ नहीं किया। आज देश में दक्षिणपंथियों का जो विस्तार देखने को मिल रहा है उसमें देश के ऐसे तमाम गिरगिटों की भी अहम भूमिका है जिन्होंने सिर्फ़ और सिर्फ़ सत्ता की ख़ातिर बार बार अपने ज़मीर का सौदा किया।

परन्तु पिछले दिनों जिन परिस्थितियों में और जिस समय नितीश कुमार ने आर जे डी-कांग्रेस का साथ छोड़ एक बार फिर भाजपा के साथ मिलकर मुख्यमंत्री पद की शपथ नौवीं बार ली है, उनके इस अप्रत्याशित क़दम ने उन्हें पूरी तरह बेनक़ाब कर दिया है। आश्चर्य की बात तो यह है कि कहाँ तो नितीश कुमार के ही प्रथम प्रयास से ड्ढ.हृ.ष्ठ.ड्ढ गठबंधन वजूद में आया। नितीश की पहल पर ही 23 जून 2023 को 18 विपक्षी दलों की सबसे पहली बैठक पटना में ही हुई थी। यहाँ तक कि उन्हें ड्ढ.हृ.ष्ठ.ड्ढ गठबंधन का संयोजक तक बनाने की चर्चा चली परन्तु अचानक ऐसा क्या हुआ कि उन्हें राजनैतिक व वैचारिक धर्म परिवर्तन के लिये मजबूर होना पड़ा ? कहां तो अगस्त 2022 में एनडीए से अलग होने के बाद नीतीश कुमार यह कहते फिर रहे थे -कि वे मर जाना पसंद करेंगे लेकिन भाजपा के साथ लौटना पसंद नहीं करेंगे। उन्होंने एनडीए से अलग होते समय भाजपा पर जेडीयू को कमज़ोर करने का आरोप भी लगाया था। उधर भाजपा की तरफ़ से भी गृह मंत्री अमित शाह का उसी समय बयान आया था कि नीतीश कुमार के लिए एनडीए के दरवाज़े हमेशा के लिए बंद हो चुके हैं। परन्तु इन सभी कथनों को दरकिनार करते हुये दोनों ने ही एक दूसरे से हाथ मिला लिया ?

हालांकि जे डी यू के कुछ नेताओं की तरफ़ से इस घटनाक्रम का दोष कांग्रेस पर मढ़ने की हास्यास्पद कोशिश की जा रही है। परन्तु दरअसल इस बार का पाला बदल नितीश कुमार पर बदनामी के साथ साथ अवसरवादिता की पराकाष्ठा की भी छाप छोड़ जायेगा। आर जे डी के वरिष्ठ नेता शिवानंद तिवारी तो यहाँ तक कहते हैं कि 卐नीतीश के बारे में राजनैतिक विशेषज्ञ कुछ नहीं बता सकता बल्कि उनके बारे में तो मनोचिकित्सक ही बता सकता है। नीतीश ने तो स्वयं ही विपक्ष के लोकतंत्र बचाने के प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए थे। उन्हें तो शर्म आनी चाहिए, यह धोखा देना है। यदि उन्हें कोई शिकायत थी तो वे बात कर सकते थे। 卐जबकि कांग्रेस ने नीतीश कुमार पर धोखा देने और रंग बदलने का आरोप लगाया है। परन्तु कुछ राजनैतिक विश्लेषक इस पूरे नाटकीय घटनाक्रम के पीछे कुछ और ही वजह बता रहे हैं। कहा जा रहा है कि 卐जेडीयू के नेताओं व उनके निकट सहयोगियों पर जांच एजेंसियों का कसता शिकंजा इसकी प्रमुख वजह है। मिसाल के तौर पर प्रवर्तन निदेशालय द्वारा गत वर्ष सितंबर में जेडीयू विधान पार्षद राधाचरण सेठ की मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में हुई गिरफ़्तारी। बाद में पिछले ही साल नीतीश कुमार के एक और निकट सहयोगी जेडीयू विधायक और मंत्री विजय चौधरी के साले अजय सिंह उर्फ़ कारू सिंह के आवास पर आयकर विभाग की छापेमारी,जेडीयू के क़रीबी माने जाने वाले एक और ठेकेदार गब्बू सिंह के ठिकानों पर आयकर विभाग द्वारा की गयी छापेमारी, बेगूसराय में बिल्डर कारू सिंह के आवास पर की गयी छापेमारी आदि केंद्र सरकार के ऐसे शिकंजे थे जिनके बाद यह संभावना बढ़ने लगी थी कि अब यह जांच नीतीश कुमार के कुछ क़रीबी अधिकारियों तक भी पहुँच सकती है। माना जा रहा है कि नीतीश के मन में भी यह डर ज़रूर रहा होगा कि कहीं इन्हीं मामलों में अब उनसे भी पूछताछ न शुरू हो जाए?卐

वैसे भी दुनिया देख रही है कि भाजपा से मुख़ालिफ़त की क्या क़ीमत लालू यादव व उनके परिवार के लोगों को चुकानी पड़ रही है। जबकि ठीक इसके विपरीत हिमन्त बिश्व शर्मा और अजित पवार जैसे लोग जोकि भाजपा विरोधी होने के समय कभी विपक्ष के भ्रष्ट नेताओं की सूची में सबसे ऊपर हुआ करते थे वही सत्ता के समक्ष दंडवत करने के बाद अब किस तरह सत्ता सुख भोग रहे हैं ? इसलिये नितीश कुमार के पाला बदल का ताज़ातरीन खेल किसी राजनैतिक मजबूरी या किसी सहयोगी विपक्षी दल से लगी ठेस के कारण नहीं बल्कि स्वयं को सत्ता में सुरक्षित बनाये रखने के मक़सद से खेला गया है। यहां एक बार फिर कांग्रेस नेताओं की दूरदर्शिता को स्वीकार करना पड़ेगा कि उन्होंने नितीश की इच्छानुसार उन्हें ड्ढ.हृ.ष्ठ.ड्ढ गठबंधन का संयोजक नहीं बनने दिया। अन्यथा यही स्थित यदि नितीश के ड्ढ.हृ.ष्ठ.ड्ढ गठबंधन के संयोजक के रूप में सामने आती फिर तो शर्तिया तौर पर ड्ढ.हृ.ष्ठ.ड्ढ गठबंधन का जनाज़ा ही निकल गया होता ?

वैचारिक रूप से भी नितीश का इस समय भाजपा से गलबहियां करने का कोई औचित्य नहीं था। क्योंकि जाति जनगणना जैसे संवेदनशील विषय पर भाजपा जे डी यू आमने सामने थे। जबकि नितीश तो जाति जनगणना को लेकर इतने उतावले थे कि उन्होंने आनन फ़ानन में बिहार में जाति जनगणना भी करा डाली। बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिये जाने जैसी नितीश कुमार की महत्वपूर्ण मांग आजतक भाजपा ने पूरी नहीं की। ऐसे में यदि नितीश को जांच का भय नहीं था तो आख़िर क्या वजह थी कि उन्होंने रंग बदलने के अपने ही कीर्तिमान को फिर से तोड़ दिया ? क्या ऐसे अवसरवादी,सिद्धांतविहीन,सत्ता चिपकू व स्वार्थी राजनीतिज्ञों को भारतीय राजनीति के आदर्श नेताओं में गिना जा सकता है ? या यह कहा जाये कि नितीश जी- है आपकी अदाओं से गिरगिट भी शर्मसार।

**-निर्मल रानी**

# राजनीति की नहीं रेल की बात भी कीजिये....

भारत में आजकल अनुशासन के बजाय दुःशासन पर्व चल रहा है। अनुशासन पर्व आज की पीढ़ी के लिए एक अनजान शब्द है लेकिन जो छठवें -सातवें दशक में जन्मी पीढ़ी है उसे पता है कि अनुशासन पर्व किस चिड़िया का नाम था ? अनुशासन पर्व हालाँकि देश पर थोपे गए आपातकाल का एक नारा था लेकिन इस नारे के फलस्वरूप पूरा देश पटरी पर था। रेल से लेकर सरकारी दफ्तर तक। आज देश में आपातकाल नहीं है शायद यही वजह है की देश बेपटरी हो रहा है और एक -एक दिन में देश की एक-दो,दस नहीं बल्कि 400 रेलों को रद्द किया जा रहा है। अनुशासन पर्व में पहली बार रेलें घड़ी की सुई का कांटा मिलाकर चलती थीं

दरअसल रेलों के बेपटरी होने की वजह मौसम के अलावा कुप्रबंधन भी है लेकिन कोई इस बारे में बात नहीं करना चाहता ,क्योंकि सब राजनीति में उलझे है। सत्तापक्ष तो 365 दिन चुनाव प्रबंधन में उलझा रहता है और विपक्ष अपना वजूद बचने की तैयारी में। बचा-खुचा समय राम जी की स्तुति में निकल रहा है । देश की फ़िक्र किसी को नहीं है। देश की फ़िक्र करना आजकल अपराध है । आजकल केवल और केवल कुर्सी की फ़िक्र करने की छूट है।

भारतीय रेल गनीमत है कि आज की सरकार की उपलब्धियों में शामिल नहीं है ये आजादी के बाद और 2014 के पहले कि सरकारों की उपलब्धि है ।इसके विकास में सबसे बड़ा योगदान कांग्रेस कि सरकारों का है। भारतीय रेल एक लाख किलोमीटर से कहीं ज्यादा लम्बी पटरियों पर दौड़ते हुए हर दिन कोई ढाई करोड़ लोगों को आवागमन की सुविधा मुहैया करने वाली एक सार्वजनिक परिवहन प्रणाली ह। यानि हमारी रेलें प्रति दिन जीतनीई सवारियां ढोती है उतनी तो ऑस्ट्रेलिया की आबादी भी नहीं है। दुर्भाग्य से एक दशक पहले तक जो रेल आम भारतीय की रेल थी वो अब धीरे-धीरे आम आदमी के लिए अलभ्य होती जा रही है । एक दशक में रेलवे को आधुनिक बनाने की तमाम कोशिशों में एक कोशिश इसके निजीकरण की थी किन्तु इस मोर्चे पर सर्कार कामयाब नहीं हो पायी । सरकार चीन की तर्ज पर बुलट ट्रेने भी नहीं चला पायी किन्तु उसके स्थान पर वन्दे भारत रेलें चलीं जो समय पर नहीं चल प् रहीं। ये वंदे भारत रेलें महंगी हैं सो अलग ,लेकिन इस मुद्दे पर कोई बोलने वाला नहीं। आंदोलन करने वाला नहीं।

रेलवे की आधिकारिक जानकारी के मुताबिक 26 जनवरी को जिस दिन देश भारतीय गणतंत्र दिवस की हीरक जनयन्ति मना रहा था उस दिन भारतीय रेलवे ने 372 ट्रेनों को रद्द कर दिया कर दिया है. अगले दिन भी रेलवे ने 304 ट्रेनें रद्द की थी. रद्द होने वाली रेलों में पैसेंजर, मेल और एक?सप्रेस गाड़ियां शामिल हैं. दुर्गियाना एक?सप्रेस, लिच?छवी एक?सप्रेस, हमसफर एक?सप्रेस और झारखंड एक?सप्रेस सहित लंबी दूरी तक करने वाली कई रेलें ही नहीं दिल्ली से राजधानियों के बीएच चलने वाली वनदे भारत रेलें भी इसमें शामिल हैं । कड़ाके की ठंड में ट्रेनों के रद्द होने से यात्रियों की परेशानियां बढ़ गई हैं लेकिन देश की सत्ता बिहार और झारखण्ड को हिलाने में लगी है। देश में इतनी बड़ी संख्या में रेलें रद्द होने का ये नया इतिहास है।

रेलें रद्द होने से रेलवे को कुल कितना नुकसान हो रहा है इसका कोई आधिकारिक आंकड़ा हमारे पास नहीं है। लेकिन ये आंकड़े जरूर हैं कि एक ही मंडल में प्रतिदिन 20 हजार से ज्यादा टिकट केंसिल कराये जा रहे हैं और किराया वापस किया जा रहा है।देश में रेल के देश दर्जन से ज्यादा मंडल हैं। ये नुकसान करोड़ों में है लेकिन किसी को कोई फ़िक्र नहीं। वर्ष 2016 से रेलवे का अपना बजट भी सरकार ने पेश करना बंद कर दिया है। अब आपको पता ही नहीं चल पाता की रेलवे कि सेहत कैसी है ? आप एक दशक पहले जितने किराये में एक स्टेशन से दूसरे स्टेशन तक पैसेंजर रेल से जा सकते थे अब उतना पैसा तो प्लेटफार्म टिकिट का है। रेलवे की पार्किंग हवाई अड्डे की पार्किंग की तरह महंगी हो चुकी है। रेलवे स्टेशन निजी कंपनियों को ठेके पर दे दिए गए हैं। किराया,टिकिट आरक्षण और निरस्तीकरण तक महंगा कर दिया गया है। अनारक्षित रेलों और दूसरी रेलों में अनारक्षित कोच की संख्या में लगातार कमी की जा रही है ,और इसका खमियाजा भुगत रहा है वो आम आदमी जो रामभक्त है।

इस समय रेलों को रद्द किये जाने की एक वजह मौसम और दूसरी वजह अयोध्या है। सरकार ने रामभक्तों को रामलला के दर्शन करने के लिए तमाम रेलों का मुंह अयोध्या की ओर मोड़ दिया है। अयोध्या के लिए विशेष रेलें चलाई जा रहीं हैं ,लेकिन इसके लिए दूसरी रेलों का संचालन रद्द किया जा रहा है। आपको बता दूँ कि भारतीय रेलवे में 12147 इंजिन , 74003 यात्री डिब्बे और 289185 मालवहक डिब्बे हैं भारत में 8702 यात्री ट्रेनों के साथ प्रतिदिन कुल 13523 ट्रेनें चलती हैं। भारतीय रेलवे में 300 रेलवे यार्ड, 2300 माल ढुलाई और 700 वर्कशाप हैं। कीर्तिमान की दृष्टि से देखें तो भारतीय रेल दुनिया की चौथी सबसे बड़ी रेलवे सेवा है। 12.27 लाख कर्मचारियों के साथ, भारतीय रेलवे दुनिया की आठवीं सबसे बड़ी व्यावसायिक इकाई है। लेकिन भारत सरकार ने इसकी ऐसी-तैसी कर रखी है।

देश की मौजूदा सरकार ने हालाँकि हर साल रेल बजट में इजाफा किया है किन्तु प्रबंधन के लिहाज से उसे कामयाबी नहीं मिल रही है ।पिछली बार सरकार ने सवा लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का बजट रेलवे के लिए जारी किया था, इस बार अगर इसमें 25 फीसदी का इजाफा हो जाता है तो ये सरकार के रेलवे की सूरत बदलने के प्रयासों के मुताबिक ही होगा. इसका सीधा सा अर्थ है कि ये रेलवे बजट इस साल करीब 3 लाख करोड़ रुपये के आवंटन के स्तर तक जा सकता है। केंद्र सरकार ने वर्ष 2018-19 में ?55,088 करोड़ रुपये ,वर्ष 2019-20 में ?69,967 करोड़ रुपये ,वर्ष 2020-21 में ?70,250 करोड़ रुपये और वर्ष 2021-22 में ?1.17 लाख करोड़ रुपये रेलवे को आवंटित किये थे। इसके बावजूद भारतीय रेल आम आदमी कि पहुँच से लगातार दूर हो रही है। आने वाले दिनों में भारतीय रेलों की सूरत क्या होगी,कोई नहीं जानता क्योंकि भर्ती रेल विमर्श से बहुत दूर जा चुकी है।

संयोग से मुझे चीन की रेलों में यात्रा करने का अवसर मिला है ,इसके आधार पर मै कह सकता हूं कि हम रेल सुविधाओं और रेल सेवाओं के मामले में चीन से कोसों दूर हैं भले ही हमने चंद्रयान और सूरज को जाने के लिए यान छोड़ लिए हैं। हमारी रेलें सुरक्षा,सफाई,खानपान समयबद्धता के मामले में चीन की रेलों से कोसों पीछे हैं। हमारे यहां जिस गति से रेल सेवाओं का उन्नयन हो रहा है उसे देखते हुए कहा जा सकता है कि हम नौ दिन चले अढ़ाई कोस की कहावत को चरितार्थ कर रहे है। और ये सब तब है जब कि रेल की हरी झंडी हमारे भाग्य विधाताओं के हाथ में है।

**- -राकेश अचल**

## (गीत) संविधान हमारा

बहता है निर्मलता लेकर,बनकर गंगा-यमुनी धारा।
हमको लगता बेहद न्यारा,संविधान नित नेहिल प्यारा।।

बाबासाहब का विवेक था,समरसता का भाव जगाया।
जन-जन को जिसने हर्षाया,मानवता का गीत सुनाया।।
संविधान पर गर्व हमें है,जो सद्भावों का उजियारा।
हमको लगता बेहद न्यारा,संविधान नित नेहिल प्यारा।। (1)

जिसने नित उत्थान दिया है,संविधान की दिव्य कहानी।
देश हमारा गति करता है,नित्य प्रगति है बहुत सुहानी।।।
भाईचारा पोषित होता,अधरों पर सबके जयकारा।
हमको लगता बेहद न्यारा,संविधान नित नेहिल प्यारा।।
(2)
जन कल्याणक तत्व महकते,गति ने नित्य लुभाया हमको।
पीड़ा,दुख को सदा दूर कर,मार दिया है सबके ग़म को।।
अमन-चैन के गीत गूँजते,बना लोकहित आज सहारा।
हमको लगता बेहद न्यारा,संविधान नित नेहिल प्यारा।।
(3)
सारी बातें मंगलकारी,संविधान को शोभित करतीं।
सारी शर्तें औषधि बनकर,व्यथा-वेदना को हैं हरतीं।।
बना आज परिवेश सुहाना,कभी नहीं होगा अँधियारा।
हमको लगता बेहद न्यारा,संविधान नित नेहिल प्यारा।।(4)
बाबासाहब की थी प्रतिभा,जिसने मंगलगान सुनाया।
संविधान ने सबके मन में,आशा का नित भाव जगाया।।
हम आगे बढ़ते ही जाते,जन-गण-मन का ताव बुहारा।
हमको लगता बेहद न्यारा,संविधान नित नेहिल प्यारा।।(5)

(प्राचार्य शासकीय जेएमसी महिला महाविद्यालय)

**प्रो(डॉ)शरद नारायण खरे**

## इन्दौर बाजार भाव –

इन्दौर । उठाव की सुस्तता से बुधवार को खाद्य तेलों में बाजार नरमी के रहे। तिलहनों में सरसो व सोयाबीन बाजार कमजोर ही रहा। दलहनों में चना मजबूती बनाये रहा। किराना जिंसों में शक्कर बाजार ठंडे रहे। सौंफ व जीरे में भी सुस्ती आयी। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार खाद्य तेलों में कामकाज की मात्रा कम ही रही। सोया व कपास्या तेलों में बाजार नरमी के देखे गये। वहीं, तिलहनों में सरसो व रायडे सहित सोयाबीन में कमजोरी आयी। दलहनों में चना पूछपरख से मजबूती बनाये रहा। उड़द व मूंग में सुस्ती रही। भाव इस प्रकार रहे –

**किराना** - शक्कर 3850–3880, खोपरा गोला 120–145, खोपरा बूरा 2500–4350 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 460–480, ऊंझा हल्का 475–500, बेस्ट 580–600, हल्दी निजामाबाद 170–200, सांगली 260–270, साबूदाना हल्का 7300–7500, मीडियम 7500–7700, बेस्ट 7900–8000, सच्चा मोती 7350, सौंफ मोटी 95–125, मीडियम 175–225, बेस्ट 225–250, सौंफ बार्र?क 350–400, बेस्ट 450, राई दाल 90–95, सरसो दाल 85–95, कालीमिर्च एटम 675–690, गरबल 635–655, मटर दाना 700–715, खसखस अनक्लीन 600–1000, क्लीन 1200–1250, दालचीनी 240–245, बेस्ट 250–260, जायफल 580–650, बेस्ट 700, वाद्यान फूल 675–750, शाहजीरा 300–325, तेजपान 85–90, पत्थर फूल 325–375, बेस्ट 450–525, जावत्री 1900–1950, केसर 145–190, सौंठ 190–225, धोली मूसली 975–1100, लौंग 850–900, बेस्ट 950–1000, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 160–185, सिंदूर 6600, देशी कपूर 810–850, पूजा बादाम 115–200, पूजा सुपारी 450–475, अरीठा 130–145, हरि इलायची शंकर 1400–1550, मीडियम 1650–1750, बोल्ड 1900–1950, एक्स्ट्रा बोल्ड 2150–2400, पानबार 2150, बड़ी इलायची 1050–1150, बेस्ट 1200–1450, तरबूज मगज 860–900, काजू (240) 750–825, काजू (320) 700–720, काजू डब्ल्यू वन 650–675, एस. डब्ल्यू 625–650, एस.एस. डब्ल्यू 600–630, टुकड़ी 590–610, बादाम मगज 600–650, सिंगापुरी 600–620, टांच 500–575, अखरोट 450–650, जर्दालु 250–350, बेस्ट 450–600, किशमिश कंधारी 375–475, बेस्ट 500–550, इंडियन 190–200, बेस्ट 240–260, चारौली 1200, बेस्ट 1250, मुनक्का 475–725, बेस्ट 775–850, अंजीर 675–1250, मखाना 650–950, खारक 90–110, मीडियम 115–150, बेस्ट 160–175, एक्स्ट्रा बेस्ट 180–200, पिस्ता मोटा 1675–1725, कंधारी 1750–1900, गेहूँ आटा 1560–1570, मैदा कट्टा 1590–1600, रवा कट्टा 1620–1630, बेसन 3925 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 1450–1500, (160) 1500–1550, (200) 1650–1700, (250) 1800–1850

**तेल** - सींगदाना 1510–1520, मुम्बई 1515, राजकोट तेलिया 2390, सोया साल्वेंट 815–820, सोया रिफाइंड 865–870, कपास्या 800, धूलिया 810, कड़ी 810,

**रात की धारणा** - गुजरात लुज 1500, मुम्बई पाम 848, मुम्बई सोया 880,

**खली** - कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 1675, देवास-उज्जैन 1675, खंडवा-बुरहानपुर 1650, अकोला 2675 (प्रति क्विं?टल)

**तिलहन** - सरसो 6300–6400, रायडा 4800–5000, सोयाबीन 4400–4450, टोली (महुआ बीज) 4100–4150, अलसी 7500–7600,

**दलहन** - चना कांटेवाला बेस्ट 5950–6000, एवरेज 5800–5850, काबूली चना बिटकी 6300–6600, काबली चना काटकू 6700–7200, काबूली चना मीडियम 7400–8300, काबूली चना डॉलर 9600–10600, मसूर बेस्ट 5950–6000, एवरेज 5850–5900, मूंग देशी 9300–9400, पाला 9500–9600, चमकी 9700–9800, नायलोन 9900–10000, तुअर निमाड़ी बेस्ट 10100–10400, एवरेज 9700–9800, हल्की 9500–9600, तुअर महाराष्ट्र 10100–10600, उड़द बेस्ट 8600–8700, एवरेज 8500–8600, हल्की 8000–8100, शंकर 8200–8500,

**दाल** - चना दाल एवरेज 7500–7600, मीडियम 7700–7800, बेस्ट 7900–8000, तुअर दाल सवा नं. 13000–13200, तुअर दाल फूल 14200–14300, तुअर दाल बोल्ड 15200–15300, मसूर दाल एवरेज 7400–7500, बेस्ट 7600–7700, मूंग दाल 10500–10600, बोल्ड 10700–10800, मूंग मोगर 11000–11100, बोल्ड 11200–11300, उड़द दाल 10800–10900, बोल्ड 10000–11100, मोगर 11200–11300, बोल्ड 11400–11500,

**अनाज** - गेहूं मिल क्वालिटी 2150–2200, (147) 2250–2300, बेस्ट 2300–2350, लोकवन 2500–2550, बेस्ट 2550–2600, चन्द्रोसी 3100–3800, ज्वार देशी 2500–2650, मक्का पीली 2150–2200, गज्जर 2100–2150,

**चावल** - चावल हंसा सफेद 2500–2700, सेला 2900–3100, परमल 2800–3000, दुबराज 4000–4500, राजभोग 7000–7500, काली मुंछ 8000–8500, बासमती दुबार 8500–9000, मीनी दुबार 7500–8000, मोगरा 4200–6500, तिबार 9500–10000, बासमती (921) 11500–12500, बासमती सेला 7500–9500, पोहा 4300–4800,

**मावा** - इन्दौर 300, उज्जैन 240, रतलाम 230 रू. प्रति किलो।

## इन्दौर सराफा बाजार –

इन्दौर। बुधवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। दोनों ही कीमती धातुओं में बाजार कमजोर बने रहे। भाव इस प्रकार रहे –

चाँदी (9999) 73100, चाँदी (99) 73000, टंच 72300, सिक्का 800, सोना 10 ग्राम 64100,

## ऑनलाइन पेमेंट गेटवे पेपाल ने शुरु की कर्मचारियों की छंटनी

मुंबइ। ऑनलाइन पेमेंट गेटवे पेपाल ने छंटनी शुरू कर दी है, जिससे करीब 9 प्रतिशत कार्यबल यानी लगभग 2,500 कर्मचारी प्रभावित होने वाले है। पोस्ट के अनुसार, कृपया अपने साथी पेपल कर्मचारियों का सपोर्ट करें। पेपल कर्मचारियों को गूगल की शुभकामनाएं। पेपाल के सीईओ एलेक्स क्रिस ने एक आंतरिक ज्ञापन में कहा कि प्रभावित कर्मचारियों को सप्ताह के अंत तक सूचित किया जाएगा। पेपाल को एप्पल, जेले और ब्लॉक जैसे प्रतिद्वंद्वियों से बढ़ती प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है। पिछले साल लगभग इसी समय, पेपाल ने लगभग 2,000 कर्मचारियों यानी अपने कार्यबल के 7 प्रतिशत की कटौती करने की घोषणा की थी।

## आज का राशिफल

मेष : मेष राशि के लोगों को आर्थिक लाभ होगा और आज आपके लिए कहीं बाहर काम से यात्रा पर जाने के योग बन रहे हैं। आपके व्यापार में प्रगति से आपको काफी हर्ष होगा। आज आपका दिन काफी आनंद में बीतेगा। विद्यार्थियों को बौद्धिक और मानसिक बोझ से छुटकारा महसूस होगा। घूमने फिरने के दौरान भी कोई महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है।

वृष : वृष राशि के लोगों को आर्थिक मामलों में लाभ होगा और आपके सम्?मान में वृ?द्धि होगी। किसी बहुप्रतिक्षित शुभ परिणाम से हर्ष होगा और भाग?य आपका साथ देगा। रात्रि का समय दोस्?तों के साथ खुशहाली में बीतेगा। आपके दिमाग को भी रिलेक्स मिलेगा। धन सम्?मान में वृद्धि होगी। आपको किस्?मत का साथ मिलेगा। आपको प्रगति से लाभ होगा।

मिथुन : मिथुन राशि के लोगों के लिए लाभ का दिन है और आपकी धन से जुड़ी योजनाएं सफल होंगी। आज जो भी काम आप करेंगे सरलता बन जाएगा। व्यर्थ के कार्यों में समय बर्बाद न करें। खर्च में कटौती करना बहुत आवश्यक है। जायदाद या किसी अन्य मूल्यवान वस्तु की सौदेबाजी करने से पहले सभी कागजों के बारे में पड़ताल कर लें। सारे वैधानिक दस्तावेजों का अच्छी तरह अध्ययन कर लें।

कर्क : कर्क राशि के लोगों के लिए लाभ का दिन है और आपको हर मामले में सम्?मान की प्राप्ति होगी। आपके लिए आज का दिन सफलता प्रदान करने वाला होगा। पराक्रम में वृद्धि से शत्रुओं का मनोबल गिरेगा। आपको दूसरों की मदद करने से सुकून मिलेगा। शाम के वक्?त आपको किसी विद्वान से मिलने का शुभ अवसर मिल सकता है।

सिंह : सिंह राशि के लोगों को आर्थिक लाभ होगा और आपके धन सम्?मान में वृद्धि होगी। आपके लिए सांसारिक सुख भोग के साधनों में वृद्धि होगी और आपका सम्मान बढ़ेगा। भाग्य विकास का सुयोग तो चल ही रहा है, नई खोजों में भी रुचि बढ़ेगी। पुराने मित्रों से आपकी शिकायतें दूर होंगी और आपकी सफलता से घर में उत्सव जैसा माहौल बनेगा।

कन्या : कन्या राशि के लोगों को लाभ होगा और आज आपकी पैसों के मामले में चिंता कम होगी। काम का भार भी आज कुछ ज्यादा अनुभव करेंगे। आपने जूनियर्स से काम निकालने के लिए प्यार से काम निकालना होगा। घर में भी सुखद वातावरण रहने से आपको हर मामले में सुकून रहेगा। खुशी-खुशी काम बनेंगे। घर की समस्याएं अपने आप हल हो जाएंगी।

तुला : राशि के लोगों के लिए आज का दिन मिलाजुला प्रभाव रखेगा। किसी भी मामले में फैसला जल्दबाजी में न करें। व्यक्तिगत मतभेदों को काम के बीच में न लाएं और अपने काम को मेहनत से पूरा करें। प्रेमी या किसी अन्य निकट के व्यक्ति से आपकी कहासुनी हो सकती है। किसी भी बात को आपस में बात करके सुलझाया जा सकता है।

वृश्चिक : वृश्चिक राशि के लोगों को आर्थिक लाभ होगा और आज आपकी अपने साथियों के बीच लोकप्रियता बढ़ेगी। किसी राजनयिक से निकटता व दोस्ती होगी और उसके अनुभव का लाभ भी आपको होगा। विद्यार्थियों को सलाह है कि अपना अधिक से अधिक समय अध्ययन में लगाएं। शाम से लेकर रात तक का समय परिवार के लोगों के साथ आराम से बीतेगा।

धनु : धनु राशि के लोगों के लिए आज का दिन सफलता से भरा होगा। आज आपके विरोधी परास्त होंगे। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। राजनीतिक सहयोग भी मिलेगा किन्तु वाणी पर संयम रखें। रुपये पैसे के लेन-देन में सावधानी बरतें। सायंकाल से लेकर रात्रि पर्यन्त तक आपको काफी भागदौड़ करनी पड़ सकती है। यात्रा में सावधान रहें और अपने सामान की रक्षा स्?वयं करें।

मकर : मकर राशि के लोगों को आर्थिक लाभ होगा और आज आपको उपहार या सम्मान का लाभ मिलेगा। किसी पुरानी महिला मित्र से अकस्मात् धन लाभ हो सकता है और आपके सममान में वृद्धि होगी। रोजी-रोजगार की दिशा में भी सफलता मिलेगी। सायंकाल से लेकर रात्रि पर्यन्त अनाचाही यात्रा का योग है। यात्रा लाभप्रद सिद्ध होगी, प्रियजनों से भेंट संभव है।

कुंभ : कुंभ राशि के लोगों के लिए आज का दिन काफी भाग्यशाली है। भाग?य साथ देगा और आपके सम्?मान में वृद्धि होगी। संतान पक्ष से हर्ष और लक्ष्मी की बड़ी मात्रा में प्राप्ति से कोष में वृद्धि होगी। अपनी उत्तम कार्यशैली व मृदु व्यवहार का आज भी आपको लाभ मिलेगा। दूसरों से सहयोग लेने में आप सफल होंगे। पास व दूर की यात्रा का प्रसंग प्रबल होकर स्थगित होगा।

मीन : मीन राशि के लोगों को लाभ होगा और आपके धन सम्?मान में वृद्धि होने से हर्ष होगा। आज सुबह से ही भागदौड़ रहेगी। किसी मंगलमय या धार्मिक आयोजन की व्यवस्थाओं में व्यस्त रहेंगे। पिता व उच्चाधिकारियों से शाबासी मिलेगी। सायंकाल से लेकर रात्रि देर तक जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। थकान से परेशानी हो सकती है। समझदारी से काम लें।

## शब्दजाल - 7422

*शब्द जाल में ऐसे 10 शब्द ढूंढिए जिनके पीछे 'करण' लगा हो.शब्द ऊपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं।*

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| प्र | आ | मे | क | ना | ग | री | क | र | ण | गो |
| न | का | क | अ | इं | डे | ने | ग | श | मा | ला |
| अ | दा | र | भि | मा | ग | अ | द | ह | प | का |
| श्रे | ग | प्र | क | र | ण | नु | धि | रि | लि | र |
| णी | अ | अ | र | न | न | क | ह | क | न | दे |
| क | ना | का | ण | व | प | र | त | र | र | बां |
| र | मा | ल | म | श | अ | ण | वा | ण | न | ण |
| ण | न | भा | र | न | मी | स | ष्पी | ल | वि | ला |
| क | ना | बा | अ | लं | का | क | क | न | जू | दे |
| र | का | ति | मा | न | सिं | ग्रा | र | का | प | श |
| वि | द्यु | ती | क | र | ण | स | ण | ण | र | र |

नागरीकरण, श्रेणीकरण, प्रकरण, अभिकरण, शमीकरण, वाष्पीकरण, अधिकरण, अनुकरण, शहरीकरण, विद्युतीकरण

### शब्दजाल - 7421 का हल

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| म | अ | मु | क्ति | म | ल | ज | ग | ल | व | |
| व | वि | ती | प्रे | क्ष | या | स | द | ज | कां | इ |
| बु | म | व | हा | ती | छि | मि | भ | अ | वि | ख |
| इं | वी | भ | व | बा | स | से | ने | ले | द | क |
| डि | आ | बु | ल | या | ल | ने | चा | र | क | |
| या | ल | ए | गा | ग | लि | कि | ति | च | ए | च |
| डि | ए | छ | ती | ख | रि | लि | प्र | बु | व | |
| क | ह | रु | ई | द | ब | क | र | चो | श | हिं |
| रा | म | ष | ला | रा | म | स | या | औ | र | दु |
| वों | गॉ | ल | प | लि | खा | मो | शी | म | प | स्ता |
| बे | ड | क | र्क | या | क | र्त | य | दु | श्म | नी |

## फिल्म वर्ग पहेली- 6380

**बायें से दायें:-**

१. जॉय मुखर्जी, नंदा की 'मुझे इश्क है तुम्हीं से' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मेरे टूटे हुए दिल से कोई तो' गीत वाली राजकपूर, नूतन की फिल्म-३
६. आमिर, फैजल, ट्विंकल की 'तुझे रब ने बनाया है' गीत वाली फिल्म-२
७. अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-२
८. 'तसवीर बनाता हूँ' गीतवाली फिल्म-४
९. 'जब लिया हाथ' गीत वाली राजेंद्र कुमार, गीता बाली की फिल्म-३
११. राजकुमार, प्रिया की 'ये पर्वतों के दायरे ये शाम' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'दिल में जिगर में' गीत वाली संजय, जैकी, शिल्पा, रवीना की फिल्म-२
१३. विकास भल्ला, सुमीत, की 'कोई दिल ना किसी' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'काहे कोयल शोर मचाये' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
१५. विश्वजीत, माला सिन्हा की फिल्म-३
१७. राजकुमार, मीना की 'चलते चलते यूंही कोई मिल' गीत वाली फिल्म-३
१९. जैकी श्रॉफ, रति की फिल्म-२
२१. ऋषिकपूर, अरबाज, जूही की 'ये प्यार यार क्या' गीत वाली फिल्म-३
२२. 'ना सतरा से ऊपर ना' गीत वाली नवीन निश्चल, रेखा की फिल्म-२
२३. 'दुपट्टे का पल्लू' गीतवाली फिल्म-४
२६. फिल्म 'दोस्ताना' में अमिताभ की नायिका ?-३
२७. अभिषेक, अंतरा माली की 'इश्क दा तड़का' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'मेरे दिल में रहो या जिगर' गीत वाली अश्मित, मीरा की फिल्म-३
२९. गुरूदत्त, वहीदा रहमान की 'जाने क्या तूने कही' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'देर है अंधेर नही' गीत वाली शत्रुघ्न, राजकपूर, योगिता की फिल्म-२,२
३१. फिल्म 'सलाखें' में नायक ?-२

**ऊपर से नीचे:-**

१. 'मन क्यों बहका रे' गीत वाली शशि शेखर सुमन, रेखा, नीना की फिल्म-३
२. मिथुन, जुगल, सोनाली की 'तेरी चाहत में दिल' गीत वाली फिल्म-१,२
४. 'सीली हवा छू गई सीला' गीत वाली नसीर, शबाना आजमी की फिल्म-३
५. अमिताभ, अमजद खान, नीतू की 'छूकर मेरे मन' गीत वाली फिल्म-३
६. 'बोल बेबी बोल रॉक' गीत वाली अनिल कपूर, मीनाक्षी की फिल्म-२,२
१०. धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की 'राजा ना जा ना जा' गीत वाली फिल्म-३
११. 'मैं इश्क उसका' गीत वाली अर्जुन रामपाल, जायेद, अमीषा की फिल्म-२
१४. धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की 'मैं लैला का मजनूं' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'कोरा कागज था मन' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-४
१६. संजय कपूर, माधुरी की 'फूल मांगू ना बहार माँगूं' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'दिले बेताब को सीने से' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वहीदा की फिल्म-३
१८. अमिताभ, अक्षय, जॉन, रिमी की 'फलक देखूं' गीत वाली फिल्म-३,३
२०. फिल्म 'देवी' में नायिका कौन थी-३
२४. 'अंखियां मिलाके जिया' गीत वाली फिल्म-३
२५. नसीर, अश्मित, उर्मिला की फिल्म-४
२६. 'शहर शहर डगर डगर' गीत वाली जैकी, संजय, सोनम की फिल्म-२,१

### फिल्म वर्ग पहेली- 6379

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| य | हू | दी | | अ | नु | रा | ध | | क्रो |
| ह | | बा | स्त | व | | हि | | आँ | धी |
| दे | व | र | | ता | क | त | | च | |
| श | र्त | | पा | र | स | | स | ल | मा |
| | मा | | पी | | क | स | म | | ला |
| जा | न | म | | अ | | गा | य | ब | |
| ने | | श्रा | र | दा | | ई | | ना | च |
| म | ह | ल | | ल | की | | जो | र | |
| न | | | अं | त | | जं | | स | त्या |
| | बा | रि | श | | जु | ग | नू | | ग |

## दैनिक पंचांग

**01 फरवरी 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति**

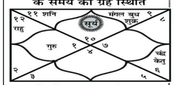


**गुरुवार** 2024 वर्ष का 32 वां दिन
**दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** शिशिर।
**विक्रम संवत्** 2080 **शक संवत्** 1945
**मास** माघ (दक्षिण भारत में पौष)
**पक्ष** कृष्ण
**तिथि** षष्ठी 14.04 बजे को समाप्त।
**नक्षत्र** चित्रा 03.49 बजे रात्र को समाप्त।
**योग** धृति 12.28 बजे को समाप्त।
**करण** वणिज 14.04 बजे तदनन्तर विष्टि 03.08 बजे रात्र को समाप्त।
**चन्द्रायु** 20.5 घण्टे
**रवि क्रान्ति** दक्षिण 17° 18'
**सूर्य** उत्तरायन
**कलि अहर्गण** 1871876
**जूलियन दिन** 2460341.5
**कलियुग संवत्** 5125
**कल्पारंभ संवत्** 1972949123
**सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123
**वीरनिर्वाण संवत्** 2550
**हिजरी सन्** 1445 **महीना** रज्जब
**तारीख** 20

| ग्रह स्थिति | | लग्नारंभ समय | |
|---|---|---|---|
| सूर्य | मकर में | कुंभ | 07.26 बजे से |
| चंद्र | कन्या में | मीन | 08.59 बजे से |
| मंगल | धनु में | मेष | 10.30 बजे से |
| बुध | धनु में | वृष | 12.10 बजे से |
| गुरु | मेष में | मिथुन | 14.08 बजे से |
| शुक्र | धनु में | कर्क | 16.21 बजे से |
| शनि | कुंभ में | सिंह | 18.37 बजे से |
| राहु | मीन में | कन्या | 20.49 बजे से |
| केतु | कन्या में | तुला | 23.00 बजे से |
| राहुकाल | | वृश्चिक | 01.15 ब.से |
| 1.30 से 3.00 | | धनु | 03.31 बजे से |
| बजे तक | | मकर | 05.36 बजे से |

| दिन का चौघड़िया | | रात का चौघड़िया | |
|---|---|---|---|
| शुभ | 05.54 से 07.22 बजे तक | अमृत | 05.40 से 07.11 बजे तक |
| रोग | 07.22 से 08.51 बजे तक | चर | 07.11 से 08.43 बजे तक |
| उद्वेग | 08.51 से 10.19 बजे तक | रोग | 08.43 से 10.15 बजे तक |
| चर | 10.19 से 11.47 बजे तक | काल | 10.15 से 11.47 बजे तक |
| लाभ | 11.47 से 01.15 बजे तक | लाभ | 11.47 से 01.19 बजे तक |
| अमृत | 01.15 से 02.43 बजे तक | उद्वेग | 01.19 से 02.51 बजे तक |
| काल | 02.43 से 04.11 बजे तक | शुभ | 02.51 से 04.23 बजे तक |
| शुभ | 04.11 से 05.40 बजे तक | अमृत | 04.23 से 05.55 बजे तक |

**चौघड़िया शुभाशुभ– शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें।

## प्रसंगतः जीवन रूपी जागीर

तर्कशास्त्र के महान पंडित रामनाथ नवद्वीप के वन में एक गुरुकुल चलाते थे। उस समय कृष्णनगर में महाराज शिव चंद्र का शासन था। उन्होंने जब पं. रामनाथ की कीर्ति सुनी, तो उनसे मिलने गए। पंडित जी अपनी छोटी सी झोपड़ी में शांत भाव से विद्यार्थियों को पढ़ा रहे थे। महाराज को देख पं. रामनाथ जी ने उनका उचित स्वागत-सत्कार किया। कुशल-क्षेम पूछने के उपरांत कृष्णनगर नरेश ने उनसे पूछा, पंडित प्रवर, मैं आपकी क्या मदद करूं? रामनाथ जी ने कहा, राजन, भगवत्कृपा ने मेरे सारे अभाव मिटा दिए हैं, मैं संतुष्ट हूं। राजा शिवचंद्र कहने लगे, विद्वत् वर, मैं घर के खर्च के बारे में पूछ रहा हूं। रामनाथ जी मुस्कराए। फिर शिवचंद्र की मनःस्थिति को भांपकर कहा, घर के खर्चों के बारे में तो गृहस्वामिनी ही अधिक जानती हैं। उन्हीं से पूछ लें। महाराज पंडित जी के घर गए और उनकी पत्नी से पूछा, माताजी घर खर्च के लिए कोई कमी तो नहीं है? इस पर उन परम साध्वी ने कहा, महाराज, भला सर्व समर्थ परमेश्वर के रहते उनके भक्तों को क्या कमी रह सकती है? फिर भी माताजी? महाराज, कोई कमी नहीं है। पहनने को कपड़े हैं, सोने के लिए बिछौना है। पानी रखने के लिए मिट्टी का घड़ा है। खाने के लिए विद्यार्थी ले आते हैं। झोपड़ी के बाहर जमीन में साग-भाजी हो जाती है। और भला क्या जरूरत होगी? गुरुपत्नी बोलीं। शिवचंद्र ने कहा, फिर भी हम आपको कुछ गांवों की जागीर देना चाहते हैं। इसकी आय से गुरुकुल भी ठीक तरह से चल सकेगा और आपके जीवन में भी कोई अभाव नहीं रहेगा। उत्तर में वह वृद्धा मुस्कराईं और कहने लगीं, राजन, प्रत्येक मनुष्य को परमात्मा ने जीवन रूपी जागीर पहले से ही दे रखी है। जो जीवन की इस जागीर को भली प्रकार संभालना सीख जाता है, उसे फिर किसी चीज का कोई अभाव नहीं रह जाता। नरेश का मस्तक श्रद्धा से झुक गया।

## सूडोकु नवताल- 6689

★★★★☆ मध्यम

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 8 | | 4 | 3 | 9 | 7 | 5 | | 6 |
| 3 | | | | | 2 | | | |
| | | 7 | 6 | 5 | | | | 4 |
| 9 | 6 | | 5 | | | 1 | | 7 |
| 5 | | 1 | 4 | | 9 | 8 | | 2 |
| 4 | | 8 | | | | | 5 | 3 |
| 2 | | | | 6 | 1 | 4 | | |
| | | | 7 | | | | | 8 |
| 7 | | 9 | 8 | 3 | 5 | 6 | | 1 |

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

### सूडोकु नवताल -6688 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 7 | 8 | 4 | 9 | 5 | 2 | 6 | 1 | 3 |
| 9 | 6 | 2 | 4 | 3 | 1 | 8 | 5 | 7 |
| 1 | 3 | 5 | 7 | 8 | 6 | 2 | 4 | 9 |
| 4 | 2 | 3 | 6 | 1 | 5 | 9 | 7 | 8 |
| 8 | 5 | 9 | 2 | 4 | 7 | 1 | 3 | 6 |
| 6 | 7 | 1 | 3 | 9 | 8 | 4 | 2 | 5 |
| 3 | 1 | 7 | 8 | 6 | 4 | 5 | 9 | 2 |
| 5 | 9 | 6 | 1 | 2 | 3 | 7 | 8 | 4 |
| 2 | 4 | 8 | 5 | 7 | 9 | 3 | 6 | 1 |

## शब्द पहेली - 7904

**बाएँ से दाएँ**

1. साले की पत्नी-4
3. उच्च कुल का -3
5. पाताल-4
8. व्यंग,चुटीली बात-2
10. दुख,कष्ट-2
11. शराब का प्याला-2
13. सत्य,तेज-2
14. जुड़वा-3
15. विश्राम,राहत-3
17. मक्का-मदीना की यात्रा-2
19. झुका हुआ-2
20. टैक्स,हाथ-2
21. होठ,अधर-2
23. सुरक्षित-4
25. नाश,विनाश,विध्वंस-3
26. निश्चित -4

**ऊपर से नीचे**

1. नदी-3
2. संपत्ति,धन-2
3. वंश,खानदान-2
4. उत्तमता,परिष्कृतता-4
6. समुद्र,दरिया-3
7. अंधकार-2
9. जो जायज न हो-4
12. संस्कृत में 'मेरा'-2
13. सपाट-4
16. जांघ-2
17. पैगंबर,महापुरुष-4
18. रनिवास (उर्दू-3)
20. हुनर,फन-2
22. देह,काया-3
23. गलत का विलोम -2
24. निश्चित-2

### शब्द पहेली - 7903 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| कि | र | त | र | | स | ला | म | त |
| | र | त | ब | ब | | र | | मी |
| मी | ला | | द | | | ह | ज | |
| | ल | | क | न | क | | म | |
| ध | कि | या | ना | | या | या | व | र |
| | ता | | त | म | स | | त | |
| ऐ | ब | | | ना | | | न | न |
| न | | ख | ल | ना | य | क | | क |
| क | र | त | ब | | म | ल | म | ल |

## शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

मुम्बई। घरेलू शेयर बाजार बुधवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन एशियाई और अन्य बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी एचडीएफसी बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में खरीददारी से बाजार ऊपर आया। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 612.21 अंक करीब 0.86 फीसदी बढ़कर 71,752.11 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी भी 203.60 अंक तकरीबन 0.95 फीसदी ऊपर आकर 21,725.70 अंक पर बंद हुआ।

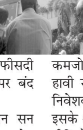

आज के कारोबार के दौरान सन फार्मा, टाटा मोटर्स, भारतीय स्टेट बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, मारुति, बजाज फिनसर्व, पावरग्रिड और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर बढ़े। वहीं दूसरी ओर लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) का शेयर चार फीसदी से ज्यादा की गिरावट पर बंद हुआ। दिसंबर तिमाही के परिणाम उम्मीदों के अनुसार नहीं रहने से भी कंपनी के शेयर गिरे हैं। इसके अलावा, टाइटन भी टूटे।

शंघाई कंपोजिट, हैंग सेंग, कोस्पी और ताइवान 0.3 से 0.5 फीसदी के बीच कारोबार करते दिखे। वहीं अमेरिकी बाजार की बात करें तो डॉव जोन्स 0.4 फीसदी बढ़कर बंद हुआ, जबकि नैस्डैक 0.8 फीसदी गिरा। एसएंडपी 500 0.1 फीसदी नीचे फिसला। इससे पहले आज सुबह घरेलू शेयर बाजार गिरावट के साथ खुला। बाजार में ये गिरावट एशियाई और अन्य बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के बीच ही बिकवाली हावी रहने से आई है। बजट को लेकर निवेशकों ने भी सतर्क रुख अपनाया और इसके अलावा वे अमेरिकी फेडरल रिजर्व नीति के परिणामों को लेकर भी आशंकित दिखे। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 70,846 के निचले स्तर तक गिरने के बाद 71,229 के उच्चतम स्तर तक पहुंचा। वहीं पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 0 21,550 के स्तर के आसपास कारोबार करता दिखा।

## नौ महीनों में भारत ने भारी मात्रा में आयात किया

नई दिल्ली। मार्च में खत्म होने वाले वित्तीय वर्ष के पहले नौ महीनों में भारत ने भारी मात्रा में स्टील का आयात किया, जो पांच साल के शीर्ष स्तर है। रिपोर्ट किए गए सरकारी आंकड़ों के अनुसार, इससे भारत तैयार स्टील का शुद्ध आयातक बन गया। भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था और बेहतर बुनियादी ढांचे ने घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय स्टील उत्पादकों दोनों के लिए एक आकर्षक बाजार बना दिया है। इसके विपरीत, यूरोप और अमेरिका में स्टील की मांग घट रही है। अप्रैल और दिसंबर के बीच, भारत ने 5.6 मिलियन मीट्रिक टन तैयार स्टील का आयात किया, जो पिछले वर्ष से 26.4 प्रतिशत अधिक है। दुनिया के दूसरे सबसे बड़े कच्चे स्टील उत्पादक भारत में स्टील की खपत इस दौरान छह साल के शीर्ष स्तर 100 मिलियन मीट्रिक टन पर पहुंच गई, जो दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक में मजबूत मांग को दर्शाता है।

भारत में स्टील की मांग ऊंची रहने की उम्मीद है, क्योंकि मोदी सरकार का अनुमान है कि आने वाले वित्तीय वर्ष में देश की आर्थिक वृद्धि वैश्विक वृद्धि से अधिक हो जाएगी। जबकि भारतीय स्टील मिलों ने बढ़ते आयात के खिलाफ सरकारी समर्थन और सुरक्षात्मक उपायों का अनुरोध किया है, स्टील मंत्रालय ने मजबूत स्थानीय मांग का हवाला देकर प्रतिबंध लगाने से इंकार किया है। भारत की दूसरी सबसे बड़ी स्टील उत्पादक कंपनी के प्रमुख ने बढ़ते आयात पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने बारीकी से नजर रखने की जरूरत पर जोर दिया क्योंकि भारत में स्टील की डंपिंग से स्टील उद्योग के मुनाफा और निवेश योजनाओं को नुकसान पहुंच सकता है।

अप्रैल और दिसंबर के बीच, दक्षिण कोरिया भारत को तैयार स्टील का प्रमुख निर्यातक था, जिसने 1.77 मिलियन मीट्रिक टन एलॉय भेजी। इसमें पिछले वर्ष की तुलना में 4.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह चार साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।

## डेलावेयर कोर्ट से मस्क को झटका, 465 करोड़ का पैकेज रदद

सैन फ्रांसिस्को । टेस्ला के सीईओ एलन मस्क का 465 करोड़ रुपए का पैकेज कोर्ट ने रद्द किया है। डेलावेयर कोर्ट की जज ने मस्क के पैकेज कॉन्ट्रैक्ट को रद्द कर कहा कि कंपनी इस बात पर काम करे कि मस्क अभी तक मिले अतिरिक्त वेतन को कैसे लौटाएंगे। जज ने कहा कि मस्क को पब्लिक मार्केट के इतिहास में सबसे बड़ा पैकेज मिल रहा है। यह एक अथाह राशि है और इस देने से पहले कंपनी के बोर्ड ने विचार नहीं किया है। उन्होंने कहा कि मस्क के पैकेज प्लान को मंजूरी देने की प्रक्रिया में बड़ी खामियां थीं। इसके बाद टेस्ला के शेयर में लगभग 3 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई।

दरअसल 5 साल पहले कुछ शेयर होल्डर्स ने मस्क और टेस्ला के बोर्ड पर कॉर्पोरेट संपत्तियों को बर्बाद करने और एलन मस्क को गैरकानूनी रूप से अमीर बनाने का आरोप लगाया था। मस्क के पास टेस्ला की लगभग 13 प्रतिशत की हिस्सेदारी है।

कोर्ट में शेयरहोल्डर के वकील ने कहा कि कंपनी ने एलन का पैकेज डिसाइड करने से पहले एक दिखावटी नेगोशिएशन किया। इसके लिए किसी भी शेयर होल्डर से कंपनी बोर्ड ने सलाह नहीं ली। वकील ने कहा कि टेस्ला ने शेयर होल्डर्स को गुमराह किया है।

# मानव धर्म एवं एकता हमारी पहचान है

## परमात्मा एक सेवक मंडल ने किया मानव धर्म भव्य सेवक सम्मेलन का आयोजन

**लांजी ( पद्मेश न्यूज )। परमात्मा एक सेवक समिति मंडल लांजी के तत्वावधान में भगवान बाबा हनुमान के सेवक-सेविकाओं द्वारा 31जनवरी को मानव मंदिर दुलापुर में मानव धर्म के संस्थापक महानत्यागी बाबा जुमदेवजी एवं भगवान बाबा हनुमानजी की कृपा से मानव जनजागृति, अंधश्रद्धा, व्यसन मुक्ति, भ्रूणहत्या के प्रति जागृत करना एवं भगवन प्राप्ति करने वाले तत्व शब्द, नियमों का पालन कराने मानव को मानवता का मार्ग दिखाने वाले एक भगवान का सामुहिक हवन कार्य एवं भव्य सेवक सम्मेलन का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम के तहत प्रातः 7 बजे से 8 बजे तक मानव मंदिर भवन में सामुहिक हवन कार्य संपन्न कराया गया। इसके उपरान्त प्रातः 9 बजे से प्रमुख मार्गदर्शक हिम्मत किरमें के निवास सुन्दरटोला से बाबा हनुमानजी एवं बाबा जुमदेवजी की प्रतिमाओं को रथ में रखकर बैंड बाजे के साथ विशाल शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में लांजी, बालाघाट, बैहर, रायपुर, गोंदिया, गढ़चिरौली, ब्रम्हपुरी, नागपुर एवं क्षेत्र के ग्रामों से आये परमात्मा एक सेवक समितियों के सवेक सेविकाएं अपने हाथों में बेनर लिये हजारों की संख्या में विशाल मानव श्रृखला बनाये रैली के रूप में शामिल हुये।**

### हजारों की संख्या में सेवक सेविका पहुंचे मानव मंदिर

परमपूज्य परमात्मा एक सेवक मंडल लांजी के तत्वावधान में ग्राम दुलापुर स्थित मानव मंदिर प्रार्थना स्थल में भव्यता के साथ कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम विधायक राजकुमार कर्राहे के मुख्यातिथ्य में व अशोक नारायण नंदनवार की अध्यक्षता में तथा परमात्मा एक सेवक मण्डल लांजी के अध्यक्ष एचटी किरमे, सुन्दरलाल पांचे, प्यारेलाल नौखरे के विशेष आतिथ्य में एवं कार्यक्रम के संरक्षक कमलचंद जामरे, चमनलाल सहारे, गनपतराव पंजरे, प्रमुख अतिथि के आर नखाते, मोरेश्वर भरझाड़े, निशिष दुलपचारे, सतीश बंधारे, संतोष चोरनेले, गिरीश पारधी, ओमकार मंडलवार, सुनील नेताम, राजू पांचे, नन्दू राउत, ओमप्रकाश जोशी, पप्पू उपराड़े, प्रहलाद पारधी, पिन्टू लिल्हारे, तुलाराम कोहपरे, बलवीर संभलकर, युवराज केलजकर, गोविंद राव नाकतोड़े, दलसिंह मरकाम, कमलेश मेरावी, अंतूलाल हरिनखेड़े, रूमेश पंद्रे, रामप्रसाद नागफांसे, ओमप्रकाश मरावी, सुधा किरमे, सुषमा उइके, सकुनबाई वरकड़े, हेमलाल बिसेन, पुष्पा जांभरे सहित अतिथिगणों की उपस्थिति में मंचासीन कार्यक्रम आयोजित किया गया। सर्वप्रथम बाबा हनुमान एवं बाबा जुमदेव के छायाचित्र पर उक्त समस्त अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्जवलित कर माल्यार्पण किया गया तदोंपरात संगीतमय कार्यक्रम के तहत परमात्मा एक भजन संध्या आर्केस्ट्रा ग्रुप लांजी द्वारा प्रस्तुती दी गई साथ ही मानव जनजागृति कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।

### हर धर्म मानव को मानवता का ही पाठ पढ़ाता है- हिम्मत किरमे

कार्यक्रम के दौरान परमात्मा एक सेवक मण्डल लांजी के अध्यक्ष एचटी किरमे ने कहा कि भगवान बाबा जूमदेव जी ने अपना पूरा जीवन समर्पित किया और बता दिया भगवान मंदिर एवं मस्जिद में नहीं है भगवान तो मानव के पास है। भगवान मानव के पास है लेकिन मानव क्यों दुखी हैं ऐ कैसी बात है। मानव क्या क्या कर्म करता है उसके कर्मों से दिखता है। बाबा ने कहा कि तू मानव मानवता से चल, सत्य, मर्यादा, प्रेम का आचरण कर और तमाम बुराइयों को दूर कर, जो विकार है वो निराकार नहीं होता। आज हमनें इस धर्म में लाकर विकारों को दूर किया, जिससे आज इतने लोग हमारे साथ है। परमात्मा एक सेवक इतने लोग यहां आए यह हमारी एकता की पहचान है। यह एकता मानव धर्म की भी पहचान है। हमारा उद्देश्य होता है कि मानव को मानवता के प्रति जागरूक करना। हमे यह कहते हुये कि शराब बंदी का कार्य जो सरकार नही कर सकी वह कार्य परमात्मा एक सेवक मण्डल कर रहा है। इस क्षेत्र में काफी लोग परमात्मा एक सेवक मण्डल से जुड गये है, जो प्रयास हम कर रहे मानव को मानव के प्रति जागरूक करने का, हम यह नही कहते की कोई धर्म गलत है धर्म के लोग गलत हो सकते है, धर्म सिर्फ मानव को मानवता का ही पाठ पढाता है।

### विधायक राजकुमार कर्राहे ने 10 लाख रुपए दिए जाने की घोषणा की

उक्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथि की आसंदी से विधायक राजकुमार कर्राहे ने परमात्मा एक सेवक सम्मेलन के समस्त कार्यकर्ताओ से कहा की परमात्मा एक परिवार से जब जुड़ जाते हैं तो नशा मुक्ति अपने आप छुट जाती है, इस कार्यक्रम में महिलाएं अधिक है, पुरा परिवार नजर आता है सभी लोग आते हैं। ये बात सच है कि जितनी महिलाएं शराब से पीड़ित रहतीं हैं उतना कोई दूसरा नहीं रहता। हर संभव प्रयास करती हैं कि हमारा परिवार शराब मुक्त हों जाएं। और यह काम जिसमें जितने परमात्मा एक मंडल के सेवक है उन सब ने इस समाज को एक नई दिशा दिखाने का काम किया है। निश्चित रूप से मुझे प्रसन्नता और गर्व है कि मेरे विधानसभा चुनाव में जो परमात्मा एक सेवक मण्डल का बड़ा योगदान रहा है। क्षेत्र के विधायक होने के नाते मैं वादा करता हूं कि हर वो प्रयास मै करूंगा जिसमें ये परिवार बड़े और बढ़ता जाए। आपने परमात्मा एक मानव मंदिर परिसर में विधायक निधि से 10 लाख रुपए दिए जाने की घोषणा की।

# एडवेंचर इंग्लिश पब्लिक स्कूल के वार्षिक स्नेह सम्मेलन में बच्चों ने दी मनमोहक प्रस्तुति

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी क्षेत्रान्तर्गत ग्राम भानेगांव में संचालित एडवेंचर इंग्लिश पब्लिक स्कूल के द्वारा अपने 6 वर्ष पूर्ण होने पर 30 जनवरी को प्रातः 11 बजे से स्कूल प्रांगण में भव्य वार्षिक स्नेह सम्मेलन का आयोजन किया गया साथ ही इसी कार्यक्रम में मेधावी छात्र छात्राऐं, नवोदय में चयनित छात्र छात्राऐं एवं उत्कृष्ट झांकी प्रदर्शन करने वाले छात्र छात्राओं को सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम के अध्यक्ष भाऊ लाल ठाकरे, मुख्य अतिथि विधायक राजकुमार कर्राहे, बलराम बडधैया, भोजराज धनवले, एचपी दूबे, पूरणलाल मेश्राम, लक्ष्मण नाकतोड़े, एलडी रावते सहित आमंत्रित अतिथियों की उपस्थिती में पालक शिक्षक संघ समिति के द्वारा उक्त कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियो के द्वारा माँ सरस्वती,

भारत माता एवं महात्मा गांधी जी के छाया चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित माल्यार्पण कर किया गया। तदोपरांत विद्यालय के द्वारा अतिथियों एवं उपस्थित अभिभावको के समक्ष वार्षिक रिपोर्ट पढी गई। इसके उपरांत नन्हे मुन्ने बच्चो के द्वारा एक से बढकर एक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गई जिसमें अनेको संदेश भी प्रस्तुती के माध्यम से दिये गये जिसे उपस्थित अतिथियों एवं अभिभावकों के द्वारा खुब सराहा गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमो में उत्कृष्ट प्रस्तुतीकरण करने वालो को प्रथम द्वितीय, तृतीय पुरस्कार भी वितरीत किये गये। जिनमें प्रथम पिंगा ग पोरी पिंगा याचना कुशले एवं दिपाली धनोले ग्रुप, द्वितीय घुमर घुमर याचना कुशले, दीपाली धनोले, एकता कालबेले, धरिता बिसेन एण्ड ग्रुप, तृतीय स्थान स्वच्छता अभियान गाडी वाला आया घर से कचरा निकाल ईशिका मिसारे, काव्यांशी पटले, प्रतिक्षा सहारे एण्ड ग्रुप ने प्राप्त किया इसके साथ ही सभी स्कूल छात्र छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रस्तुतियाँ दी जिन्हे भी अतिथियो ने खुब सराहा। बतादे कि सांस्कृतिक कार्यक्रमो मे भाग लेने वाले प्रतिभागियों को उपस्थित अतिथि गण, अभिभावको के द्वारा पुरस्कार राशि प्रदान कर सराहा गया। इसी कड़ी में 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के पावन पर्व पर ग्राम में निकली उत्कृष्ट झांकी में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर झांकी में भाग लिये छात्र छात्राओं एव शिक्षको को सम्मानित किया गया।

### नवोदय विद्यालय में चयनित हुये छात्र छात्राओं को किया पुरस्कृत

एडवेंचर इंग्लिश पब्लिक स्कूल के मेधावी छात्र छात्राओं ने हमेशा से ही वार्षिक परीक्षाओं में बाजी मारी है साथ ही सर्वाधिक छात्र छात्राऐं इसी स्कूल से नवोदय के लिये चयनित होते है। विगत सत्र में 14 ऐसे छात्र छात्राऐं है जिन्हाने नवोदय विद्यालय में चयनित होकर स्कूल, शिक्षक गण, अभिभावकों का नाम रोशन किया है। इन्ही 14 छात्र छात्राऐं जिनमें वेदांत भटेरे, मयूर बाहे, पूनम मेश्राम, इशिका ठाकरे, अमित मेंढे अथर्व कुथे, रियांस बल्लारखेड़े को पुरस्कृत किया गया। इसी क्रम मे पालक शिक्षक संघ के अध्यक्ष उपाध्यक्ष सचिव एवं बेस्ट शिक्षक शिक्षिका बेस्ट स्टूडेंट ऑफ द ईयर एवं अन्य पुरस्कार भी प्रदान किए। कार्यक्रम के अंत में संस्था के संचालक आशाराम कुशले, प्रधान पाठक ममता कुशले के द्वारा उक्त आयोजन में उपस्थित समस्त अतिथियो, पालक शिक्षक संघ के पदाधिकारी सदस्यो, स्कूल स्टाफ, छात्र छात्राऐं, अभिभावको एवं आमंत्रित अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया। इस दौरान उपस्थित पालक संघ समिति के अध्यक्ष श्रीमान भोजराज धनोले, उपाध्यक्ष राजेश तुरकर,सचिन प्रकाश पटले, सहसचिव डॉक्टर प्रकाश बेदरे इसी प्रकार महिलाएं अध्यक्ष श्रीमती रीना गोस्वामी ,उपाध्यक्ष श्रीमति खेमलता बिसेन, सचिव श्रीमती खुशाली बढ़ाई, सहसचिव श्रीमती संगीता अवसरे, श्रीमती अंजली किसान, बारेलाल बडधैया, मोतीचंद कलपूरे, बलराम बडधैया, ठाकुरचंद कछवाहे, रिटायर्ड तहसीलदार एवं एडवेंचर स्कूल भानेगांव के प्रधान पाठिका श्रीमती ममता कुशले के सानिध्य में संपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मंच संचालन शिक्षक शिक्षिकाओं के द्वारा किया गया।

आवश्यकता है
2 वेटर की
वेतन योग्यतानुसार
पता-कालीपुतली चौक
होटल हरिनंदा बालाघाट
9713965249, 07632-240564

# शाखा लांजी के पर्यवेक्षक बी आर मिसारे को सेवा निवृत्ति पर दी बिदाई

लांजी (पद्मेश न्यूज)। जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित शाखा लांजी के अधीन सेवा सहकारी समिति लांजी में पर्यवेक्षक के पद पर पदस्थ बी आर मिसारे को अपनी अधिवार्षिकी आयु पूर्ण होने पर 31 जनवरी को बैंक शाखा लांजी में समस्त कर्मचारियों की उपस्थिति में कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें

भावभीनी बिदाई दी गई। सेवा निवृत्त हुए बी आर मिसारे को तिलक लगाकर पुष्पमालाओं से स्वागत किया एवं शाल श्रीफल भेंटकर उनके दीर्घायु की कामना की। इस अवसर पर जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक लांजी के शाखा प्रबंधक प्रकाश साहू, अभय खैरवार, विजय वाल्दे, एस बी रहांगडाले, एम एल नगपुरे, वाय आर लिल्हारे, आर एल कचवाहे, गिरीश बड़धैया, विलास चौरे, नवल किशोर पालीवाल, विजय कामड़े, कैलाश चौरे, प्रिती वानखेड़े, भिकम आचरे, जीतू जांभुरकर, घनश्याम पंचाले, राधेश्याम लिल्हारे, राजकुमार धारणे, अनिल दहीकर, अनिल रामटेकर, धरमलाल राउत, धनंजय जुगादे, सुभाष मड़ावी, नेतराम सोमनकर, रंजित बानवकर आदि कर्मचारी उपस्थित थे।

# महिला की शिकायत पर दुष्कर्म किए जाने का मामला कायम

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी निवासी महिला के द्वारा लांजी थाना पंहुचकर शादी का प्रलोभन देकर दुष्कर्म किये जाने के संबध में एक व्यक्ति के विरूद्ध अपराध दर्ज करवाया गया है। इस संबध में महिला ने बताया कि मेरी शादी 2011 मे हो गई थी मेरे दो बच्चे है मेरा पति मुझे छोड ?र चला गया है। मै अपने दोनो बच्चों के साथ रहती हूँ मजदूरी का काम करती हूँ वर्ष 2017 में एक दुकान में काम करती थी यही पर ग्राम कड़ता का डिलेश्वर बाहे उम्र करीब 33 साल काम करता था जहां मेरी जान पहचान डिलेश्वर से हुई थी। कुछ समय बाद डिलेश्वर ने कहा मै तुझसे शादी करना चाहता हूँ। और मुझे शादी करने का कहकर मेरे साथ गलत काम किया, मेरे मना करने पर कहा कि तु डर मत मै तेरे साथ ही शादी करूंगा जीवन भर साथ रखुंगा। इस प्रकार शादी का प्रलोभन देकर डिलेश्वर बाहे ने मेरे साथ दुष्कर्म किया है। और अब डिलेश्वर मेरे साथ बात नही करता और शादी करने के लिये भी मना कर रहा है। जिस पर प्रार्थी महिला के द्वारा पुलिस थाना लांजी पंहुचकर संपूर्ण जानकारी महिला पुलिस अधिकारी को बताई महिला पुलिस अधिकारी के द्वारा उक्त कथनो के आधार पर आरोपी डिलेश्वर बाहे निवासी ग्राम कड़ता चौकी सुलसुली के विरूद्ध अपराध क्रमांक 29/24 धारा 376, 375(2) एन, 506 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

# जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक साडरा के सामने अव्यवस्थाओं का आलम

## कभी भी हो सकती है बड़ी दुर्घटना

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी अन्तर्गत ग्राम साडरा स्थित जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित शाखा साडरा के सामने पार्किंग व्यवस्थाओं को लेकर बडी लापरवाही सामने आ रही है। बतादे कि लांजी क्षेत्र में समर्थन मूल्य पर विगत 15 जनवरी तक धान की खरीदी किसानो से की गई एवं अब उनके खातों में रूपये आना प्रारंभ हो गये है जिसको लेकर किसान अब बैंको के चक्कर काट रहे है। इसी क्रम में जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक शाखा साडरा के सामने पार्किंग व्यवस्थाओं को लेकर अव्यवस्थाऐं दिखाई दे रही है।

बतादे कि किसान अपने समर्थन मूल्य का रूपये पैसे लेने बैंक आते है लेकिन अपने वाहनों को बेतरतीब तरीके से पार्किंग करते है वही उक्त बैंक साडरा चौक पर ही स्थित है जिसके कारण रोड तक वाहनों की भीड़ नजर आती है और बडी मात्रा में किसान भी यही खडे दिखाई देते है। इस स्थान से रोजाना बड़े वाहनों का लगातार आवागमन होते रहता है। कभी भी बड़ी दुर्घटना देखने को मिल सकती है। इसके पूर्व भी एक हृदय विदारक बस दुर्घटना सामने आई थी और भी अन्य छोटी बडी दुर्घटनाऐं देखने को मिली है यदि बैंक के सामने व्यवस्थित पार्किंग व्यवस्था होतो इन दुर्घटनाओं से बचा जा सकता है। इस संबध में हमने बैंक प्रबंधक मोरेश्वर फुण्डे से चर्चा की तो आपने बताया कि हमारे बैंक का गार्ड हो या बैंक कर्मी बार बार किसानो को बोलते है कि अपने अपने वाहनो को व्यवस्थित रखे, रोड़ पर पार्किंग ना करे अन्यथा हमे कडे निर्णय लेने होंगे इसके बावजुद भी किसान नही समझते और मार्ग पर ही पार्किंग करते है जबकि हमने बैंक की पार्किंग की व्यवस्था बैंक के बाजू मे की है। इस स्थान पर ही पार्किंग करना चाहिये। बैंक के सामने किसानो की बडी भिड़ का कारण यह भी है कि किसानो को उनके समर्थन मूल्य की राशि जो कि उनके खातो में है उनका पूर्ण भुगतान उन्हे नही मिल पाता क्योंकि बैंक के द्वारा केन्द्र वार दिन निर्धारित किये गये है जिसमे सोमवार को दो केन्द्र, मंगलवार को दो, बुधवार को दो, गुरूवार को एक तथा शुक्रवार को दो केन्द्रो में बांटा गया है इन केन्द्रो के पंजीकृत किसानो को ही दिन वार भुगतान किया जाता है जिस अनुसार कैश बैंक में आता है उस अनुसार आवंटित किया जा रहा है। ज्यादातर किसानो को 30 हजार एवं यदि कोई किसान मेडिकल इमरजेंसी या शादी विवाह आदि के कार्यक्रम बताता है तो उन्हे 40 से 50 हजार तक का भी भुगतान बैंक के द्वारा किया जाता है। इसी कारण में बार बार किसानो का बैंक में आना जाना लगा रहता है जो कि भीड़ का बडा कारण है। जैसे जैसे भुगतान आगे बढते रहेगा भीड भी कम हो जायेगी आगामी 15 से 20 दिनों तक यह परेशानी सामने आयेगी।

लांजी में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 9131979508, 8319969927

भानेगांव में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड) एवं केबल टीवी कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 9131979508, 8319969927

बोलेगांव में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड) एवं केबल टीवी कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 9131979508, 8319969927

# कन्या महाविद्यालय में मनाया गया शहीद दिवस

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। शासकीय कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय बालाघाट की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा मंगलवार 30 जनवरी को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि के दिन शहीद दिवस मनाया गया। जिसका आयोजन प्रभारी प्राचार्य डॉ. सरोज घोड़ेश्वर तथा राष्ट्रीय सेवा योजना अधिकारी श्रीमती तनुश्री कोठे द्वारा किया गया।

जिसमें महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यापण कर उन्हें श्रृद्धांजली दी गई। इसके पश्चात् छात्राओं द्वारा शहीद दिवस के अवसर पर गांधी जी बलिदानों एवं उनके प्रयास जिससे भारत को स्वतंत्रता दिलाने में महत्वपूर्ण योगदान एवं उनके गौरवशाली इतिहास पर अपने विचार व्यक्त किये। वहीं छात्राओं द्वारा शहीदों की प्रेरक कथाओं का भी वाचन किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय के

# रिटायर्ड भ्रष्ट अफसरों की फिर खुलेगी फाइल

## अब समय सीमा में पूरी होगी लंबित विभागीय जांच

भोपाल । मध्य प्रदेश में रिटायर्ड भ्रष्ट अफसरों की फाइल एक बार फिर खुलने जा रही है। जीरो टॉलरेंस की नीति पर मोहन सरकार ने एक और बड़ा फैसला लेते हुए इसके लिए चार सदस्यीय टीम गठित कर दी है। सामान्य प्रशासन विभाग में जिन चार सीनियर आईएएस अधिकारियों की कमेटी बनाई है उन्होंने काम करना भी शुरू कर दिया है। यह कमेटी विभागीय जांच पर फैसला लेने के साथ अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए सिफारिश करेगी। सामान्य प्रशासन विभाग की तरफ से गठित कमेटी में विभाग के अपर मुख्य सचिव विनोद कुमार, नर्मदा घाटी विकास विभाग के अपर प्रमुख सचिव डॉ. राजेश राजौरा, राजस्व विभाग के प्रमुख सचिव निकुंज श्रीवास्तव, विधि विभाग के सचिव उमेश पांडव को सदस्य बनाया गया है।

दरअसल, डॉ. मोहन यादव ने जब से मुख्यमंत्री पद संभाला है उनका फोकस सुशासन पर है। इसके लिए उन्होंने ताबड़तोड़ फैसले लेकर अफसरों को संकेत दे दिया है कि न कोताही, न लापरवाही और न ही भ्रष्टाचार बर्दास्त किया जाएगा। वहीं राज्य शासन रिटायर्ड आईएएस अफसरों की विभागीय जांच समय सीमा में पूरी करने को लेकर गंभीर है। इसके लिए वरिष्ठ अफसरों की जो कमेटी बनाई गई है उसने भी अपना काम संभाल लिया है। मंत्रालय में मंगलवार को कमेटी की पहली बैठक आयोजित की गई। बैठक में रिटायर्ड अफसरों की लंबित विभागीय जांचों की संख्या और जांच कम से कम अवधि में पूरी करने को लेकर नियम-प्रक्रिया तैयार करने पर चर्चा हुई।

### बड़ी संख्या में जांच लंबित

जानकारी के मुताबिक प्रदेश में बड़ी संख्या में आईएएस अफसरों पर विभागीय जांच लंबित हैं। अधिकतर मामले भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों से जुड़े हैं। कई अधिकारी ऐसे हैं, जिनके रिटायर्ड होने के बाद भी उनकी विभागीय जांच पूरी नहीं हो पाई है। एक तरफ जहां जांच प्रचलित होने से रिटायर्ड आईएएस अफसरों का स्वत्वों का भुगतान अटका है, वहीं किसी अधिकारी के दोषी पाए जाने की स्थिति में उनसे रिकवरी अटकी है। राज्य आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) सामान्यतः अफसरों पर भ्रष्टाचार के एक करोड़ से कम के मामलों की जांच नहीं करता और संबंधित विभाग को प्रकरण जांच के लिए सौंप दिया जाता है। देखने में आता है कि अधिकारियों के दबाव में संबंधित विभाग जांच संबंधी प्रकरण को ठंडे बस्ते में डाल देते हैं। अधिकारियों के रिटायर्ड होने के बाद भी इन जांच प्रकरणों का निराकरण नहीं हो पाता। मंत्रालय के सूत्रों का कहना है कि यदि जांच में कोई भी रिटायर्ड अधिकारी दोषी पाया जाता है, तो उनके विरुद्ध कार्रवाई प्रस्तावित करने के लिए केंद्र सरकार से अनुमति लेना होगी। चूंकि मप्र सरकार भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की नीति पर चल रही है। ऐसे में यदि जांच में कोई रिटायर्ड अधिकारी दोषी पाया जाता है, सरकार उसके खिलाफ सख्त फैसला ले सकती है।

# अब तक दूर नहीं हुई ई-पालिका पोर्टल में आई गड़बड़ी

भोपाल। ई-पोर्टल पर 21 दिसंबर 2023 को हुए साइबर हमले के बाद से भोपाल नगर निगम सहित प्रदेश के नगर निगमों की आनलाइन सेवाएं पूरी तरह से ठप हैं। नगरीय निकायों के राजस्व संग्रहण में भारी कमी देखने को मिल रही है। आमजन भी परेशान हो रहे हैं। वे बकाया शुल्क जमा कराने के लिए निगम मुख्यालयों पहुंच रहे हैं, लेकिन पोर्टल बंद होने से उनका पैसा जमा नहीं हो पा रहा।

वित्त वर्ष समाप्त होने में दो माह बचे हैं। ऐसी स्थिति में नगरीय निकायों के सामने संकट खड़ा हो गया है। पोर्टल जल्द ही शुरू नहीं हुआ तो आर्थिक संकट से गुजर रहे नगरीय निकायों के सामने स्थिति गंभीर हो जाएगी। इधर, साइबर एक्सपर्ट का कहना है कि इस तरह की गड़बड़ी सामान्यतः 10 से 15 दिन में सुधार ली जाती है। आशंका इस बात की भी है कि संभवतः हैकर ने ई-पोर्टल को हैक कर लाक कर दिया हो। स्थिति सुधरने में कितना समय लगेगा, यह करना मुश्किल है।

### बंद पोर्टल का सीधा असर राजस्व पर

नगर निगम का पोर्टल बंद होने से जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र नहीं बन पा रहे हैं। संपत्ति कर, जल कर जमा करने में दिक्कत आ रही है। भवन अनुमति शाखा का कामकाज भी ठप है। नगर निगम में संपत्ति कर और जल कर जमा करने के लिए आफलाइन व्यवस्था तो कर दी है, लेकिन आमजन का इन पर भरोसा नहीं होने की वजह से वे बगैर कर जमा कराए ही लौट रहे हैं। ई-पालिका पोर्टल बंद होने का सीधा असर नगरीय निकायों के राजस्व संग्रहण पर पड़ रहा है। इंदौर नगर निगम प्रदेश का सबसे बड़ा नगर निगम है। दिसंबर 2023 में 100 करोड़ राजस्व वसूली का लक्ष्य रखा गया था, लेकिन ई-पोर्टल का काम बंद होने से सिर्फ 66 करोड़ की कर वसूली हो सकी। जनवरी में तो हालत और बिगड़ गए। अब तक लक्ष्य से सिर्फ 30 प्रतिशत ही वसूली हो सकी है।

# 1 करोड़ 77 लाख ठगने वाली चिटफंड कंपनी के सचांलक पर एसटीएफ ने दर्ज की एफआईआर

भोपाल। एमपी के दर्जनो लोगो को मोटी रकम निवेश करने पर 1 साल में दुगना करने का लालच देकर लगभग 1 करोड़ 77 लाख रुपए की धोखाधड़ी कर फरार होने वाली जयपुर राजस्थान स्थित कंपनी डी जी मुद्रा कनेक्ट प्राइवेट लिमिटेड के संचालको के खिलाफ एसटीएफ मध्य प्रदेश द्वारा मामला दर्ज किया गया है। अधिकारियो ने जानकारी देते हुए बताया कि एसटीएफ मुख्यालय पर एसटीएफ प्रमुख अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक पंकज कुमार श्रीवास्तव को जयपुर राजस्थान स्थित डीजी मुद्रा कनेक्ट कंपनी के खिलाफ एक करोड़ 77 लाख रुपए की ठगी कर फरार होने का लिखित शिकायते मिलने पर सहायक पुलिस महानिरीक्षक एसटीएफ नवीन चौधरी एवं पुलिस अधीक्षक एसटीएफ भोपाल राजेश सिंह भदौरिया को तत्काल कंपनी के संचालको के खिलाफ कार्रवाई करने के लिये निर्देशित किया गया था। जिस पर 1 करोड़ 77 लाख से अधिक की ठगी कर फरार होने वाली उक्त कंपनी के संचालको के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर आगे की कार्यवाही के लिये थाना प्रभारी एसटीएफ सुभाष दरशयामकर के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया हैद्य मामले में निवेश करने वाली कंपनियों के कार्यकलाप के नियमन हेतु बने नए केंद्रीय कानून अविनियमित निक्षेप स्कीम पाबंदी अधिनियम 2019 की धाराओं को भी लगाया हैं।

# 15 खातों में हर माह हुआ 10 करोड़ का ट्रांजेक्शन

भोपाल। कटनी में एक अजब मामला सामने आया है, जहां पीड़ित को बैंक और थाने के माध्यम से जानकारी लगी की उनका किसी सूर्योदय स्मॉल फाइनेंस बैंक में खाता है, जिसमें लाखों का ट्रांजेक्शन किया गया। मगर इन खातों का न तो पीड़ित और ना ही उनके परिजनों का कोई ताल्लुक है। आवेदकों ने एसपी को शिकायती पत्र सौंपते हुए पूरे मामले की जांच निष्पक्ष करने की मांग की है।

दरअसल, पूरा मामला कोतवाली थाना क्षेत्र के सत्यनारायण मंदिर के स्थित स्मॉल फाइनेंस बैंक से जुड़ा है। जिन्होंने कोतवाली पुलिस से संपर्क करते हुए बैंको में तेजी से खुलते खाते और उससे लाखों करोड़ों के ट्रांजेक्शन के मामले की सूचना दी है।

# ग्वालियर-चंबल अंचल पर कांग्रेस की नजर

## 4 फरवरी को अंचल का दौरा कर जीतू पटवारी उम्मीदवारों के नाम पर करेंगे चर्चा

भोपाल। लोकसभा चुनाव की ग्वालियर-अंचल में तैयारियां शुरु हो गई है। भाजपा शुरुआत में ग्रामीण क्षेत्रों में फोकस करने के लिए गांव चलो अभियान शुरु कर रही है। दूसरी तरफ विधानसभा चुनाव में करारी शिकस्त के बाद कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने के लिए प्रदेश नेतृत्व ने संभाग व जिला स्तर पर दौरे शुरु कर दिये हैं।

प्रदेश कांग्रेस की कमान संभालने के बाद जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार मध्य प्रदेश के प्रभारी भंवर जितेंद्र सिंह के साथ पहली बार चार फरवरी को ग्वालियर पहुंचेंगे। दोनों अंचल की तीनों संसदीय क्षेत्रों के कार्यकर्ता सम्मेलन के साथ लोकसभा स्तरीय समवंय समिति की बैठक भी लेंगे। इस बैठक में लोकसभा चुनाव के लिए संभावित उम्मीदवारों के नामों पर भी चर्चा करेंगे।

### -जीतू पटवारी व उमंग सिंघार जाएंगे

इन नेताओं का पहला लक्ष्य विधानसभा चुनाव में मिली पराजय के बाद कार्यकर्ताओं को गिरे हुए मनोबल को बढ़ाकर लोकसभा चुनाव के लिए मानसिक रूप से तैयार करना है। प्रदेश प्रभारी के साथ पटवारी व सिंघार चार फरवरी को जाएंगे। मध्य प्रदेश के प्रभारी व राष्ट्रीय महासचिव भंवर जितेंद्र सिंह के साथ जीतू पटवारी व उमंग सिंघार चार फरवरी को जाएंगे। प्रदेश नेतृत्व सबसे पहले सुबह 10 बजे ग्वालियर लोकसभा स्तरीय समन्वय समिति की बैठक लेंगे। दोपहर 11 बजे मुरैना-श्योपुर, 12 बजे गुना-शिवपुरी और दोपहर एक बजे दतिया भिंड संसदीय क्षेत्र की समवंय समिति की बैठक लेंगें। बैठक लोकसभा चुनाव में पार्टी की स्थिति और कार्यकर्ताओं को मनोबल बढ़ाने के लिए क्या किया जाये, इस पर प्रमुख रूप से चर्चा की जाएगी।

-उम्मीदवारों के नामों पर औपचारिक चर्चा होगी

इसके साथ ही तीनों संसदीय क्षेत्रों से उम्मीदवारों के नामों पर औपचारिक चर्चा की जाएगी। इन बैठकों के बाद तीनों संसदीय क्षेत्र के कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करेंगे। इसके बाद यह नेता उज्जैन के लिए रवाना हो जाएंगे। शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष डॉ देवेंद्र शर्मा ने बताया कि प्रदेश कांग्रेस से नेताओं का कार्यक्रम मिल गया है। बैठकों के लिए स्थान तय किया जा रहा है। इससे पहले कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण यादव पिछले सप्ताह लोकसभा चुनाव को लेकर कार्यकर्ताओं से संवाद कर चुके हैं।

### अब भी कांग्रेस को अंचल से काफी उम्मीद

2019 में हुए लोकसभा चुनाव में दोनों अंचलों की तीनों पर सीटों पर भाजपा ने जीती थी। अप्रत्याशित रूप से गुना-शिवपुरी संसदीय क्षेत्र से ज्योतिरादित्य सिंधिया भी अप्रत्याशित रूप से चुनाव हार गये थे। 2018 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को आशातीत सफलता ग्वालियर-अंचल में मिली थी और 2023 के विधानसभा चुनाव में ग्वालियर-चंबल अंचल की 24 सीटों में से 19 भाजपा के खाते में गई थी और कांग्रेस को 15 सीटों पर संतोष करना पड़ा था। कांग्रेस के कई बड़े नेता डॉ गोविंद सिंह, केपी सिंह, लाखन सिंह विधानसभा चुनाव में पराजित हुए थे।

# एमपी के सभी जिलो में लागू होगी साइबर तहसील व्यवस्था, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह करेंगे लांच

भोपाल। मध्य प्रदेश के 43 जिलों में साइबर तहसील की व्यवस्था दो फरवरी से लागू हो जाएगी। इस व्यवस्था से अब आमजन को रजिस्ट्री, नामांतरण, अविवादित नामांतरण के लिए तहसील कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाना होगा। 2 फरवरी को उज्जैन में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह साइबर तहसील को पूरे प्रदेश में लांच करेंगे। इसको लेकर राजस्व विभाग ने सभी जिला कलेक्टर को पत्र लिखा है। कार्यक्रम का सभी तहसील कार्यालय पर प्रसारण किया जाएगा। गौरतलब है कि सीएम डा. मोहन यादव ने 13 दिसंबर को मंत्रिमंडल की पहली बैठक एक जनवरी 2024 से साइबर तहसील की व्यवस्था प्रदेश के सभी 55 ज़िलों में लागू करने का निर्णय लिया था। एमपी मे सबसे पहले दतिया एवं सीहोर दो जिले में पायलट प्रोजेक्ट के तहत 27 मई 2022 को साइबर साइबर तहसील लागू की गई थी। बाद में 6 अक्टूबर 2022 को इंदौर, हरदा, डिंडौरी एवं सागर जिले में साइबर तहसील लागू की गई। 10 अगस्त 2023 को साइबर तहसील आगर मालवा, बैतूल, उमरिया, श्योपुर, विदिशा एवं ग्वालियर छह जिलों में प्रभावशील की गई। इस तरह डेढ़ साल में साइबर तहसील सिर्फ 12 जिलों में ही प्रभावशील थी। अब यह साइबर तहसील शेष 43 जिलों में भी लागू की जा रही है। साइबर तहसील की व्यवस्था के लिए राजस्व विभाग द्वारा मप्र भू राजस्व संहिता, 1959 में संशोधन कर धारा 13-क में साइबर तहसील स्थापना के प्रावधान किए गए हैं। नयी व्यवस्था से प्रदेश के किसी भी जिले में बिना आवेदन दिए रजिस्ट्री होते ही 15 दिन में नामांतरण स्वतः हो जाएगा। खसरा-नक्शा में भी तत्काल सुधार किया जा सकेगा। इसके लिए अलग से स्टाफ भी रखा जाएगा और प्रमुख राजस्व आयुक्त कार्यालय में भी स्टाफ बढ़ाया जाएगा।

# आईएएस अफसरों को करना होगा पदोन्नति का इंतजार

## शासन डीपीसी के लिए केन्द्र सरकार को पत्र भेजना ही भूला

भोपाल। मध्य प्रदेश को ऐसा राज्य माना जाता रहा है कि जहां पर आईएएस अफसरों की पदोन्नति को सर्वाधिक प्राथमिकता दी जाती है, लेकिन इस बार यह सोच बदलती दिख रही है। इसकी वजह है शायद यह पहला मौका है जब पद रिक्त पड़े हुए हैं , लेकिन आईएएस अफसरों को पदोन्नति के लिए इंतजार करना पड़ रहा है। इसकी वजह है , शासन द्वारा इस बार समय पर पदोन्नति के लिए केन्द्र सरकार को पत्र नहीं भेजना। पत्र नहीं भेजने के लिए केन्द्र सरकार द्वारा डीपीसी के लिए समय ही तय नहीं किया गया है। हालांकि इसके पीछे तर्क दिया जा रहा है कि प्रमुख सचिव के पद पर पदोन्नति के लिए पच्चीस वर्ष की सेवा पूरी होना आवश्यक है। दरअसल प्रदेश में भले ही प्रमुख सचिव के दस पद रिक्त चल रहे हैं, लेकिन इस पद पर पदोन्नति के लिए जिस बैच के अधिकारियों को पदोन्नत किया जाना है, उस बैच के अफसरों की सेवा अवधि महज 24 साल की हुई है। अगर इस तरह की स्थिति होती है तो, प्रदेश सरकार को पदोन्नति के लिए केंद्रीय कार्मिक मंत्रालय से अनुमति लेनी होती है। इसके लिए केन्द्र सरकार से लिखित में आग्रह किया जाता है। इस तरह के नियम होने के बाद भी शासन ने पदोन्नति के लिए अब

तक केन्द्र सरकार को पत्र ही नहीं लिखा है। इसकी वजह से पदोन्नति के लिए डीपीसी की तारीख भी तय नहीं सकती है। यही वजह है कि प्रमुख सचिव पद के कम अफसर होने की वजह से कई अफसरों को दो से लेकर तीन तीन विभागों का काम देखना पड़ रहा है।

गौरतलब है कि प्रदेश में पूर्व में भी कई बार तेईस व चौबीस साल की सेवा के बाद ही अधिकारियों को सचिव से प्रमुख सचिव के वेतनमान में पदोन्नति दी जा चुकी है।

### प्रदेश में पीएस के 32 पद

प्रदेश में अभी प्रमुख सचिव वेतनमान के बत्तीस पद स्वीकृत हैं, जबकि अभी प्रदेश में प्रमुख सचिव स्तर के महज बाईस अधिकारी ही पदस्थ हैं। तीन महिला अधिकारी डेढ़ माह पहले केन्द्र में प्रतिनियुक्ति पर जा चुकी हैं। प्रमुख सचिव वेतनमान में दो और अधिकारी कभी भी प्रतिनियुक्ति पर जा सकते हैं। ऐसी स्थिति में प्रमुख सचिव वेतनमान के अफसरों की संख्या में और कमी आ जाएगी। प्रमुख सचिव स्तर के अधिकारियों की कमी पूर्ण करने के लिए अभी तक सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा कोई शुरुआत नहीं की गई है।

# सरकारी नोटिफिकेशन को भी नहीं मान रहा है नगर निगम

## अभी भी वसूला जा रहा है पुरानी दर से भवन अनुज्ञा का विकास शुल्क

भोपाल। विधानसभा चुनाव से पहले शिवराज सरकार ने आमजन को लाभ देने के लिए भवन अनुज्ञा शाखा द्वारा लिए जाने वाले शुल्क की दरों में कटौती करते हुए उसे पचास फीसदी कर दिया था। यही नहीं उनके द्वारा ईडब्ल्यूएस और एलआईजी श्रेणी के लिए तो यह शुल्क समाप्त ही कर दिया था। इसके बाद इस मामले में गजट नोटिफिकेशन भी जारी कर दिया गया , लेकिन भोपाल नगर निगम इस पर अमल करने को तैयार नही है। यही वजह है कि अब भी लोगों को इस कटौती का फायदा नहीं पा रहा है। इससे सवाल खड़ा होने लगा है कि नगर निगम अपने आप को शायद शासन व सरकार से ऊपर मानता है। अब तो गजट नोटिफिकेशन जारी हुए चार माह का समय हो रहा है। गजट नोटिफिकेशन सितंबर 2023 में जारी किया जा चुका है। इस मामले में निगम प्रशासन का कहना है कि अब तक एमआइसी की अनुमति नहीं मिली है, जिसकी वजह से इस पर अमल नहीं हो पा रहा है।

गौरतलब है कि नगर निगम द्वारा अवैध कालोनियों को वैध करने संबंधी प्रक्रिया के तहत जो राशि प्राप्त होना चाहिए, उसमें भी भारी कमी आई है। दरअसल इन कॉलोनियों में नोटिफिकेशन के बाद ईडब्ल्यूएस से लेकर एलआईजी श्रेणी तक के प्लाट,मकान पर भवन बनाने की अनुमति के लिए जारी होने वाली अनुज्ञा पर विकास शुल्क शून्य कर दिया गया है। इसी तरह इससे बड़े क्षेत्रफल के भूखंड पर भी शुल्क को पचास फीसदी किया जा चुका है। यह नियम वैध और अवैध कालोनियों यानी दोनों श्रेणियों में लागू हो चुका है।

# 9 को बड़े आंदोलन की तैयारी में कर्मचारी

## कर्मचारियों ने लगाया अनदेखी का आरोप, हर कैबिनेट बैठक से मिली निराशा

भोपाल। राज्य के कर्मचारियों ने मोहन यादव सरकार पर अनदेखी का आरोप लगाते हुए आंदोलन का ऐलान कर दिया है। महंगाई भत्ता/महंगाई राहत, वाहन भत्ता, मकान किराए में वृद्धि की मांगों को लेकर कर्मचारी 9 फरवरी को मंत्रालय के सामने प्रदर्शन करेंगे। आंदोलन का आव्हान तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ ने किया है। उधर, मध्य प्रदेश वन कर्मचारी मंच ने भी अल्टीमेटम दे दिया है। मंच ने मुख्य सचिव को ज्ञापन सौंपकर महंगाई भत्ता देने की मांग की है। यह अवधि 10 फरवरी को पूरी हो रही है। दोनों संगठनों की मांग एक ही है, इसलिए दोनों संयुक्त रूप से प्रदर्शन कर सकते हैं।

बता दें कि प्रदेश में 7.50 लाख कर्मचारी और 4.50 लाख सेवानिवृत्त कर्मचारी हैं। विधानसभा चुनाव के लिए आचार संहिता प्रभावी होने के पहले से कर्मचारी महंगाई भत्ता और राहत का इंतजार कर रहे हैं। पड़ोसी राज्य राजस्थान और छत्तीसगढ़ चुनाव के दौरान ही अपने कर्मचारियों को यह लाभ दे चुकी है, पर मध्य प्रदेश में कर्मचारी हर कैबिनेट बैठक में महंगाई भत्ता और राहत देने का निर्णय होने का इंतजार कर रहे हैं। बुधवार को भी कैबिनेट की बैठक थी, कर्मचारियों को उम्मीद थी कि इसमें सरकार कुछ निर्णय लेगी, पर ऐसा नहीं हुआ। इससे कर्मचारियों का सब्र जवाब दे गया और उन्होंने आंदोलन का ऐलान कर दिया। तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ के प्रदेश सचिव उमाशंकर तिवारी ने बताया कि संघ के प्रदेश अध्यक्ष अतुल मिश्रा, कार्यकारी अध्यक्ष एसएस रजक, भोपाल जिला अध्यक्ष मोहन अय्यर, प्रदेश पदाधिकारी मोहम्मद सलीम, एसएल पंजवानी, आशुतोष शुक्ला, जयविंद सोलंकी, अरुण भार्गव, आरिफ अली, दामोदर आर्य, राजकुमार चौरसिया, अवतार सिंह, ओपी सोनी, मोहन सिंह कुशवाहा, संजय लाड़, पारस पीटर आदि नेताओं ने कर्मचारियों की न्यायोचित मांगों की अनदेखी करने पर रोष व्यक्त किया है। नेताओं ने मुख्यमंत्री मोहन यादव से कर्मचारियों की मांगों पर तत्काल निर्णय लेने की अपील की है। नेताओं ने कहा कि इस महंगाई में कर्मचारियों एवं सेवानिवृत कर्मचारियों को हितों की रक्षा करना सरकार का पहला दायित्व है। वहीं मप्र वन कर्मचारी मंच के अध्यक्ष अशोक पाण्डेय ने कहा कि दोनों संगठनों की मांग एक ही है, इसलिए हम समर्थन देंगे।

# जिला स्तर पर भी होगी इन्वेस्टर्स समिट... कैबिनेट कमेटी का गठन

भोपाल। अभी तक हर दो साल में बड़े पैमाने पर इंदौर में ही ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन किया जाता रहा। गत वर्ष 2023 में प्रवासी भारतीय सम्मेलन के साथ ही समिट भी आयोजित की गई थी, जिसमें साढ़े 15 लाख करोड़ से अधिक के प्रस्ताव मिले। हालांकि इसमें से कुछ ही धरातल पर उतर सके। अब मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव अपने गृह जिले उज्जैन में 1 और 2 मार्च को इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन करवाया है, जिसकी जोर-शोर से तैयारियां शुरू हो गई। वहीं अब समय-समय पर जिला स्तरीय इन्वेस्टर्स समिट भी आयोजित की जाती रहेगी, जिसके लिए कैबिनेट कमेटी का गठन भी कर दिया है।

मुख्यमंत्री ने पिछले दिनों ही उद्यमियों से प्राप्त निवेश प्रोजेक्टों और उससे जुड़े मामलों की समीक्षा बैठक में स्पष्ट कहा कि प्रदेश के हर हिस्से में उद्यम आना चाहिए, जिससे सभी जिलों का विकास हो सके। इतना ही नहीं, जिला स्तरीय समिट के छोटे-छोटे आयोजन भी होते रहें, जिससे स्थानीय उद्यमियों की समस्याएं निराकृत की जा सके और मुख्यमंत्री खुद हर दो माह में निवेश के मामलों की निगरानी के साथ उसकी समीक्षा भी करते रहेंगे। अभी कैबिनेट कमेटी का गठन भी किया गया, जिसके अध्यक्ष खुद मुख्यमंत्री तो हैं हीं, वहीं उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा और सुक्ष्म, लघु एवं मद्यम उद्योगमंत्री चैतन्य कश्यप इस कमेटी के सदस्य बनाए गए हैं। यह कमेटी निवेश संबंधित प्रस्तावों और उद्यमियों को आने वाली दिक्कतों पर चर्चा कर उनका निराकरण करेगी और इस कमेटी को राज्य मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की कमेटी के बराबर शक्तियां भी दी गई हैं।

# अरबों खर्च, फिर भी वन महकमा नहीं बचा पा रहा पौधे

## 12 साल में महज 18 फीसदी पौधे ही जिंदा बचा पाया है विभाग

भोपाल। एक तरफ प्रदेश में हर साल करोड़ों रुपए खर्च कर पौधारोपण किया जा रहा है, तो दूसरी तरफ वन महकमे की बड़ी लापरवाही की वजह से यह पौधे सुख जाते हैं या फिर मर जाते हैं। इसकी वजह से प्रदेश में न तो हरियाली बढ़ पा रही है और न ही वनक्षेत्र में इजाफा हो पा रहा है। सरकार को जरुर हर साल करोड़ों रुपए का चूना लग जाता है। इसके बाद भी जिम्मेदारों पर सरकार व शासन कोई कड़ी कार्रवाई करने की हिम्मत नहीं जुटा पाता है। फलस्वरूप हर साल पौधे मारने की घटनाएं लगातार होती रहती हैं।

प्रदेश के वन विभाग के 16 जिलों की 21 डिवीजनों के आंकड़े इस बात की चींख-चींख कर गवाही दे रहे हैं। 12 सालों में इन जिलों में 33 लाख से अधिक पौधे रोपने का दावा किया गया है , लेकिन उनमें से 27 लाख से अधिक पौधे अब पूरी तरह से गायब हो चुके हैं। इस तरह की बड़ी गड़बड़ी सामने आने के बाद अब वन मुख्यालय की नींद खुली, तो जिम्मेदार डीएफओ को कारण बताओ नोटिस जारी तो किए गए , लेकिन किसी भी डीएफओ ने नोटिस का उत्तर देना तक मुनासिब नहीं समझा है। वन मुख्यालय से अब एक बार फिर से मैदानी स्तर पर पदस्थ संबंधित जिलों के डीएफओ को नोटिस देने की तैयारी की जा रही है। इस पूरे मामले में सर्वाधिक भ्रष्टाचार जबलपुर वृत्त में सामने आया है। इस वृत्त में लगभग 14.12 लाख पौधे लगाए गए, जिनमें से 4.72 लाख पौधे पूरी तरह से या तो मर चुके हैं या फिर गायब हैं। आलम यह है कि कटनी अंतर्गत विजयराघवगढ़ के सिझानी ग्राम पंचायत अंतर्गत वर्ष 2012 में 30 हजार पौधे 30 हेक्टेयर में लगाए गए थे , लेकिन मौक पर एक भी पौधा नजर नहीं आता है। इसी तरह से मुरैना वन मंडल अंतर्गत कैमारा कलां में एक हेक्टेयर क्षेत्र में 50 पौधे लगाए गए, लेकिन इनमें दो पौधे ही जिंदा रह सके। ग्वालियर वन मंडल के बदोरी में एक हेक्टेयर में 500 पौधे रोपे परन्तु 494 मर गए। मुरैना में ही मवई में पांच हेक्टेयर में 5,500 पौधे लगाए इनमें वन महकमा एक पौधा ही बचा सका है।

दरअसल प्रदेश में कई सालों से पौधरोपण के नाम पर वन विभाग के अफसर बड़ा खेल कर रहे थे। इसकी सभी को जानकारी होने के बाद भी कभी भी किसी जिम्मेदार पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। इसकी लगातार हो रही शिकायतों के बाद खुलासा वन मुख्यालय ने मूल्यांकन कराया। मूल्यांकन रिपोर्ट में इसकी हकीकत बताई गई। इस रिपोर्ट से पता चला कि 20 से अधिक वन मंडलों में प्लांटेशन के बाद करीब 18 फीसदी ही पौधे जीवित मिले हैं। वन मंडल अंतर्गत वर्ष 2011 से पौधरोपण का काम किया जा रहा है। वन मुख्यालय के अनुसार वैसे तो एक पौधे की कीमत अलग-अलग वन मंडल में अलग होती है, परंतु एक पौधे पर औसतन 60 रुपए खर्च होते हैं।

# रजिस्ट्री के 30 दिन के भीतर नामांतरण नहीं किया तो होगा निलंबन - राजस्व मंत्री वर्मा

भोपाल। नामांकन, सीमांकन एवं बटवारा प्रकरणों का निराकरण निर्धारित समयावधि के भीतर करें। निराकरण के लिए पटवारी के साथ नायब तहसीलदार, तहसीलदार व एसडीएम भी गाँव-गाँव पहुँचें। गाँव में आम आदमी के द्वार पर बैठकर किसानों की राजस्व संबंधी समस्याओं का समाधान करें। यह निर्देश राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा ने ग्वालियर में हुई संभागीय समीक्षा बैठक में दिये। मंत्री वर्मा ने राजस्व महाअभियान एवं राजस्व विभाग की गतिविधियों की समीक्षा भी की। उन्होंने राजस्व अधिकारियों को आगाह करते हुए कहा कि यदि रिजस्ट्री होने के 30 दिन के भीतर किसी तहसीलदारङ्कनायब तहसीलदार ने नामांतरण नहीं किया तो वह अपने आप को निलंबित समझे।

राजस्व मंत्री वर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा है कि प्रदेश के किसी भी किसान को राजस्व संबंधी समस्या के लिये भटकना न पड़े। इसी उद्देश्य से राजस्व महाअभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नामांतरण एवं नामांकन व बंटवारा के प्रकरणों में अधिकतम समय-सीमा का इंतजार न करें। सभी राजस्व अधिकारी सकारात्मक सोच एवं किसानों की मदद के भाव के साथ जल्द से जल्द प्रकरणों का निराकरण करें, जिससे आम आदमी का विभाग के प्रति विश्वास और आप सबके प्रति सम्मान बढ़े। उन्होंने कहा सीमांकन प्रकरणों का निराकरण सभी पक्षों की मौजूदगी में करें, जिससे आगे कोई विवाद की स्थिति न रहे। श्री वर्मा ने राजस्व महाअभियान के दौरान राजस्व अभिलेखों की त्रुटियों को दुरूस्त (नक्शे पर तरमीम) और प्रमुखता के साथ बी-1 का वाचन करने पर विशेष बल दिया।

# लोकसभा चुनाव में आदिवासी समाज से हो कांग्रेस प्रत्याशी

## जातिगत आधार पर जिले में है आदिवासियों का अधिक वोटबैंक- काकोड़िया

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। कुछ ही महीना बाद लोकसभा चुनाव होने हैं जिसको लेकर अब सभी संगठन अपने-अपने स्तर पर लोकसभा चुनाव की तैयारी करना शुरू कर दिए हैं, उसी प्रकार आदिवासी समाज द्वारा भी लोकसभा चुनाव की तैयारी करते हुए 31 जनवरी को आदिवासी भवन बालाघाट में एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया जिसमें उन्होंने आदिवासी समाज से सिवनी बालाघाट क्षेत्र में कांग्रेस का लोकसभा प्रत्याशी बनाए जाने की मांग प्रेस वार्ता के माध्यम से की है। आपको बता दे की देश में लोकसभा चुनाव को अब समय नहीं है, राजनीतिक दलो ने लोकसभा चुनाव को लेकर अपनी तैयारी शुरू कर दी है। जिले में कांग्रेस की अपेक्षा, भाजपा मजबूत नजर आ रही है, वहीं बीते कई लोकसभा चुनाव से बालाघाट-सिवनी संसदीय क्षेत्र की कमान भाजपा के हाथो में है, कांग्रेस ने संसदीय क्षेत्र में प्रत्याशी तो बदले लेकिन परिणाम नहीं बदले। आलम यह रहा कि कांग्रेस को बालाघाट में हजारों और लाखों वोटो से हार का सामना करना पड़ा। वर्तमान समय में जिस तरह से कांग्रेस के हालत है, ऐसे में इस लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के लिए जीत असंभव तो नहीं लेकिन संभव भी नजर नहीं आ रही

है। कांग्रेस के अंदर से आ रही जानकारी पर गौर करें तो कांग्रेस किसी नए प्रत्याशी पर दांव लगाने की अपेक्षा अपने पिटे हुए प्यादो को चुनाव मैदान में उतर सकती है। जिसका भी खामियाजा कांग्रेस को उठाना पड़ सकता है। इससे पहले कांग्रेस के सामने अपने परंपरागत आदिवासी वोटो को बनाए रखने की बड़ी चुनौती है, चूंकि अब तक खामोश रहे आदिवासी समाज ने कांग्रेस से संसदीय क्षेत्र में इस बार आदिवासी प्रतिनिधित्व देने की आवाज को बुलंद किया है। आदिवासी समाज ने कांग्रेस की संसदीय क्षेत्र में हो रही लगातार हार को देखते हुए इस बार जातिगत वोट बैंक में मजबूत आदिवासी समाज का प्रतिनिधित्व करने वाले को प्रत्याशी बनाए जाने की मांग की है। यह मांग प्रेसवार्ता के माध्यम से आदिवासी समाज ने कांग्रेस से की है। वीरांगना रानी दुर्गावती भवन में आयोजित प्रेसवार्ता में आदिवासी विकास परिषद जिलाध्यक्ष दिनेश धुर्वे ने कहा कि देश की आजादी के 76 साल बाद भी संसदीय क्षेत्र में आदिवासी को लोकसभा में प्रतिनिधित्व करने का अवसर कांग्रेस ने कभी नहीं दिया है।

### काफी समय से इस संसदीय क्षेत्र में हार रही कांग्रेस-अर्जुनसिंह काकोड़िया

पूर्व विधायक अर्जुनसिंह काकोड़िया ने कहा कि वर्तमान समय में कांग्रेस विषम परिस्थिति के दौर से गुजर रही है, आगामी समय में लोकसभा चुनाव होने है। देश की आजादी के बाद से आदिवासी समाज, कांग्रेस से जुड़ा है और हर चुनाव में लगभग 70 से 75 प्रतिशत आदिवासी मतदाता, कांग्रेस को मतदान करता हैं। विगत लंबे समय से बालाघाट-सिवनी संसदीय क्षेत्र में कांग्रेस दूर है और यह सीट भाजपा के पास है। जिससे हमने तय किया गया कि सामाजिक बैठक कर हम संसदीय क्षेत्र की परिस्थिति से कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं को अवगत कराये कि काफी समय से इस संसदीय क्षेत्र में हार रही कांग्रेस, यदि आदिवासी प्रतिनिधित्व देती है तो निश्चित ही इसका लाभ कांग्रेस को मिल सकता है और समाज भी अपने प्रतिनिधित्व को लेकर एकजुट होगा। चूंकि 2011 की जनगणना में संसदीय क्षेत्र में आदिवासी लगभग साढ़े 6 लाख थे, आज उनकी संख्या 8 लाख के करीब पहुंच गई है। यदि जातिगत आधार पर आदिवासी जिले बालाघाट में कांग्रेस आदिवासी कार्ड खेलती है तो इसका फायदा कांग्रेस को हो सकता है। चूंकि अधिकांश आदिवासी प्रतिनिधित्व पंचायत से लेकर जिला पंचायत तक और विधानसभा में प्रतिनिधित्व कर रहे है। श्री काकोड़िया ने कहा कि जातिगत आधार पर टिकिट का वितरण होता है तो आदिवासी समाज जिले में बहुसंख्यक है, इसलिए इसे प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए।

### पंवार, मरार और लोधी समाज को प्रतिनिधित्व करने का अवसर दिया है-संदेश सैयाम

आदिवासी कांग्रेस जिलाध्यक्ष संदेश सैयाम ने कहा कि अब तक कांग्रेस ने जातिगत आधार पर पंवार, मरार और लोधी समाज को प्रतिनिधित्व करने का अवसर दिया है, एक बार वह आदिवासी समाज को प्रतिनिधित्व करने का अवसर दे। चूंकि जिला आदिवासी बाहुल्य जिला है और यदि कांग्रेस आदिवासी प्रतिनिधित्व देती है तो बालाघाट संसदीय क्षेत्र में बहुसंख्यक आदिवासी समाज एकजुट होकर कांग्रेस को यह सीट जीत के रूप में भेंट कर सकता है।

## 4 फरवरी को आदिवासी महापंचायत लोकसभा क्षेत्रवासियों की बालाघाट सिवनी में बैठक

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। बालाघाट सिवनी लोकसभा क्षेत्र के सभी सक्रीय सामाजिक संगठनो के पदाधिकारियों एवं सामाजिक कार्यकर्ता गण,महिला पुरूष बुद्धिजीवियों,युवा,युवतियों सभी सगाजनो को सूचित किया जाता है कि आदिवासी महापंचायत की बैठक 4 फरवरी 2024 को समय दोपहर 12 बजे से रानी दुर्गावती सामुदायिक भवन बालाघाट में बैठक आयोजित की गई है जिसमे आगामी लोकसभा चुनावों के मद्धेनजर हम आदिवासी समाज की रणनीति क्या होगी इस विचार मंथन किया जाना है, आप सभी को अवगत होगा कि देश के संविधान में आदिवासियों एवं कमजोर वर्गों को उनके बाहुल्य क्षेत्रों में भारतीय संविधान में राजनैतिक प्रतिनिधित्व के लिए संवैधानिक वैधानिक अधिकार दिया गया । जहां से आरक्षित वर्ग का ही प्रत्याशी होता है। पर और भी ऐसे बहुत से लोकसभा और विधानसभा क्षेत्र है, जहां अवमूमन यह देखा गया है, कि जहां आदिवासीयों के अधिक वोट प्रतिशत बाहुल्य वोटर्स होने के बावजूद योग्य प्रत्याशी होने पर भी वह इन वर्गों का नेतृत्व अस्तित्व में नहीं हैं।देश की बड़ी राजनैतिक पार्टियां कभी भी आदिवासियों को नेतृत्व करने का मौका इन क्षेत्रों में बाहुल्य वोटर्स होने पर भी नही देती हैं,केवल आरक्षित सीटों के सिवाय ऐसा क्यों ? इन राजनैतिक पार्टियों ने जिन आरक्षित सीटों में नेतृत्व दिया है, उनका असरकारक ना होकर आदिवासियों एवम् कमज़ोर वर्गो के संवैधानिक अधिकारों एवम् हितो की रक्षा करने में असफल रहें है, इन राजनैतिक पार्टियों से चुनकर आए नेतृत्व कारगर असरकारक साबित क्यों नहीं हो पा रहे हैं? इस पर चिंतन अवश्य होना चाहिए। जिसके कारण इन पार्टियों की विचारधारा आदिवासियों एवम् कमजोर वर्गों के संवर्धन एवं संरक्षण के लिए कमजोर मापदंड होना ही है। क्योंकि देश में संविधान लागू हुए 73 साल बीत चुके हैं लेकिन देश की सत्ता पर काबिज रही इन राजनैतिक पार्टियों के कार्यकालों के दौरान आदिवासियों एवं कमजोर वर्गों के संवर्धन और संरक्षण के लिए संवैधानिक अधिकारों प्रावधानों को बिना अमल में लाए स्वयं के और राजनीतिक लाभ के लिए या तो संशोधित कर दिए गए हैं या तो खत्म कर बेअसरदार कर कमजोर कर दिए गए हैं, देश की सत्ता पर काबिज़ राजनैतिक पार्टियों के कार्यकालों के दौरान हम आदिवासियों एवम् कमजोर वर्गों के संवैधानिक अधिकारों प्रावधानों के साथ छेड़छाड़ कर संशोधन किए गए है, या खत्म कर कमजोर कर दिए गए ,इसकी महत्वपूर्ण समीक्षा ना तो हमारे राजनायकों ने की और ना तो किसी बड़े सामाजिक संगठनों, ना तो सामाजिक विश्लेषकों ने नहीं किया हैं।अब हमें राजनैतिक पार्टियों के बीते कार्यकालों का हमारे प्रति की गई रणनीतिक कार्यनीतिक कार्यकालों की समीक्षा की जानी अति महत्वपूर्ण है, और हमे जानकारी होना चाहिए कि हम इस देश के मूल बाशिंदों ने आजादी के बाद देश निर्माण में हमारी 258 आदिवासी रियासतों को इस देश में तत्कालीन सरकार ने गोंडवाना राज्य का ख्वाब दिखाकर 258 आदिवासी रियासतों को समाहित करवाने के बाद ठग लिया गया और इस अहम योगदान के बावजूद आजादी के 75 सालों के गुजरने पर आज तक हमने क्या खोया क्या पाया हैं ? इस बात पर विचार मंथन करना है,क्योंकि इन राजनैतिक पार्टियों की हमारे प्रति कमजोर विचारधारा ही जिम्मेदार है,जिसका खामियाजा हम वर्तमान परिस्थितियों में हम भुगत रहे है, जिसका कारण हम आए दिन निरंतर अत्याचार ,अनाचार ,बलात्कार, शोषण, हत्याएं ,अन्याय से न्याय के लिए दर दर भटक रहे हैं। संविधान में आदिवासी बहुल्य क्षेत्रों में विशेष प्रावधानों के तहत विशेष बजट प्रावधान होकर भी अनूसूचित क्षेत्रों के विकास की बदहाली गवाह है, कि आज भी हम अपने मौलिक अधिकारों मूलभूत सुविधाओं से वंचित है,सत्ता पर काबिज शासक वर्ग जानबूझ कर निष्क्रीयता के साथ हमारी जरूरतों से मुख मोड़ ले रहा रहा है, आश्वासन और समझौता रूपी अमृत पिलाकर पिलाकर अमरत्व का बोध करवाया जा रहा है,जो हमारे साथ हो रहा है,हम सहन कर कर बैसाखी के सहारे अपने आने वाली पीढियों के भविष्य को दांव पर लगा रहे हैं।देश में हम बाहुल्य वोटर्स होकर भी मत का अधिकार को न्याय नहीं दे पा रहे है, हम हमारी वोटों की ताकत को समझ नहीं पा रहे है ,यही कारण है,की देश में हम स्वयं के राजनैतिक प्रभुत्व को हम समझ नही पा रहे,जिसके हम हकदार है।हमारी ना समझी के कारण देश में आदिवासियों ओर कमजोर वर्गों के मताधिकार पर कब्जा करने के लिए राजनैतिक पार्टियां सांकेतिक राजनीति कर सत्ता हथियाने का खेला खेल रही है,इस बात को हमे समझना होगा। जिस प्रकार से राजनैतिक पार्टियों की महत्वकांक्षा सत्ता की भूख बेहद ही कारगर कूटनीति से आदिवासियों के मताधिकार पर कब्जा करके हमारा बेहद ही इस्तेमाल किया जाता रहा है, और इन पार्टियों से चुनकर हमारा नेतृत्व हम आदिवासियों एवं कमजोर वर्गों के लिए एक एजेंट बनकर उस राजनैतिक पार्टीयों की सरकार में गुलामी कर रहा है ,जो हमारे राजनीतिक वर्चस्व एवं भविष्य को कमजोर करता आया है,अब भी हम इस गहरी नींद से नहीं जाग सके तो कभी भी इस अंधियारे से व्याप्त रात की सुखद सुबह के दीदार नहीं कर पायेंगे,इस पर मंथन जरूरी है। इस देश के लोकतंत्र में संविधान सबसे बड़ा हाथियार है ,इस हथियार को मानवमूल्यों और संवैधानिक विचारधारा से मजबूत इच्छाशक्ति का नेतृत्व ही इस देश की संसदीय प्रणाली में पहुंचकर इस हाथियार को कुशलता से सुरक्षित चलाकर विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र को सुरक्षित रख सकता है।अब वह वक्त आ गया है, कि अब आदिवासी एवम् कमजोर वर्गों की एकजूटता के साथ ही सामाजिक एवम् राजनैतिक विश्लेषण कर कंधे से कंधा मिलाकर आपसी समझबूझ के साथ एकदूसरे को सम्मान दो और सम्मान पाओ कहावत को चरितार्थ करने का प्रयास आज अब से शुरू करना ही, हम सभी के सुनहरे भविष्य का रास्ता प्रशस्त कर राष्ट्र निर्माण में अहम भूमिका निभाने में कारगर होगा।

## ब्लॉक राजपूत क्षत्रिय सभा का सामाजिक और युवक युवती परिचय सम्मेलन संपन्न

किरनापुर (पद्मेश न्यूज)। ब्लॉक राजपूत क्षत्रिय सभा किरनापुर का सामाजिक सम्मेलन एवं युवक युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन संतोष सिंह बैस के आमगांव रोड, किरनापुर स्थित पुष्पा कॉम्प्लेक्स एंड अपार्टमेंट में किया गया। इस सम्मेलन की शुरुआत मां सरस्वती एवं वीर शिरोमणी महाराणा प्रताप की पूजा अर्चना से हुई। सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में बालाघाट जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सिंह सरस्वार, प्रमुख अतिथि बालाघाट नगरपालिका अध्यक्ष भारती सुरजीत सिंह ठाकुर एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला राजपूत क्षत्रिय सभा बालाघाट के जिला अध्यक्ष संजय सिंह कछवाह को आमंत्रित किया गया था। वही अतिथियों के साथ ही मंचासीन जिला राजपूत क्षत्रिय सभा की महिला कार्यकारिणी की जिला अध्यक्ष मधु देवी राठौर, अनिता चौहान,नीति ठाकुर,बालाघाट ब्लॉक अध्यक्ष अमर सिंह ठाकुर, जिला राजपूत क्षत्रिय सभा बालाघाट के पूर्व जिला सचित एवं सेवानिवृत्त प्राचार्य रविंद्र सिंह बैस, विद्युत

विभाग से सेवानिवृत विनोद सिंह सिसोदिया, कंचन सिंह तोमर,एवं कार्यकरिणी के सम्मानित संरक्षक रणजीत सिंह चौहान, नरेंद्र सिंह तोमर, सुरेंद्र सिंह परिहार, झलेंद्र सिंह चौहान, ओमप्रकाश सिंह जयवार, जितेंद्र सिंह चौहान, सरिता चौहान सहित अन्य का स्वागत सत्कार ब्लॉक राजपूत क्षत्रिय सभा किरनापुर अध्यक्ष अशोक सिंह चौहान , महिला कार्यकारिणी अध्यक्ष श्रीमती शिवानी कछवाह, अरविंद्र सिंह चौहान, दामेंद सिंह कछवाह, संतोष सिंह बैस,संजय सिंह चौहान, नितेंद्र सिंह चौहान, राजकुमार सिंह तोमर, शैलेंद्र सिंह चौहान, सरिता गौतम, नीमा तोमर, श्रीमती चंदा तोमर, श्रीमती कविता बैस, जय प्रकाश जयवर द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए प्रमुख अतिथि भारती ठाकुर ने समाज द्वारा युवक युवती परिचय सम्मेलन की शुरुआत किरनापुर से होने पर ब्लॉक कार्यकारणी के कार्य की प्रशंसा की एवं अब से प्रत्येक वर्ष इसी तरह जिला स्तर पर भी युवक युवती परिचय सम्मेलन आयोजित किए जाने अवश्यकता महशूस जाहिर की। मुख्यातिथ्य उद्बोधन में जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सिंह सरस्वार ने कहा कि किरनापुर में जब भी भवन निर्माण करता है तब मेरा पूर्ण सहयोग होगा और किरनापुर से युवक युवती परिचय सम्मेलन की शुरुआत होना जिले के इतिहास में सदैव से किया जाएगा । अपने अध्यक्ष उद्बोधन में जिला राजपूत क्षत्रिय सभा के अध्यक्ष संजय सिंह कछवाह ने कहा कि समाज को आपसी मतभेद छोड़ कर समाज हित में अच्छा कार्य करने वालों का सदैव साथ देना ही चाहिए क्योंकि अकड़ से व्यक्ति टूटता है और समाज का उसमे अहित ही होता है और इस युवक युवती परिचय सम्मेलन 19 युवक युवती का पंजीयन होना अच्छी शुरआत है। तथा मेरा भी हर संभव सहयोग रहेगा। इस सम्मेलन में स्वजातीय परिवार ने अपना अपना परिचय भी दिया। जिससे समाज एक सूत्र में बंधता दिखा। सम्मेलन को सफल संचालन ब्लॉक राजपूत क्षत्रिय सभा किरनापुर के सचिव कीर्ति सिंह ठाकुर ने किया एवं आभार प्रदर्शन ब्लॉक अध्यक्ष अशोक सिंह चौहान ने किया।

## निरीक्षक विकास सिंह अमित गौतम और महेश शर्मा को भावभीनी बिदाई देकर किया गया विदा

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। कोतवाली में पदस्थ उप निरीक्षक से कार्यवाहक निरीक्षक के पद पर पदोन्नति निरीक्षक अमित गौतम, विकास सिंह, और महेश शर्मा को कोतवाली में भावभीनी विदाई दी गई। तीनों निरीक्षकों का पदोन्नति पश्चात स्थानांतरण किया जा चुका है। जिनमें कार्यवाहक निरीक्षक विकास सिंह को बालाघाट से अनूपपुर ,कार्यवाहक निरीक्षक महेश शर्मा को बालाघाट से जिला ग्वालियर और कार्यवाहक निरीक्षक अमित गौतम का स्थानांतरण जिला सागर किया गया है। 31 जनवरी को कोतवाली में विदाई समारोह का आयोजन किया गया और कोतवाली मैं पदस्थ रहे तीनों पुलिस अधिकारियों को कोतवाली के पुलिस कर्मचारियों ने माला पुष्प गुच्छे से स्वागत और शाल श्रीफल भेंट कर भावभीनी विदाई दी गई इस। अवसर पर नगर निरीक्षक प्रकाश वास्कले के अलावा कोतवाली का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

### बालाघाट जिले में स्थानांतरण होना पनिशमेंट ड्यूटी नहीं है, हम लोगों की दुर्गम सेवा है- निरीक्षक विकास सिंह

नक्सली सक्रियता से संवेदनशील जिले की बिठली पुलिस चौकी प्रभारी के रूप में रह चुके विकाश सिंह ने बताएं कि बिठली पुलिस चौकी नक्सली प्रभावित पुलिस चौकी है। वहां पर सीआरपीएफ सुरक्षा के लिए काम करती है।हमे सामुदायिक पुलिसिंग पर बहुत ध्यान देना होता है। जिसका फायदा हमें सूचना संकलन नक्सली प्रभाव पर क्षेत्र में सरकारी योजनाओं को पहुंचने में विशेष सहयोग मिलता है ।उन्होंने यह भी बताएं कि बालाघाट जिला में स्थानांतरण होना पनिशमेंट ड्यूटी नहीं है हम लोगों की दुर्गम सेवा है और इस क्षेत्र में काम करने वाले पुलिस अधिकारियों को दुर्गम सेवा का लाभ मिलता है जो हमारी नौकरी के लिए एक अहम अनुभव होता है।

## बाल संरक्षण एवं बाल तस्करी की रोकथाम पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश व अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दिनेश चन्द्र थपलियाल के मुख्य आतिथ्य में बाल संरक्षण एवं बाल तस्करी रोकथाम विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन मंगलवार को किया गया। यह आयोजन आवाज जन कल्याण समिति के समन्वय से जिला न्यायालय सभा कक्ष में हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ श्री थपलियाल द्वारा दीप प्रज्जवलित कर किया गया। कार्यक्रम में श्री थपलियाल ने बताया कि बाल तस्करी देशभर में व्याप्त एक गंभीर समस्या है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम इसी दिशा में एक आवश्यक एवं अनुकरणीय कदम हैं इस प्रशिक्षण के माध्यम से सभी प्रतिभागी परस्पर चर्चा कर दुसरे विभागों के कार्य एवं समस्याओं को समझेंगे एवं बेहतर समन्वय के साथ कार्य करने में समर्थ हो सकेंगे। उन्होंने कहा कि हम सभी मिलजुल कर इस दिशा में कार्य करेंगे एवं जन-जागरूकता बढ़ाने का प्रयास करेंगे। वहीं बाल कल्याण समिति अध्यक्ष श्रीमति अनिता खरे द्वारा बाल तस्करी के प्रमुख कारणों के संबंध में बताया गया। साथ ही प्रशासक वन स्टाप सेंटर रचना चौधरी द्वारा बालको के अधिकारो एवं हेल्पलाइन नंबर के संबंध में जानकारी दी गई। कार्यक्रम में न्यायाधीश एट्रोसिटी श्री रविन्द्र सिंह कुशवाह, प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय श्री अजय कान्त पांडे, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण आसिफ अब्दुल्लाह, अपर सत्र न्यायाधीश अमर कुमार शर्मा, श्रीमति नौसीन खान, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट संजीव कटारे, न्यायिक मजिस्ट्रेट विकास विश्वकर्मा, श्री दयालसिंह सूर्यवंशी, भूपेन्द्र सिंह, प्रशिक्षु न्यायाधीश सुश्री शीनी जैन, सुश्री कृतिका मिश्रा, सुश्री अनिशा मिश्रा, जिला विधिक सहायता अधिकारी जीतेन्द्र मोहन धुर्वे, आवाज जन कल्याण समिति से शिवगिरि गोस्वामी लीगल एड डिफेंस काउंसिल्स, छात्र-छात्राएं एवं समस्त पैरालीगल वालेन्टियर्स आदि उपस्थित रहें।

## किसानों को भुगतान और धान परिवहन में गति पर फोकस करेंगे विभाग- कलेक्टर डॉ. मिश्रा

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा ने धान उपार्जन से जुड़े विभागों के साथ मंगलवार को जिला उपार्जन समिति की बैठक की। बैठक में कलेक्टर डॉ. मिश्रा ने सहकारिता विभाग को किसानों के भुगतान के सम्बंध में निर्देशित किया है। उन्होंने कहा कि शेष बचें किसानों को भुगतान की रिपोर्ट हर दिन उन्हें प्रस्तुत की जाए। इसके अलावा धान परिवहन के सम्बंध में संबंधित विभागों से कहा कि परिवहन के कार्य मे तेजी लाई जाए। जिले में लगभग 55 उपार्जन केंद्रों का परिवहन कार्य पूर्ण हो चुका है। इन केंद्रों की प्रथम, द्वितीय और तृतीय तौल का डेटा 3 दिनों के भीतर उपलब्ध कराएंगे। कलेक्टर डॉ. मिश्रा ने नॉन एफएक्यू धान की मात्रा की सूची प्रस्तुत करने के निर्देश दिए है। पूर्व में उपार्जन कार्य के दौरान 23 मिलर्स को सीएमआर जारी नही करने के कारण शोकॉज जारी किए गए थे। इस पर आगामी कार्यवाही की जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए है। बैठक में डीएसओ ज्योति बघेल आर्य, डीएमओ श्री रघुवंशी, जिला खाद्य आपुर्ति अधिकारी श्रीमती ज्योति बघेल, कृषि उपसंचालक श्री राजेश कुमार खोब्रागढ़े, सीसीबी सीईओ श्री आरसी पटले व अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

## मां सरस्वती शिशु मंदिर नांदी में शहीद दिवस के रूप में मनाया गया वार्षिक उत्सव

नांदी (पद्मेश न्यूज)। मां सरस्वती शिशु मंदिर नांदी प्राइवेट संस्था में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी शहीद दिवस के रूप में मनाया गया वार्षिक उत्सव.यह कार्यक्रम हनुमान चौक में मनाया गया इसमें सर्वप्रथम मुख्य अतिथियों ने महापुरुषों की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया कार्यक्रम के अध्यक्ष मानिकदास गोखे ने शहीदों की कुर्बानी को याद करते हुए शहीदों को नमन किया। आयोजित कार्यक्रम में संबोधित करते हुए अतिथियों ने कहा कि अच्छी शिक्षा एवं संस्कार ही जीवन को एक नया रुप देते हैं। हमें समाज को शिक्षित एवं संस्कारित बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहना चाहिए। इस कार्यक्रम में श्रीराम सीता और लक्ष्मण की झांकी आकर्षण का केंद्र रहीं.नन्हे मुन्रे बच्चो ने राम लक्ष्मण सीता जी की झांकी निकालकर सभी का मनमोह लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मानिकदास गोखे के द्वारा की गई वहीं अतिथि के रूप में दिलीप पटले,उम्मेद लांजेवार,महेंद्र बिसेन बिरसोला,विजय नेवारे,के के साहू मुख्य रूप से उपस्थित रहे.स्कूल के कार्यक्रम को सफल बनाने में संचालक सूरजलाल तैकर,प्रधान पाठिका श्रीमती सरस्वती बूर्डे,शिक्षिकाएं कु.लता बागड़े, कु.रेणुका ठाकरे, कु.डिंपल बोपचे का विशेष योगदान रहा। इस दौरान शिक्षक शिक्षिकाओं ने छात्र छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें आर्शीवाद दिया.वहीं इस कार्यक्रम में नांदी सहित आसपास के ग्रामीण उपस्थित रहे।

## राजस्व महाअभियान में बी-1 वाचन का कार्य 1388 गांवों में हुआ पुरा

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। मप्र शासन द्वारा राजस्व विभाग से संबंधित कार्यो को दुरुस्त करने के लिये 45 दिनों का राजस्व महाअभियान प्रारंभ किया गया। कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा के निर्देशन में 15 जनवरी से प्रारंभ हुये इस महाअभियान में अब तक जिले के सभी 1388 गावों में बी-1 वाचन का कार्य पुरा किया जा चुका है। अब इसके आगे राजस्व विभाग अंतर्गत आने वाले विभिन्न आवेदनों और नामांतरण, सीमांकन, विवादित बंटवारे आदि के कार्यों में तेजी आयी है। भू-अभिलेख का कार्य देख रही स्मिता देशमुख ने जानकारी देते हुये बताया कि जिले के कुल 27 न्यायालयों में अभियान के अंतर्गत 5925 नामांतरण के प्रकरण दर्ज किये गए है। जिसमें से अब तक 3036 नामांतरण के प्रकरणों का निराकरण किया जा चुका है। अगर इन प्रकरणों के निराकरण में प्रतिदिवस निराकृत प्रकरणों की बात करे तो यह एक दिन में सबसे अधिक 291 तक पहुंची है। वहीं अभियान के अंतर्गत 3 माह से अधिक समय के प्रकरणों के निराकरण के मामले में अब तक 877 प्रकरण निराकृत किये गए है। इसी तरह अभियान के अंतर्गत अविवादित बंटवारे के 250 आवेदन प्राप्त हुये है जिसमें से 242 प्रकरण निराकृत किये जा चुके है। इसमें एक दिन में 24 प्रकरण निराकृत हुये है। जबकि 3 माह से अधिक समय वाले प्रकरणों में निराकरण की बात की जाये तो उनकी संख्या 198 है। इसके अलावा सीमांकन प्रकरणों में अभियान के दौरान 120 आवेदन प्राप्त हुये है जिसमें निराकरण प्रकरणों की संख?या 98 हुई है। इसी तरह रिकॉर्ड दुरुस्ती के प्रकरणों में 60 आवेदन दर्ज किये गये है। इसमें 66 प्रकरण निराकृत हुये है। जबकि नक्शा तरमीम के 22635 प्रकरण सुधार किये गए है।

भू-अभिलेख अधिकारी स्मिता देशमुख ने जानकारी देते हुये बताया कि जिले की 11 तहसीलों में 1272766 किसान है। जिसमें से अब तक ईकेवायसी केवल 96186 किसानों ने करवाई है। अभी भी 1176580 किसानों की ईकेवायसी पेंडिंग है। जबकि यह ईकेवायसी किसानों के लिये कई योजनाओं में महत्वपूर्ण मानी जाती है। किसानों को एमपी कियोस्क के अलावा अन्य माध्यमों से भी समग्र ईकेवायसी करवाई जा सकती है। इस संबंध में कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा ने भी किसानों से ईकेवायसी करवाने का आह्वान किया है।

## शा.उ.मा. विद्यालय मजगांव में लगाया गया राष्ट्रीय सेवा योजना का केम्प

बैहर (पद्मेश न्यूज)। गत १६ जनवरी से २२ जनवरी तक सात दिवसीय ५० छात्रों की उपस्थिति के साथ खैरलांजी में राष्ट्रीय सेवा योजना का केम्प लगाया गया, जिसमें गणमान्य नागरिक ग्राम पंचायत खैरलांजी की सरपंच, प्राचार्य सुश्री नीलु राय, एनएसएस जिलाा संगठक प्रचारक डॉ. निर्मल चक्रधर की गरिमामयी उपस्थिति में कार्यक्रम प्रारंभ कराया गया एवं सम्पन्न कराया गया। कार्यक्रम संयोजक नीरज राउत, अब्दुल शोयेब खान एवं सुकरीत दास की सराहनीय भूमिका रही। केम्प में दिनेश बघेल, बलवंत धुर्वे, लकेश लिल्हारे, प्रवेश बेदरे, श्रीमती नीता सिंग, श्रीमती जमना चंदेश्वर, श्रीमती डी.तुरकर, कु. नेहा ठाकरे आदि शिक्षक/शिक्षिकाओं ने सही निर्देश देकर कार्यक्रम सम्पन्न कराया। सभी शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं द्वारा अपना दायित्वों का निर्वहन एवं कार्य हर्ष उल्लास के साथ किया।

**कार्यालय सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक बालाघाट**

क्रमांक/जि.चि.बा./निविदा/2024/ 3787 बालाघाट दिनांक 29.1.2024

**शुद्धी पत्र आदेश**

इस कार्यालय के पत्र क0/जि.चि.बा./निविदा/2024/3608 बालाघाट दिनॉक 12.01.2024 के द्वारा टेडर आंमत्रण किया गया जिसे ई-टेडर मध्यप्रदेश पोर्टल पर 2024_DHS_326796_1 दिनॉक 16 जनवरी 2024 को प्रसारित किया गया। टेडर समीति द्वारा विचार विमर्श उपरांत कपडे धुलाई कार्य हेतु प्रसारित शर्तो मे सेक्शन क0 05 के बिन्दु क0 03 को विलोपित किया जाता हैं , व बाकी शर्ते पूर्ववत ही रहेगी।

टेडर निविदाओ की हार्डकापी की दिनॉक को 07.02.2024 के स्थान पर 14.02.2024 को जमा किया जावेगा , व दिनॉक 08.02.2024 के स्थान पर दिनॉक 16.02.2024 को टेडर अधोहस्ताक्षरकर्ता कक्ष मे समस्त कमेटी सदस्य व टेडरकर्ता की उपस्थिति मे दोपहर 12:00 बजे खोले जावेगे।

उचित आदेशानार्थ सादर प्रस्तुत ।

जी - 23591/23

(डॉ0 संजय धबडगांव)
सिविल सर्जन
सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक
बालाघाट

# युवाओं के सपने साकार करती मध्यप्रदेश सरकार

**नरेन्द्र मोदी**, प्रधानमंत्री

"प्रदेश में रोज़गार के अवसर बढ़ें, अधिक से अधिक उद्योग यहां स्थापित हों। प्रदेश का चहुंमुखी विकास हो, हम सुशासन और सुव्यवस्थाओं को स्थापित करें, प्रदेश सरकार का यही संकल्प है।"

**- डॉ. मोहन यादव**, मुख्यमंत्री

# रोज़गार दिवस

## डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री द्वारा

## 7 लाख युवाओं को ₹5 हजार करोड़ का स्वरोज़गार ऋण वितरण

अब तक 57 लाख से अधिक युवाओं को ₹ 40 हजार करोड़ का ऋण वितरित

## 45.89 लाख बहनों को ₹ 450 में गैस सिलेंडर रीफिल योजना में ₹ 118 करोड़ की अनुदान राशि का अंतरण

## ग्वालियर-अहमदाबाद के मध्य अकासा एयर उड़ान का वर्चुअल माध्यम से शुभारंभ

## कृषि मेला
एवं
विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन

1 फरवरी, 2024 – अपराह्न 2:30 बजे – कृषि उपज मंडी प्रांगण, मुरैना, मध्यप्रदेश

सीधा प्रसारण Webcast.gov.in/mp/cmevents @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP

D11189/23

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

मध्यप्रदेश शासन

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2024

# वारासिवनी अदालत ने सुनाई मृत्युदंड की सजा

## गिरधारी सोनवाने ने मासूम बच्चियों का जादूटोने के शक में बलात्कार कर की थी हत्या, मामला थाना तिरोड़ी मेहकेपार चौकी के ग्राम चिटकादेवरी का

**वारासिवनी( पद्मेश न्यूज )। लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम की विशेष न्यायाधीश कविता इनवाती की विद्वान अदालत ने दो मासूम बच्चियों के साथ बलात्कार और हत्या के एक जघन्य सनसनीखेज मामले में आरोपी को मृत्युदंड की सजा सुनाई है। यह आरोपी गिरधारी पिता धनपाल सोनवाने ४२ वर्ष ग्राम चिटकादेवरी पुलिस थाना तिरोड़ी का निवासी है। जिसने इस वारदात को ४ अप्रैल २०२२ को अंजाम दिया था। संभवतः यह जिले का पहला मामला है जब मासूम दो बच्ची के साथ बलात्कार और हत्या मामले में किसी आरोपी को मृत्युदंड की सजा सुनाई गई है। इस आरोपी ने दोनों मासूम बहनों के साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों की हत्या करने के बाद दोनों की लाश ग्राम समीप राजीव सागर बांध की मुख्य नहर में फेक दी थी। उक्त प्रकरण में पीड़िता की ओर से पैरवी शशिकांत पाटील शासकीय अधिवक्ता वारासिवनी के द्वारा की गई।**

### यह है पुरा मामला

प्राप्त जानकारी अनुसार के ३ वर्ष व ६ वर्ष की दोनों नाबालिक मृतिका के पिता ३ अप्रैल २०२२ को अपने रिश्तेदार की शादी में शामिल होने के लिए गए हुए थे । इस दौरान उनके घर पर उनकी मां पत्नी एवं दो बच्ची घर पर थी। जिसमें ४ अप्रैल २०२२ को मृतिका की मां महुआ चुनने के लिए गई हुई थी जहां से वह वापस घर आई और आस पड़ोस में कहीं उसे उसकी दोनों बेटी नहीं दिखने पर दोपहर करीब ३ बजे उसके द्वारा अपने पति को फोन पर यह जानकारी दी गई।जिसके बाद ग्रामीणों के साथ पूरे ग्राम में बच्चियों की पतासाजी की गई परंतु कहीं पता नही लगा। तभी ग्राम के एक व्यक्ति प्रकाश पिता रामचंद्र मरकाम के द्वारा बताया गया कि सुबह १०.३० बजे उनकी दोनों बेटी को गिरधारी पिता धनपाल सोनवाने अपनी टीवीएस एक्सएल क्रमांक एमपी ५० एमवी २७३५में बैठाल कर जंगल में राजीव सागर बांध की मुख्य नहर की तरफ ले जाते हुए देखा गया। जिस पर ग्रामीणों के द्वारा मौके पर जाकर देखा गया परंतु कुछ पता ना चलने पर मेहकेपार चौकी में मौखिक सूचना दी गई। जिस पर पुलिस के द्वारा गिरधारी सोनवाने के खिलाफ भादवि की धारा ३६३,३६६ क के तहत अपराध पंजीबद कर जांच में लिया गया था।

### राजीव सागर बांध की नहर से बरामद हुए थे शव

तिरोड़ी पुलिस के द्वारा दर्ज अपहरण के अपराध में विवेचना प्रारंभ कर प्रार्थी की निशानदेही पर जांच तलाश प्रारंभ की गई ।इस दौरान राजीव सागर बांध घने जंगल एवं बांध से निकलने वाली मुख्य नहर की जांच की गई । इस दौरान बांध से करीब डेढ़ किलोमीटर दूर नहर से करीब ६ वर्षीय बड़ी बच्ची एवं करीब ३ वर्षीय छोटी बच्ची इस प्रकार दोनों बच्चियों के शव ५ अप्रैल २०२२ को बरामद कर मामले में आवश्यक कार्यवाही कर पोस्टमार्टम किया गया। वहीं उक्त मामले के अपहरण के आरोपी गिरधारी पिता धनपाल सोनवाने उम्र ४२ वर्ष थाना तिरोड़ी मेहकेपार चौकी के ग्राम चिटकादेवरी निवासी को बोनकट्टा से ६ अप्रैल २०२२ को पुलिस ने अपनी अभीरक्षा में लेकर कड़ाई से पूछताछ करने के उपरांत ७ अप्रैल २०२२ को गिरफ्तार कर मेडिकल कराकर न्यायालय में पेश किया गया जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।

### आरोपी ने इस वजह से की थी हत्या

आरोपी गिरधारी पिता धनपाल सोनवाने के परिवार की जमीन सामूहिक है जिनका बंटवारा नहीं हुआ था। इस परिस्थिति में दोनों मृत बच्चियों के पिता के द्वारा भी उसी जमीन के एक भाग में खेती कार्य किया जाता था। जिसमें आरोपी व उसके परिवार को लगता था कि उनके द्वारा ज्यादा जमीन लेकर कार्य किया जा रहा है जिसको लेकर दोनों परिवारों के मध्य विवाद बना हुआ था। इसी दौरान वर्ष २०२२ की मकर संक्रांति में दोनों मृतिका की मां के द्वारा आरोपी गिरधारी सोनवाने को लड्डू और चिवड़ा खाने के लिए दिया गया था । जिसके बाद से आरोपी को ऐसा लग रहा था कि लड्डू और चिवड़ा में उसे कुछ मिलाकर दिया गया है जिसके कारण उसके पेट में हल्की जलन और सर में गर्मी बनी हुई है साथ ही नामर्दानगी भी उसे हो रही है। उन्होंने उसके ऊपर जादूटोना करने का मानसिक वहम को लेकर वह पंडा ओझा के पास झाड़फूक और दवा करवाने लगा। इस दौरान वह तुमसर के किसी बाबा के पास झाड़फूक कर रहा था जिसने उसके घर में भी आकर झाड़ फूक किया। ऐसे में वह बदला लेने की सोच बनाकर एक योजना तैयार कर ४ अप्रैल २०२२ की सुबह १० बजे ३ वर्ष एवं ६ वर्ष की दोनों बच्चियों की फोटो की पूजा कर उन्हें उनके घर से अपने साथ गाड़ी से लेकर हत्या करने की नियत से कुड़वा बांध बड़ी नहर की ओर लेकर गया। बांध का जहां से पानी निकलता है वहां उन्हें ले जाकर दोनों बच्चियों के साथ मारपीट की गई। इसके बाद ६ वर्षीय बच्ची को क्रिमिनल असॉल्ट करने की कोशिश किया जिससे वह बचने का प्रयास की और काबू में ना आने पर उसके सर पर पत्थर मार दिया जिसके चिल्लाने पर उसे फिर नहर में फेंक दिया। उसके बाद ३ वर्षीय बच्ची के साथ बलात्कार की घटना कर उसे भी नहर में फेंक कर तत्काल नदी क्रॉस कर तुमसर निकल गया।

### मृत्यु दंड की सुनाई गई सजा

वारासिवनी न्यायालय में अभियोग पत्र पेश किया गया जिसके बाद से यह प्रकरण विशेष न्यायाधीश लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम कविता इनवाती की अदालत में विचारधिन था। जिसमें आरोपी गिरधारी पिता धनपाल सोनवाने उम्र ४२ वर्ष थाना तिरोड़ी मेहकेपार चौकी के ग्राम चिटकादेवरी निवासी का अपराध सिद्ध होने पर उसे भादवि की धारा ३६३,३६४,३०२,२०१,३६६ ए, ३७६,३७६ क ख एवं लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम की धारा ५,६,७,८,९,१० के तहत ६ वर्षीय बालिका की हत्या करने के आरोप में आजीवन कारावास एवं ३ वर्षीय बालिका का बलात्कार कर हत्या करने के आरोप में मृत्यु दंड की सजा सुनाई गई।

### पीड़ित परिवार ने सजा का किया स्वागत

इस मामले में सजा सुनाने की जानकारी पीड़ित परिवार को भी दी गई थी जिस पर इस ऐतिहासिक मौके पर पीड़ित परिवार भी उपस्थित हुआ। जिनके सामने अपने ही भाई की दो बच्चियों के साथ इस प्रकार जघन्य हत्याकांड करने वाले आरोपी गिरधारी सोनवाने को मृत्यु दंड की सजा सुनाई गई। जिसके बाद पीड़ित परिवार के आंखों से आंसू रुकने का नाम नहीं ले रहे थे। जिनके अंदर अपनी २ बच्ची को खोने की पीड़ा तो थी परंतु न्याय के प्रति खुशी भी थी। जिसमें पीड़ित पिता ने पदेश से चर्चा में न्यायालय का धन्यवाद ज्ञापित कर जो सजा मृत्युदंड की सुनाई गई उसका स्वागत भी किया। इस दौरान स्पष्ट देखा गया कि वह अपनी तकलीफ के कारण स्पष्ट बोल भी नहीं पा रहे थे।

### आपराधिक प्रवृत्ति के लिये यह फैसले एक संदेश है- शशिकांत पाटिल

शासकीय अधिवक्ता शशिकांत पाटील ने पदेश से चर्चा में बताया कि बालाघाट जिले का यह अति महत्वपूर्ण मामला था जिसमें दो बच्चों की हत्या की गई थी और छोटी बच्ची का बलात्कार हुआ था। यह दोनों बच्चे ५ वर्ष के आसपास की थी इसमें आरोपी गिरधारी सोनवाने के द्वारा अंधविश्वास को आधार बनाकर उन बच्चियों की हत्या करने राजीव सागर बांध लेकर गया और वहां पर उनके साथ गलत कर नहर में डालकर हत्या कर दिया। इस मामले में पुलिस के द्वारा बेहतर विवेचना की गई जिसमें निर्णय आया की छोटी बच्ची के मामले में मृत्यु दंड एवं बड़ी बच्ची के मामले में आजीवन कारावास की सजा दी गई। यह जिले एवं पुलिस के लिए ऐतिहासिक फैसला है और एक अच्छा संदेश है की अबोध बच्चियों के साथ यदि कोई ऐसा अपराध करता है तो उसके लिए सजा निर्धारित है। इसी के साथ समाज में भी संदेश गया है कि अपराधी को छोड़ा नहीं जाएगा और न्याय वास्तव में पीड़ित तक पहुंचा है।

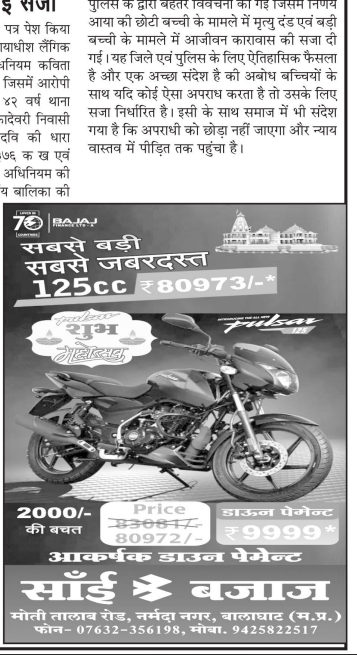




## आवश्यकता है

शासन से मान्यता प्राप्त संस्था में निम्न पदों की आवश्यकता है -

| पदनाम | संख्या | योग्यता |
|---|---|---|
| • ऑफिस ब्वॉय | -01 पद | 10वीं |
| • भृत्य / चपरासी | -02 पद | 12 वीं |
| • सफाई कर्मचारी | -01 पद | 10 वीं |
| • कम्प्यूटर ऑपरेटर | -02 पद | Online Work |
| • कम्प्यूटर लेंग्वेज शिक्षक | -03 पद | BE, MCA |
| • कम्प्यूटर शिक्षक | -02 पद | |

**यूनिवर्सल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नालाजी**
भटेरा रोड रेल्वे क्रासिंग के पास बालाघाट
Mo. 9406764413, 07632-356492



## हाल किराये से देना है

शहर के ह्दय स्थल बस स्टेण्ड स्थित धर्मशाला में द्वितीय तल पर 1 बड़ा हाल-2100 वर्गफिट 2 छोटे हाल 400-400 वर्गफिट, 4 कमरे सर्वसुविधायुक्त इंस्टीट्यूट, ट्रेनिंग सेंटर कोचिंग आदि के लिये किराये से देना है।

संपर्क करें-कार्यालय, धर्मशाला बस स्टेण्ड बालाघाट
प्रबंधक मो. 9425139694



**निःशुल्क निःशुल्क निःशुल्क**

**जिला जनकल्याण सार्वजनिक ट्रस्ट द्वारा संचालित धर्मशाला, बस स्टेण्ड बालाघाट**

**निःशुल्क होम्योपैथिक दवाखाना**

वात, पुरानी खांसी, बुखार, पथरी, लकवा मानसिक समस्या, नाक-कान-गला, त्वचा रोग व अन्य जटिल बीमारी का निःशुल्क इलाज होम्योपैथिक दवाईयां पूर्णतः निःशुल्क दी जाती है।

**चिकित्सक : - डॉ. शिल्पी नगपुरे**
B.H.M.S
Reg.No.-21209

समय-दोप. 3 बजे से शाम 6 बजे तक
पता - धर्मशाला बस स्टेण्ड, बालाघाट


# स्कॉर्पियो की चपेट में आने से मोटर साईकिल सवार पिता-पुत्री घायल

मलाजखंड (पद्मेश न्यूज)। मलाजखंड थाना अंतर्गत मोहगांव से रेहंगी रोड पर स्थित ग्राम पांडयाटोला के पास स्कार्पियो ने मोटरसाइकिल को ठोस मार दी। इस सड़क दुर्घटना में इस स्कॉर्पियो की ठोकर से मोटरसाइकिल में सवार एक व्यक्ति गुलाब सिंह मेरावी रेहंगी छिंदीटोला और उसकी बेटी कु रश्मि मेरावी घायल गई। 30 जनवरी को यह घटना उस समय हुई जब गुलाबसिह मेरावी को अपनी बेटी रश्मि मेरावी बालाघाट जाने के लिए मोहगांव बस स्टैंड छोड़ने आ रहा था। दोनों घायल को बिरसा के अस्पताल में भर्ती किया गया ।जहां से उन्हें जिला अस्पताल बालाघाट रिफर किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गुलाब सिंह मेरावी अपने परिवार के साथ खेती किसानी करते हैं जिसकी बेटी रश्मि बालाघाट में रहकर पढ़ाई करती है जो वर्तमान में छुट्टी होने पर अपने घर छिंदीटोला आ गई थी।30 जनवरी को 12 बजे करीब गुलाबसिह मेरावी अपनी बेटी रश्मि मेरावी को बालाघाट जाने के लिए अपने गांव छिंदीटोला से मोटरसाइकिल में मोहगांव बस स्टैंड छोड़ने के लिए आ रहा था। तभी ग्राम रेहगी और पांडयाटोला के बीच मोहगांव की ओर से तेज रफ्तार से आ रही स्कार्पियो ने मोटरसाइकिल को ठोस मार दी स्कॉर्पियो की ठोकर से गुलाब सिह मरावी और उसकी बेटी रश्मि मेंरावी घायल हो गए। दोनों घायल को तुरंत ही बिरसा के अस्पताल में भर्ती किया गया था। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद दोनों पिता पुत्री को जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया था। किन्तु जिला अस्पताल बालाघाट से दोनों को प्राइवेट अस्पताल में भर्ती किया गया है।


## St. Mary's English Medium School Balaghat

- Affiliated to CBSE, No. 1030468 -

**••• TEACHERS REQUIRED •••**

| | |
|---|---|
| PRT | All Subjects - Graduation with D.Ed/B.Ed |
| TGT | Mathematics - Graduation with B.Ed |
| Art & Craft | BFA/MFA |

**Note :**

1. Qualifications sought are as per CBSE norms.
2. Ability to communicate in English is essential. Max. age limit is 35 years as on date.
3. Apply if suitably qualified only.
4. Shortlisted candidates only will be called for interview.
5. Application written in candidate's own handwriting along with complete biodata and recent passport size photograph should be delivered before **10 February 2024** to the School Office in the following address or email:

**St. Mary's English Medium School Balaghat**
Ward No.2, Bhatera, Balaghat, M.P.
Mob. 9424389705, 8253006522
Email: stmarys_schoolbgt@rediffmail.com
**Manager**

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट ( म.प्र. ) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट